सेना ने हटाया टीएमसी का प्रदर्शन मंच, ममता ने लगाया केंद्र पर सेना के दुरुपयोग का आरोप-12

यूपीआई लेन-देन की संख्या अगस्त माह में बीस अरब के पार-12

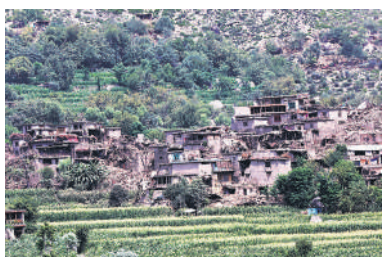

भारत ने अफगानिस्तान को भेजे एक हजार तंबू और 15 टन खाद्य सामग्री-13

महिला विश्व कप चैंपियन की पुरस्कार राशि में बंपर बढ़ोतरी-14

आज का मौसम

28.0° अधिकतम तापमान

22.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.49

सूर्यास्त 06.34

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

भाद्रपद शुक्ल पक्ष दशमी 03:53 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 2 सितंबर 2025, वर्ष 5, अंक 192, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

न्यूज ब्रीफ

वाणिज्यिक एलपीजी 51.50 रुपये सस्ता

नई दिल्ली। विमान ईंधन के दाम में सोमवार को 1.4 प्रतिशत की कटौती की गई, जबकि वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर 51.50 रुपये सस्ते हो गए। तेल कंपनियों ने 19 किग्रा के वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत 51.50 रुपये कम किए हैं। राष्ट्रीय राजधानी में वाणिज्यिक एलपीजी सिलेंडर की कीमत अब 1,580 रुपये है। वाणिज्यिक एलपीजी की कीमतों में यह छठी कटौती है। अप्रैल से अब तक की गई कटौती में दाम प्रति सिलेंडर 223 रुपये घटे हैं।

संभल मस्जिद मामले में यथास्थिति बढ़ाई

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उत्तर प्रदेश के संभल मस्जिद विवाद में यथास्थिति बनाए रखने के अपने आदेश की अवधि दो हफ्ते के लिए बढ़ा दी। न्यायमूर्ति पी. एस. नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक अराधे की पीठ ने कहा कि इस मामले में जामा मस्जिद संभल की प्रबंध कमेटी ने दो अपील दायर की थीं। इसका नेतृत्व क्रमशः जामा मस्जिद के सचिव और उपाध्यक्ष ने किया। शीर्ष अदालत ने रजिस्ट्री को मामले की पड़ताल करने और एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।

स्पाइसजेट की उड़ान की इमरजेंसी लैंडिंग

मुंबई। पुणे से दिल्ली आ रहे स्पाइसजेट के एक विमान में बीच हवा में तकनीकी खराबी आ गई जिस वजह से इसे वापस लौटना पड़ा। वितान की इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई। स्पाइसजेट के बोइंग 737 विमान को तकनीकी खराबी के कारण बीच रास्ते से पुणे हवाई अड्डे लौटना पड़ा। दिल्ली के लिए उड़ान भरने के एक घंटे बाद विमान को आपातकालीन स्थिति में वापस उतारा गया। उड़ान एसजी937 सुबह छह बजे पुणे से रवाना हुई थी।

पूर्व वीसी को डिजिटल अरेस्ट करने वाला धराया

रुद्रपुर। उत्तराखंड एसटीएफ ने बरेली के रुहेलखंड विवि की सेवानिवृत्त कुलपति से 1.47 करोड़ रुपये की साइबर ठगी के आरोपी राजेन्द्र कुमार को हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया है। एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह के अनुसार, साइबर गैंग ने बीते अगस्त माह में वर्तमान में नैनीताल निवासी पूर्व वीसी को उनके बैंक खाते में 60 करोड़ का लेनदेन बताकर 12 दिनों तक डिजिटल अरेस्ट किया था। पेज-7

सोने ने बनाया रिकॉर्ड, 1.05 लाख के पार, चांदी भी एक हजार बढ़कर शिखर पर

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी में सोने की कीमत सोमवार को 1,000 रुपये बढ़कर 1,05,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई। इस महीने अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दर में कटौती की उम्मीद और विदेशी बाजारों में मजबूत मांग के चलते सोने की कीमतों में तेजी आई। इसके साथ ही चांदी की कीमत भी 1,000 रुपये चढ़कर 1,26,000 रुपये प्रति किग्रा. के नए शिखर पर पहुंच गईं। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना शनिवार को 1,000 रुपये बढ़कर 1,04,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया था। स्थानीय बाजार में, 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 800 रुपये बढ़कर 1,04,800 रुपये प्रति 10 ग्राम के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया।

अफगानिस्तान में भूकंप से तबाही, 800 की मौत

- रिक्टर स्केल पर 6 मापी गई तीव्रता 2500 लोग घायल
- कुनार प्रांत में हताहतों की संख्या ज्यादा, कई गांव बर्बाद

काबुल, एजेंसी

पूर्वी अफगानिस्तान में आए शक्तिशाली भूकंप में लगभग 800 लोगों की मौत हो गई तथा 2,500 से अधिक लोग घायल हो गए। तालिबान सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि पड़ोसी नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर के समीप कुनार प्रांत के कई शहरों में रविवार देर रात आए 6.0 तीव्रता के भूकंप से बड़े पैमाने पर तबाही मची है।

अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अनुसार, रात 11:47 बजे आए भूकंप का केंद्र नंगरहार प्रांत के जलालाबाद शहर से 27 किलोमीटर दूर पूर्व-उत्तरपूर्व में था। भूकंप का केंद्र जमीन से 8 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद भी कई झटके महसूस किए गए।

पूर्वी अफगानिस्तान में भूकंप से तबाह हुआ एक घर। ● एजेंसी

तालिबान सरकार के प्रवक्ता ज़बीहुल्लाह मुजाहिद ने सोमवार को बताया कि मरने वालों की संख्या बढ़कर 800 हो गई है और 2,500 लोग घायल हुए हैं। ज्यादातर लोग कुनार प्रांत में हताहत हुए हैं। कुनार के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक नर्गल जिले के एक निवासी ने बताया कि लगभग पूरा गांव खत्म हो गया है। बच्चे, बुजुर्ग और युवा मलबे के नीचे दबे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता शराफत ज़मान ने बताया कि बचाव कार्य जारी है और कुनार, नंगरहार और राजधानी काबुल से चिकित्सा दल क्षेत्र में पहुंच गए हैं। मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ सकती है।

प्रधानमंत्री मोदी ने दिया मदद का आश्वासन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अफगानिस्तान में रविवार रात आए विनाशकारी भूकंप में हुए जानमाल के नुकसान पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए भारत की तरफ से हरसंभव मानवीय सहायता प्रदान करने की पेशकश की है। मोदी ने एक्स पर सोमवार को कहा कि अफ़ग़ानिस्तान में आए भूकंप में हुई जान-माल की हानि से अत्यंत दुःखी हूं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोक संतप्त परिवारों के साथ हैं।

2023 में भी आया था 6.3 तीव्रता का भूकंप

सात अक्टूबर 2023 को अफगानिस्तान में 6.3 तीव्रता का भूकंप आया था, जिसके बाद तेज़ झटके भी महसूस किए गए थे। तालिबान सरकार ने इस भूकंप में कम से कम 4,000 लोगों के मारे जाने का अनुमान जताया था। हालांकि, संयुक्त राष्ट्र ने मृतकों की संख्या लगभग 1,500 बताई थी। यह हाल के दिनों में अफ़ग़ानिस्तान में आई सबसे भीषण प्राकृतिक आपदा थी।

आतंकवाद पर दोहरा मापदंड अस्वीकार्य

एससीओ शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी, आतंकवाद सभी के लिए साझा चुनौती

तियानजिन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन में कहा कि पहलगाम में हुआ भयावह आतंकवादी हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर आघात है, बल्कि यह मानवता में विश्वास रखने वाले प्रत्येक राष्ट्र के लिए एक खुली चुनौती भी है। उन्होंने आतंकवाद से निपटने में दोहरे मापदंड त्यागने की जोरदार वकालत की। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और वैश्विक नेताओं की उपस्थिति में मोदी ने वार्षिक शंघाई सहयोग संगठन को संबोधित करते हुए कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है।

पाकिस्तान और आतंकवाद का समर्थन करने वालों को स्पष्ट संदेश देते हुए मोदी ने कहा कि यह पूछना स्वाभाविक है कि क्या कुछ देशों द्वारा आतंकवाद को खुला समर्थन हमें कभी स्वीकार्य हो सकता है? उन्होंने कहा कि हमें स्पष्ट रूप से और एक स्वर में कहना होगा कि आतंकवाद पर दोहरे मापदंड अस्वीकार्य हैं। हमें मिलकर, हर रूप और अभिव्यक्ति में आतंकवाद का विरोध करना चाहिए। यह मानवता के प्रति हमारा कर्तव्य है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत पिछले कई दशकों से आतंकवाद का दंश झेल रहा है। हाल में हमने पहलगाम में आतंकवाद का एक बेहद घृणित रूप देखा। यह हमला न केवल भारत की अंतरात्मा पर एक आघात था, बल्कि यह हर उस देश, हर उस व्यक्ति के लिए एक खुली चुनौती था जो मानवता में विश्वास रखता है। मोदी ने पहलगाम हमले के बाद भारत के साथ खड़े होने वाले मित्र देशों के प्रति भी आभार व्यक्त किया।

पहलगाम आतंकवादी हमले के जवाब में भारत ने छह और सात मई को ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसके तहत पाकिस्तान के कब्जे वाले क्षेत्रों में आतंकवादी ढांचों को निशाना बनाया गया था। इस हमले के बाद चार दिनों तक दोनों देशों के बीच भीषण झड़पें हुईं, जो 10 मई को सैन्य कार्रवाई रोकने पर सहमति के साथ समाप्त हुईं।

एससीओ की बैठक से पहले आपस में बातचीत करते रूसी राष्ट्रपति ब्लादिमीर पुतिन, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग। ● एजेंसी

- मोदी ने सभी राष्ट्रों से आतंकवाद के हर रूप का मिलकर विरोध करने का किया आह्वान
- बोले-पहलगाम में आतंकवाद का बेहद घृणित रूप देखा। यह हमला भारत की अंतरात्मा पर आघात था

सुरक्षा, शांति और स्थिरता विकास की नींव

प्रधानमंत्री ने समूह के प्रति भारत के दृष्टिकोण और नीति पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए शंघाई सहयोग संगठन के संक्षिप्त नाम एससीओ का नया अर्थ प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि एससीओ के 'एस' का अर्थ है 'सिक्योरिटी' यानी सुरक्षा, 'सी' का अर्थ है 'कनेक्टिविटी' यानी संपर्क और 'ओ' का अर्थ है 'ऑपचुनिटी' यानी अवसर। उन्होंने कहा कि मैं इस बात पर जोर देना चाहूंगा कि सुरक्षा, शांति और स्थिरता किसी भी राष्ट्र के विकास की नींव हैं। हालांकि, आतंकवाद, अलगाववाद और उग्रवाद इस राह में बड़ी चुनौतियां बने हुए हैं। मोदी ने कहा कि आतंकवाद न केवल व्यक्तिगत राष्ट्रों की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि पूरी मानवता के लिए एक साझा चुनौती है।

एससीओ ने की पहलगाम हमले की निंदा

तियानजिन। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने पहलगाम आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत के इस रुख से सोमवार को सहमति जताई कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में दोहरे मानदंड अस्वीकार्य हैं। इस प्रभावशाली समूह ने चीनी बंदरगाह शहर तियानजिन में आयोजित अपने दो दिवसीय वार्षिक शिखर सम्मेलन के अंत में जारी एक घोषणापत्र में आतंकवाद से लड़ने के अपने दृढ़ संकल्प को सूचीबद्ध किया। एससीओ सदस्य देशों ने गाजा में इजराइल द्वारा किए गए सैन्य हमलों में बड़ी संख्या में आम लोगों के हताहत होने और गाजा पट्टी में भयावह मानवीय स्थिति पैदा होने के कारण इन हमलों की निंदा की। घोषणापत्र में क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने के उपायों का उल्लेख किया गया और आतंकवाद से निपटने को एक बड़ी चुनौती बताया गया।

शहीदों के सपने साकार कर रही सरकार : धामी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को खटीमा गोलीकांड की 31वीं बरसी पर शहीद आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य आंदोलनकारियों के आदर्शों और उनके सपनों को साकार करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राज्य आंदोलनकारियों और उनके आश्रितों के लिए सरकारी नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया गया है। शहीद आंदोलनकारियों के परिवारों के लिए 3000 रुपये मासिक पेंशन जबकि घायल और जेल गए आंदोलनकारियों को 6000 और सक्रिय आंदोलनकारियों को 4500 रुपये प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है।

धामी ने कहा कि चिह्नित आंदोलनकारियों की परित्यक्ता, विधवा और तलाकशुदा पुत्रियों को भी इस आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। चिन्हित राज्य आंदोलनकारियों को पहचान पत्र जारी करने के साथ ही 93 आंदोलनकारियों को राजकीय सेवा में सेवायोजित किया गया है। सरकार ने राज्य की महिलाओं के लिए सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया है।

मुख्यमंत्री ने खटीमा स्थित हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय में प्रदेश के पहले ''साथी'' पोर्टल का लोकार्पण किया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर द्वारा तैयार इस पोर्टल को उन्होंने राज्य आंदोलनकारियों को समर्पित किया। संबंधित पेज-6

खटीमा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि देते मुख्यमंत्री धामी।

- मुख्यमंत्री ने दी खटीमा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि, साथी पोर्टल का किया लोकार्पण

उत्तराखंड में भारी बारिश का कहर अलर्ट के चलते आज भी स्कूल बंद

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: लगातार आपदाएं झेल रहा उत्तराखंड सोमवार को रेड अलर्ट के साये में रहा। अधिकांश जिलों में तेज गरज-चमक के साथ भारी बारिश हुई। कई जगह मार्ग बाधित हो गए हैं तो नदी-नाले उफान पर हैं। सरकार ने आगामी पांच सितंबर तक चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा को स्थगित कर दिया है। मौसम विभाग द्वारा जारी रेड/ऑरेन्ज अलर्ट को देखते हुए नैनीताल, ऊधमसिंह नगर, अल्मोड़ा, चम्पावत, बागेश्वर, पिथौरागढ़, उत्तरकाशी, चमोली आदि जिलों में मंगलवार को भी कक्षा 12 तक के शैक्षिक संस्थान और आंगनबाड़ी केंद्रों में अवकाश रहेगा।

रुद्रप्रयाग जिले में सोमवार सुबह करीब 7:15 बजे केदारनाथ मार्ग पर मुनकटिया स्लाइडिंग जोन में अचानक भूस्खलन होने से पहाड़ी से पत्थर गिरने लगे। इस दौरान एक बोलेरो वाहन पहाड़ी से गिरे बड़े बोल्डर की चपेट में आ गया। पुलिस के अनुसार, वाहन में आठ व्यक्ति सवार थे, जिनमें से बड़कोट उत्तरकाशी निवासी रीता (30) पत्नी उदय सिंह और चन्द्र सिंह (68) पुत्र कलम सिंह की मौके पर मौत हो गई जबकि गंभीर रूप से घायल बड़कोट निवासी नवीन सिंह रावत, प्रतिभा, ममता और वाहन चालक पंकज सिंह निवासी नन्दानगर, चमोली को सोनप्रयाग अस्पताल से हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। मोहित चौहान और राजेश्वरी निवासी उत्तरकाशी को सामान्य चोटें आई हैं। वहीं, रामनगर के ग्राम ढिकुली में गढ़वाल मोटर यूनियन की एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में छह लोग घायल हुए हैं, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस में एक दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे।

वहीं, गढ़वाल कमिश्नर विनय शंकर पांडेय ने बताया कि भारी बारिश से प्रदेश में कई जगह भूस्खलन या मलबा आने से मार्ग बाधित हो रहे हैं, जिन्हें सरकार प्राथमिकता पर खोल रही है, लेकिन यात्रियों की सुरक्षा ओर सुविधा को देखते हुए फिलहाल चारधाम (गंगोत्री, यमुनोत्री, बदरीनाथ और केदारनाथ) सहित सिखों के पवित्र धाम गुरुद्वारा हेमकुंड साहिब की यात्रा को 5 सितम्बर तक स्थगित किए जाने का निर्णय लिया गया है।

रुद्रप्रयाग में बोल्डर गिरने से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हुआ वाहन। ● अमृत विचार

- रुद्रप्रयाग में वाहन पर गिरा बोल्डर, दो की मौत, कई घायल
- चारधाम और हेमकुंड साहिब यात्रा 5 सितंबर तक स्थगित

ग्राउंड जीरो पर पहुंचे मुख्यमंत्री धामी

टनकपुर। भारी वर्षा के दृष्टिगत मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को चम्पावत जिले के मैदानी क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने बनबसा के आनंदपुर-चन्दनी क्षेत्र में बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लेते हुए ग्रामीणों को ढांढस बंधाया। देवीपुरा क्षेत्र में ग्राउंड जीरो पर जाकर आपदा प्रभावित ग्रामीणों से सीधे संवाद करते हुए अधिकारियों को पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए।

चार नकली दवा कम्पनियों के प्लांट हेड गिरफ्तार

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : एसटीएफ ने जीवन रक्षक दवाइयां बनाने वाली ब्रांडेड कंपनियों के उत्पादों की हूबहू नकल करके बाजार में बेचने के आरोप में चार कंपनी मालिक और संयंत्र प्रमुखों को गिरफ्तार किया है।

एसएसपी नवनीत सिंह ने बताया कि इस अभियोग में अभियुक्तों द्वारा केरन लाइफ साइंस, बीएलबीके फार्मास्युटिकल, ऑक्सी फार्मा और जेनेटिक फार्मास्युटिकल्स देहरादून द्वारा नियमों को ताक पर रखकर बिना ड्रग लाइसेंस वाली फर्म बीचैम बायोटेक नाम से दवा की 18 लाख टेबलेट्स बिना स्ट्रिप्स में पैक किए नवीन बंसल उर्फ अक्षय की फर्जी फर्म को बेची गई। कम्पनी हेड प्रदीप गौड़, शैलेन्द्र सिंह, शिशिर सिंह और तेजेन्द्र कौर गिरफ्तार किया गया है।

- ब्रांडेड कंपनियों की दवाओं की नकल कर बाजार में बेचते थे
- बीचैम बायोटेक नाम से दवाओं के लगभग 18 लाख टेबलेट्स बेचे

टीईटी पास करें, अन्यथा छोड़ें नौकरी

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) उत्तीर्ण करना सभी नए शिक्षकों और पहले से नौकरी कर रहे उन शिक्षकों के लिए अनिवार्य होगा, जो प्रमोशन चाहते हैं। अगर कोई शिक्षक नई नौकरी या फिर प्रमोशन चाहता है तो टीईटी पास करना होगा।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति मनमोहन की बेंच ने कहा कि जिन शिक्षकों की नौकरी पांच साल से कम बची है, उन्हें टीईटी पास करने की आवश्यकता नहीं होगी। हालांकि, प्रमोशन लेने के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य होगा। यह भी निर्देश दिया कि जो शिक्षक शिक्षा का अधिकार कानून (2009) लागू होने से पहले नियुक्त हुए हैं और जिनके पास पांच साल से ज्यादा सेवा शेष है, उन्हें दो साल के अंदर टीईटी पास करना ही होगा। यदि वे ऐसा नहीं कर पाए, तो उन्हें नौकरी से इस्तीफा देना पड़ेगा।

- नए शिक्षकों और प्रमोशन चाहने वालों के लिए अनिवार्य
- पांच साल से कम सेवा वालों को सुप्रीम कोर्ट ने दी राहत

अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं

अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त शिक्षा संस्थानों को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अभी के लिए ये आदेश उन पर लागू नहीं होगा। कोर्ट ने कहा कि आरटीई एक्ट अल्पसंख्यक स्कूलों पर लागू होता है या नहीं? फिलहाल यह मुद्दा सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच के पास लंबित है। जब तक फैसला नहीं आता है, तब तक इनके शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता नहीं होगी।

खगोल विज्ञान | सूर्य की सतह पर हुए विस्फोट से भूचुंबकीय तूफान धरती की ओर आ रहा, ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा

धरती के साथ अंतरिक्ष में भी बिगड़ा मौसम का मिजाज

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : इन दिनों धरती पर देश भर में मौसम का मिजाज बिगड़ा हुआ है तो अंतरिक्ष का मौसम भी खराब दौर से गुजर रहा है। सूर्य की सतह पर हुए विस्फोट से भू चुंबकीय तूफान धरती की ओर रहा है, जो ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा, इसका असर मंगलवार तक ध्रुवों पर नजर आएगा।

आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक एवं सौर वैज्ञानिक डॉ. वहाबउद्दीन ने बताया कि सूर्य की सतह पर बीती रात हुए विस्फोट से एक बड़ा भू चुंबकीय तूफान उत्पन्न हुआ है।

यह अर्थ डायरेक्ट तूफान 406.4 किमी प्रति सेकंड की रफ्तार से पृथ्वी की ओर बढ़ रहा है। इस भू चुंबकीय तूफान की तीव्रता जी 3 आंकी गई है। यह तूफान पृथ्वी के चुंबकीय ध्रुवीय क्षेत्रों से टकराएगा। जिसका असर रंग-बिरंगी रोशनी (ऑरोरा) के रूप में देखने को मिलेगा। हालांकि फिलहाल इस तूफान से हमारे सेटेलाइट को नुकसान पहुंचने और इलेक्ट्रॉनिक व इलेक्ट्रिकल उपकरणों को किसी तरह की हानि होने की संभावना नहीं है।

डॉ. वहाबउद्दीन ने बताया कि सूर्य की सतह पर दस सौर कलंक (सन स्पॉट) समूह बने हुए हैं जिनमें भयानक विस्फोट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता है। इनमे कई सौर कलंक पृथ्वी के सामने की तरफ बने हुए हैं। यदि इनमें विस्फोट हुए तो भू चुंबकीय तूफान उत्पन्न होंगे, जो पृथ्वी की ओर बढ़ सकते हैं। बहरहाल दुनियाभर की सोलर टेलीस्कोप की नजर इन पर बनी हुई हैं।

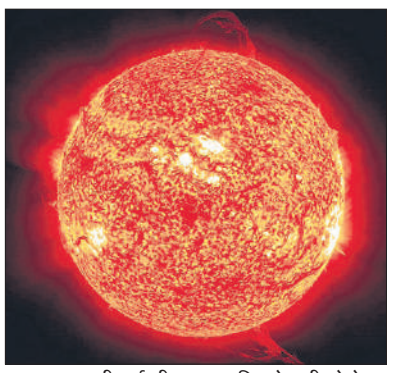

नासा द्वारा जारी सूर्य की सतह पर विस्फोट की फोटो।

अक्टूबर तक जारी रहेगी सूर्य पर विस्फोटों की संभावना

नैनीताल। डॉ. वहाबउद्दीन बताते हैं कि सूर्य की सतह पर विस्फोटों के अक्टूबर तक जारी रहने की संभावना है। इस सौर चक्र में सूर्य की सक्रियता यानी विस्फोटों की शुरुआत पिछले वर्ष शुरू हुई थी, जो अभी तक जारी है। अक्टूबर में सक्रियता में कमी आ जाने के बाद सूर्य शांत होने लगेगा। इधर, इसरो के भारतीय सौर मिशन आदित्य एल-1 ने सूर्य की निगरानी शुरू कर दी है और डेटा भेजना भी शुरू कर दिया है। फिलहाल आदित्य एल-1 के उपकरणों की टेस्टिंग जारी है, जो अगले कुछ माह तक जारी रहेगी।

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

स्टेट ब्रीफ

डॉ. आशुतोष सयाना बने प्राचार्य

श्रीनगर : शासन ने डॉ. आशुतोष सयाना को राजकीय मेडिकल कॉलेज श्रीनगर का नियमित प्राचार्य नियुक्त कर दिया है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. आर राजेश कुमार ने आदेश जारी किए हैं। डॉ. सयाना इससे पहले प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा विभाग में निदेशक और दून मेडिकल कॉलेज, देहरादून में प्राचार्य के पद पर महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके हैं। वह जनरल सर्जरी, ट्रॉमा केयर और मिनिमल एक्सेस सर्जरी के विशेषज्ञ माने जाते हैं। चिकित्सा शिक्षा व व्यावसायिक विकास को सशक्त बनाने में उनका अहम योगदान रहा है।

डिग्री कॉलेजों में भी होना चाहिए अवकाश

हल्द्वानी : व्यापार मंडल के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. प्रमोद अग्रवाल गोल्डी ने कुमाऊं कमिश्नर दीपक रावत से अनुरोध किया है कि भारी बरसात को देखते हुए जिस प्रकार कक्षा 12 तक के स्कूलों की छुट्टी होती है, उसी क्रम में महाविद्यालयों में भी अवकाश होना चाहिए। डॉ. गोल्डी के अनुसार, माता-पिता के लिए वह बच्चे भी प्यारे होते हैं। सैकड़ों की संख्या में ऐसे विद्यार्थी महाविद्यालयों/संस्थानों में पढ़ने के लिए पहाड़ों की ओर जाते हैं। ऐसे में उनकी सुरक्षा भी आवश्यक है। इस संबंध में मांग की गई है कि इंटर कॉलेजों के साथ ही डिग्री कॉलेजों में भी अवकाश होना चाहिए।

जिपं अध्यक्ष चुनाव में आयोग का अहम फैसला

223 पेज का जवाबी हलफनामा हाईकोर्ट में पेश किया, शुक्रवार को पुष्पा नेगी के प्रार्थनापत्र पर होगी सुनवाई

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष पद के चुनाव के मामले में राज्य निर्वाचन आयोग आगामी शुक्रवार को सुनवाई करेगा और इस मामले में अंतिम निर्णय लेगा। चुनाव आयोग की ओर से यह बात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र की अगुवाई वाली खंडपीठ के समक्ष रखी गई।

सोमवार को खंडपीठ ने जिला पंचायत सदस्य पूनम बिष्ट की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई की। प्रदेश निर्वाचन आयोग की ओर से 223 पेज का जवाबी हलफनामा खंडपीठ के समक्ष पेश किया गया। निर्वाचन आयोग की ओर से अपने जवाब में कहा गया कि आयोग की ओर से कांग्रेस की जिला पंचायत अध्यक्ष प्रत्याशी पुष्पा नेगी के प्रार्थना पत्र पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। आयोग की ओर से उच्चतम न्यायालय में उत्तराखंड के उपमहाधिवक्ता जितेन्द्र कुमार शेट्टी पेश हुए और कहा गया कि शुक्रवार यानी पांच सितंबर को प्रार्थना पत्र पर सुनवाई की जाएगी। आयोग की ओर से सभी हितधारकों और पक्षकारों को इस बैठक में बुलाया गया है। इस बैठक में नवनिर्वाचित जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल, पराजित कांग्रेस प्रत्याशी पुष्पा के साथ ही पांच उन जिपं सदस्यों को बुलाया गया जिन्होंने मतदान नहीं किया या जिनके अपहरण का आरोप है। नैनीताल की जिला निर्वाचन अधिकारी वंदना सिंह और एसएसपी पीएन मीणा को भी बुलाया गया है।

हाईकोर्ट में 9 सितंबर को होगी सुनवाई

नैनीताल : मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई सुनवाई के बाद इस मामले में अब आगामी सुनवाई के लिए 9 सितंबर (मंगलवार) की तिथि नियत की गई है। खंडपीठ ने याचिकाकर्ता आयोग के द्वारा दायर शपथपत्र पर एक सप्ताह में जवाब दाखिल करने को कहा है।

हाईकोर्ट में रिपोर्ट पेश करे नेशनल हाइवे अथॉरिटी

नैनीताल, अमृत विचार : हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में नैनीताल जिले में काठगोदाम से लालकुआं तक नेशनल हाइवे (एनएच) के चौड़ीकरण के बाद काठगोदाम, लालकुआं, गौरापड़ाव, तीनपानी में बनाए गए हाईवे के बेतरतीब कट के चलते बढ़ती दुर्घटनाओं की स्वत: संज्ञान जनहित याचिका पर सोमवार को सुनवाई हुई। जिलाधिकारी नैनीताल और नेशनल हाइवे अथॉरिटी के निदेशक कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के दौरान खंडपीठ ने उनसे सवाल किया कि आखिर ये दुर्घटनाएं क्यों हो रही है? लोगों के सुलभ आवागमन के लिए एनएच अंडरपास क्यों नहीं बना रहा है। बिना सर्वे किए एनएच का निर्माण कर दिया, इस पर रिपोर्ट पेश करें। मामले के अनुसार, चोरगलिया निवासी सामाजिक कार्यकर्ता भुवन चंद्र पोखरिया एवं लालकुआं के ग्रामीणों ने मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखकर कहा था कि काठगोदाम से लालकुआं तक सड़क चौड़ीकरण के दौरान काठगोदाम, लालकुआं, गौरापड़ाव, तीनपानी में बनाए गए बेतरतीब कट के कारण पिछले 8 माह में14 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी जबकि दर्जनों लोग गम्भीर घायल हो चुके हैं। याचिका में उच्च न्यायालय से प्रार्थना की गई कि सड़क दुर्घटना में जान गंवाने वालों के आश्रितों और हादसों में घायल लोगों को मुआवजा दिलाया जाए। जिस पर कोर्ट ने संज्ञान लेते हुए कहा कि एनएच निर्माण निर्धारित मानकों के अनुसार ही होना चाहिए था। एनएच में ऐसी क्या खामियां आ गयी जिसकी वजह से दुर्घटनाएं हो रही हैं।

जसपुर के एसडीएम पर अवमानना की तलवार लटकी

नैनीताल, अमृत विचार : अतिक्रमण के मामले में आदेश का अनुपालन नहीं करने के मामले में हाइकोर्ट ने जसपुर के उप जिलाधिकारी को आज दो सितंबर के लिए अदालत में तलब किया है। पूछा है कि क्यों न आपके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई अमल में लाई जाए। मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र और न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने धर्मेन्द्र कुमार की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई के बाद सोमवार को ये निर्देश जारी किए। याचिकाकर्ता की ओर से कहा गया कि पिछले सप्ताह खंडपीठ ने एसडीएम को जसपुर के गंगूवाला गांव में सार्वजनिक भूमि पर हुए अतिक्रमण का एक सप्ताह में सर्वे कर रिपोर्ट अदालत में पेश करने को कहा था लेकिन रिपोर्ट पेश नहीं की गई। इस मामले में सरकार की ओर से कहा गया कि सिविल कोर्ट में मामला लंबित है इसलिए सर्वे नहीं किया जा सका है। खंडपीठ ने इसे गंभीरता से लेते हुए एसडीएम को अदालत में तलब करते हुए पूछा है कि क्यों न आपके खिलाफ अवमानना की कार्रवाई अमल में लाई जाए। याचिकाकर्ता की ओर से इसी साल दायर याचिका में कहा गया कि गंगूवाला गांव में राजनीतिक पहुंच वाले लोगों ने पैदल रास्ता और नहर पर कब्जा कर आलीशान भवन बना दिए हैं। शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है।

सीएम ने निभाया वादा अग्निवीरों को आरक्षण

- **मुख्यमंत्री धामी ने की अग्निवीर आरक्षण नियमावली जारी**
- **सरकारी सेवाओं में दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण दिया जाएगा**

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अपने एक और वायदे को पूरा करते हुए सेवामुक्त होने वाले अग्निवीरों को सरकारी विभागों की वर्दीधारी सेवाओं में दस प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान कर दिया है।

इस संबंध में सोमवार को कार्मिक एवं सर्तकता विभाग की ओर से विधिवित तौर पर उत्तराखंड राज्याधीन सेवाओं में समूह ग के सीधी भर्ती के वर्दीधारी पदों पर सेवायोजन हेतु सेवामुक्त अग्निवीरों को क्षैतिज आरक्षण नियमावली-2025 जारी कर दी है। सैन्य बहुल प्रदेश होने के कारण उत्तराखंड सरकार के इस निर्णय को मास्टर स्ट्रोक माना जा रहा है। इसी नियमावली के जरिए अब सेवामुक्त हुए अग्निवीरों को विभिन्न विभागों के वर्दीधारी पदों पर 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जाएगा। इसमें पुलिस आरक्षी (नागरिक/पीएसी), उप निरीक्षक, प्लाटून कमांडर पीएसी, अग्निशामक, अग्निशमन द्वितीय अधिकारी, बंदी रक्षक, उप कारापाल, वन आरक्षी, वन दरोगा, आबकारी सिपाही, प्रवर्तन सिपाही और सचिवालय रक्षक जैसे महत्वपूर्ण वर्दीधारी पद शामिल हैं। 'मुख्यमंत्री धामी ने इस अवसर पर कहा कि, देश की सेवा कर लौटे पूर्व अग्निवीर प्रदेश का गौरव हैं। उन्हें सम्मान और रोजगार का अवसर देना हमारी जिम्मेदारी है। यह निर्णय सेवामुक्त हुए अग्निवीरों के भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में एक ठोस कदम है। हमारी सरकार पूर्व सैनिकों और अग्निवीरों को हर तरह से सेवायोजन का प्रयास कर रही है।

तीन दिन इतिहास के काले अध्याय: सीएम

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मसूरी गोलीकांड की 31वीं बरसी की पूर्व संध्या पर मसूरी के शहीद आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि हमारे राज्य आंदोलनकारियों ने उत्तराखंड राज्य निर्माण के लिए अपनी जान की परवाह किए बिना अपना सर्वस्व न्यौछावर किया है। शहीद आंदोलनकारियों ने जो सपने उत्तराखंड के लिए देखे थे, उन्हें पूरा करने का कार्य राज्य सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 सितंबर को खटीमा कांड, 2 सितंबर को मसूरी और 2 अक्टूबर को रामपुर तिराहा कांड हुआ, ये तीनों दिन हमारे राज्य के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने अमर शहीदों के सर्वोच्च बलिदान को कभी भूला नहीं सकते। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड राज्य निर्माण में अपने प्राणों की आहुति देने वाले राज्य आन्दोलनकारियों के बलिदान को प्रदेश हमेशा याद रखेगा।

दून में भाजपा-कांग्रेस में भिड़ंत, आरोप-प्रत्यारोप

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : भाजपा ने सोमवार को कांग्रेस के खिलाफ राजधानी में जोरदार प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस ने आरोप लगाया कि भाजपा के दर्जनों कार्यकर्ताओं ने असामाजिक तत्वों के साथ मिलकर कांग्रेस के प्रदेश मुख्यालय राजीव भवन पर हल्ला बोल दिया। वहीं, भाजपा ने इन आरोपों का जवाब दिया है कि सांकेतिक और शांतिपूर्ण प्रदर्शन को कांग्रेस उग्र बनाने की कोशिश में थी।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (संगठन) सूर्यकांत धस्माना ने मीडिया को जारी बयान में आरोप लगाते कहा कि भाजपाइयों के इस प्रदर्शन की खबर प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पहले से ही थी और इस संबंध में डीजीपी को पत्र लिखकर आगाह कर चुकी थी कि भाजपा देहरादून के प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में पटना जैसी घटना को दोहरा सकती है इसलिए उनको कांग्रेस मुख्यालय आने से रोका जाए किंतु भारी पुलिस बंदोबस्त के बावजूद भाजपा के कार्यकर्ताओं का एक बड़ा जत्था परेड ग्राउंड से कांग्रेस और राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए प्रदेश कांग्रेस के मुख्यालय तक पहुंच गया जिससे उत्तेजित होकर कांग्रेस मुख्यालय में उपस्थित कांग्रेसियों ने भी उनके विरुद्ध नारेबाजी की। इस दौरान कांग्रेस की महिला कार्यकर्ताओं के साथ अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया। वहीं, भाजपा के प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि पार्टी के कई जिलों मे सोमवार को प्रदर्शन के कार्यक्रम थे और इसी तरह गांधी पार्क में भी कार्यक्रम था लेकिन कांग्रेसी बवाल काटने और प्रदर्शन को उग्र बनाने की कोशिश में कार्यालय से बाहर आ गए। नारेबाजी और गलत बयानी करने लगे।

पतंजलि में पूर्व सैनिकों को मिलेगा निःशुल्क उपचार

संवाददाता, हरिद्वार

अमृत विचार : भूतपर्व सैनिक अंशदायी स्वास्थ्य योजना (ईसीएचएस) के लिए भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग तथा पतंजलि योग ग्राम के मध्य सोमवार को एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए गए जिसके अन्तर्गत, भूतपूर्व सैनिकों और उनके परिजनों का निःशुल्क उपचार अब पतंजलि में हो सकेगा।

इस अनुबंध के बाद भूतपूर्व सैनिक और उनके परिजनों पर योग, आयुर्वेद और नेचरोपैथी में होने वाले उपचार व्यय की कोई सीमा नहीं होगी और वे निःशुल्क उपचार करा सकेंगे। इससे करीब 60 लाख भूतपूर्व सैनिक और परिवार लाभान्वित होंगे। भारतीय सेना के विशिष्ट सेवा मेडल से सम्मानित और उत्तराखंड सब एरिया (जेओसी) के मेजर जनरल एमपीएस गिल और स्वामी रामदेव ने एमओयू पर हस्ताक्षर के उपरांत फाइलों का आदान-प्रदान किया। इस अवसर पर पतंजलि विश्वविद्यालय स्थित मिनी ऑडिटोरियम में कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए स्वामी रामदेव ने कहा कि सेना और संत एक तरह से देश की सेवा अपने-अपने तरीके से करते हैं। पतंजलि को सेना की सेवा का सौभाग्य मिला इसके लिए उन्होंने भारतीय सेना का आभार जताया। उन्होंने मेजर जनरल गिल से अनुरोध किया कि जो अनुबंध सेना और पतंजलि में भूतपूर्व सैनिकों के उपचार के लिए किया गया है, उसे वर्तमान सैनिकों तक लेकर आना चाहिए जिस पर जनरल ने सकारात्मक जवाब दिया। कहा कि योग की विभिन्न विधाओं और आयुर्वेद की ताकत से कैंसर, बीपी, स्पाइन, मधुमेह, हार्ट ब्लॉक और कई तरह के क्रिटिकल बीमारियों को ठीक किया जा चुका है। इसके हजारों प्रमाण पतंजलि के पास हैं।

सिटी ब्रीफ

आज बंद रहेंगे स्कूल

हल्द्वानी : जिला प्रशासन ने मंगलवार को जिले के सभी शासकीय, अर्द्धशासकीय एवं निजी विद्यालय (कक्षा 1 से 12 तक) तथा आंगनबाड़ी केंद्रों में एक दिवसीय अवकाश घोषित किया गया है ।यह आदेश उन आवासीय शैक्षणिक संस्थानों पर लागू नहीं होगा, जहाँ छात्रों के लिए आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं एक ही परिसर में उपलब्ध हैं। विद्यालयों में शिक्षकों और कार्यालय स्टाफ को केवल आवश्यकता पड़ने पर ही बुलाया जा सकेगा ।मुख्य शिक्षाधिकारी नैनीताल एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें, अन्यथा जिम्मेदार व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

कच्ची शराब के साथ धरा

हल्द्वानी : पुलिस ने कच्ची शराब के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। मुखानी पुलिस के मुताबिक 31 अगस्त को एसआई विरेन्द्र चन्द्र और कांस्टेबल सुनील आगरी छड़ायल में गीतांजली ढाबे के अंदर पहुंचे तो भगदड़ मच गई। ढाबे से अमोलदास पुत्र सूरज दास निवासी चितरंजनपुर दिनेशपुर उधमसिंह नगर को गिरफ्तार किया गया। आरोपी के पास से कच्ची शराब से भरे 34 पाउच बरामद किए गए। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एक्साइज एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया है।

भाई को लेने स्कूल गई नाबालिग गायब

हल्द्वानी : बनभूलपुरा थानाक्षेत्र से भाई को लेने स्कूल गई नाबालिग संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। बनभूलपुरा थानाक्षेत्र में रहने वाली लापता नाबालिग की मां ने पुलिस को बताया कि उनकी 15 वर्षीय बेटी 30 अगस्त की दोपहर घर से निकली थी। उसने बताया था कि वो भाई को लेने स्कूल जा रही है, लेकिन इसके बाद से वो वापस नहीं लौटी। बनभूलपुरा थानाध्यक्ष सुशील कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर नाबालिग की तलाश शुरू कर दी गई है।

आपदा वाहन से घायलों को अस्पताल पहुंचाया

हल्द्वानी : जिलाधिकारी के निर्देशानुसार समस्त प्रशासन फील्ड में सतर्कता के साथ राहत बचाव कार्य में लगा हुआ है। जिला आपदा परिचालन केंद्र से प्राप्त सूचना अनुसार नैनीताल राष्ट्रीय राजमार्ग में डोलमार में सोमवार को एक वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गया। घटनास्थल के समीप ही तैनात नैनीताल तहसील के आपदा वाहन से तत्काल घायलों को हल्द्वानी अस्पताल पहुंचाया गया, जिससे घायलों को त्वरित उपचार मिल सका। घायल सुजल ने प्रशासन की त्वरित कार्यवाही पर आभार जताया है।

भारी बारिश के बाद गौला नदी उफान पर आ गई है। गौला बैराज में पानी खतरे के निशान के पास पहुंच गया है। ● अमृत विचार

लालकुआं क्षेत्र में उफनाई गोला नदी। ● अमृत विचार

भारी बारिश ने रोकी रफ्तार, एनएच समेत 16 मार्ग बंद

जेसीबी की मदद से मार्गों को खोला गया, कई महत्वपूर्ण मार्गों पर यातायात बाधित, प्रशासन की अपील: जरूरी होने पर ही करें यात्रा

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: बारिश, मलबा आने और भूस्खलन की वजह से नैनीताल जिले में 16 मार्ग बंद हो गए हैं। इनमें राष्ट्रीय राजमार्ग ज्योलीकोट-क्वराब भी शामिल है। मार्गों को जेसीबी की मदद से खोला गया। राहत की बात है कि सोमवार की शाम तक कई मार्गों को खोल दिया गया। प्रशासन ने कहा है कि बारिश के समय बहुत जरूरी होने पर ही पहाड़ की यात्रा करें।

ज्योलीकोट से क्वराब मार्ग बोल्डर आने से बंद हो गया। यह मार्ग कुमाऊं की लाइफ लाइन है। इस मार्ग की मदद से लोग रानीखेत, अल्मोड़ा, बागेश्वर, गंगोलीहाट, पिथौरागढ़ आदि स्थानों पर जाते हैं। इसके अलावा रामनगर में गर्जिया-बेतालघाट मार्ग भी बंद हो गया है। जनपद आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के अनुसार निर्माण खंड नैनीताल में मोना-कालापातल मार्ग, रामनगर-भंडारपानी मार्ग और चमड़िया-चोरगलिया मार्ग बंद हो गए। हल्द्वानी में हल्द्वानी से चोरगलिया मार्ग को शेरनाला का बहाव तेज होने की वजह से बंद करना पड़ा। सबसे ज्यादा आफत प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना काठगोदाम के अंतर्गत आने वाली सड़कों पर आई है। इसके अंतर्गत ही सबसे ज्यादा सड़कें बंद हैं। नाई-भुमका मार्ग, छिड़ाखान-अमजड़ मार्ग, खनस्यू-टांडा मार्ग, मरनौला-भीड़ापानी मार्ग, कसियालेख-सूपी मार्ग, देवली-महतोली मार्ग पर कई जगह मलबा आने से बंद हो गए हैं।

प्रांतीय खंड नैनीताल के अंतर्गत गांधी ग्राम से पस्तोला और रातीघाट से बारगल मार्ग बंद हैं। साथ ही पीएमजीएसवाई के अंतर्गत भुजियाघाट से सूर्यागांव मार्ग बंद हो गया है। इनमें से ज्यादातर मार्गों को सोमवार की शाम तक खोल दिया गया है।

दमुवाढूंगा में उफान पर आया रकसिया नाला। ● अमृत विचार

खतरे के निशान से भी ऊपर पहुंची गौला नदी

हल्द्वानी : बारिश का असर गौला नदी पर भी देखने को मिला, जिसने अचानक रौद्र रूप धारण कर लिया। सिंचाई विभाग से जानकारी मिली कि गौला नदी का जलस्तर 57 हजार क्यूसेक से अधिक पहुंच गया है, जो खतरे के निशान से ऊपर है। इस बार मानसून के सीजन में यह पहली बार है जब गौला नदी खतरे के निशान से ऊपर गई है। इससे न सिर्फ नदी किनारे के इलाकों में दहशत फैल गई है, बल्कि आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की चेतावनी भी जारी कर दी गई है। सिंचाई विभाग ने हालात की गंभीरता को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। विभाग ने स्पष्ट कहा है कि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई के लिए पूरी तैयारी रखी जाए। प्रशासन ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे पुलों और नदी किनारों पर अनावश्यक रूप से न रुकें और अपनी सुरक्षा को प्राथमिकता दें। उधर, मौसम विभाग पहले ही भारी बारिश का अलर्ट जारी कर चुका है। विशेषज्ञों का कहना है कि आने वाले 24 घंटे हालात को और बिगाड़ सकते हैं, इसलिए चौकसी बेहद जरूरी है। लोगों से अपील की गई है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और केवल प्रशासन तथा सिंचाई विभाग के निर्देशों का पालन करें।

कुमाऊं में बारिश बनी आफत, प्रशासन अलर्ट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं मंडल में लगातार हो रही मूसलधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। विभिन्न जिलों में सड़कें बंद हो गई हैं, नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं और प्रशासन को अलर्ट मोड पर रखा गया है।

अल्मोड़ा जिले में भारी बारिश के कारण जिला पंचायत अध्यक्ष और सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह मौसम की खराबी के चलते 5 सितंबर तक स्थगित कर दिया गया है। वहीं, पिथौरागढ़ जिले में काली नदी का जलस्तर चेतावनी के स्तर 889 मीटर को पार कर 889.20 मीटर तक पहुंच गया है। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी भूपेन्द्र सिंह ने चेतावनी जारी करते हुए नदी किनारे रहने वालों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है। धारचूला, बलुवाकोट, जौलजीबी, झूलाघाट जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में विभागीय टीमें तैनात की जा रही हैं। चंपावत जिले में भी स्थिति गंभीर बनी हुई है। टनकपुर-चंपावत राष्ट्रीय राजमार्ग स्वाला और टिफिन टॉप के पास भूस्खलन के कारण बंद हो गया है। इसके अलावा टनकपुर-पूर्णागिरी और धुनाकोट-भीगरा राज्य मार्ग सहित कुल 11 सड़कें मलबा आने से बंद हैं। नैनीताल जिले में भी हालात बिगड़ते जा रहे हैं। रेवाड़ी हाइडिल, गौला बैराज, दमुवाढूंगा आदि क्षेत्रों में नदियों और नालों का जलस्तर बढ़ने से खतरा बढ़ गया है।

स्टेडियम की सुरक्षा दीवार को नहीं खतरा

हल्द्वानी : सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता संजय शुक्ला ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम की सुरक्षा को लेकर जो काम किए जा रहे हैं उनको कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। बताया कि बारिश की वजह से गौला नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया था लेकिन फिर भी जो भी सुरक्षा काम किए जा रहे हैं, वह बिना किसी नुकसान के मौजूद हैं।

हल्द्वानी में 18 घंटे के अंदर 116 मिमी बारिश

हल्द्वानी : हल्द्वानी सहित पूरे नैनीताल जिले में सोमवार को भारी से भी बहुत भारी बारिश का रेड अलर्ट रहा। हल्द्वानी में बारिश का दौर रविवार की मध्यरात्रि से ही शुरू हो गया। पूर्वान्ह के समय केवल कुछ देर के लिए बारिश हल्की हुई और उसके बाद फिर से शुरू हो गई। दोपहर बाद बारिश फिर से तेज हो गई। शाम करीब छह बजे तक बारिश होती रही। हल्द्वानी में 18 घंटे के अंदर करीब 116 मिमी बारिश दर्ज हो गई। बारिश की वजह से तापमान में भारी गिरावट आई है। अधिकतम तापमान 25 .3 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है। सितंबर की शुरूआत मूसलाधार बारिश के साथ हुई है। अनुमान जताया गया है कि सितंबर में और भी मूसलाधार बारिश होगी। इधर मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून ने पांच सितंबर तक जिले में बारिश होने का अनुमान जताया है और साथ ही यलो अलर्ट भी जारी किया है।

आपदा नियंत्रण कक्ष रहा अलर्ट मोड पर

हल्द्वानी : भारी वर्षा की चेतावनी के बाद नैनीताल जिला प्रशासन सतर्क मोड में रहा। हल्द्वानी में एसडीएम राहुल शाह समेत अन्य प्रशासनिक अधिकारियों और कर्मचारियों ने गौला नदी और नालों के आसपास रहने वालों को अलर्ट किया और साथ ही मौके पर जाकर निरीक्षण किया। रकसिया, देवखड़ी, कलसिया सभी नाले उफान पर बह रहे हैं।

चोरगलिया क्षेत्र में उफान पर आई नंदौर नदी। ● अमृत विचार

चोरगलियां में उफान पर रही नंदौर नदी

चोरगलिया, अमृत विचार : लगातार बारिश के कारण नंदौर नदी उफान पर आ गई। चोरगलिया के गांवों को बचाने के लिए नदी में डायवर्जन का कार्य चल रहा है। पिछले दिनों नदी में आई बाढ़ से आमखेड़ा निवासी आनंद सिंह बुधानी के आम के बगीचे तक नदी पहुंच गई थी और कुछ आम के पेड़ भी बह गए थे। जिसके बाद प्रशासन ने नदी में पोकलैंड मशीनों से डायवर्सन का कार्य चलाया। जिससे आमखेड़ा गांव में नदी आई बाढ़ से जो कटाव हो रहा था, वह फिलहाल रुक गया है। अन्य गांव में बाढ़ की स्थिति जस की तस बनी हुई है। हल्द्वानी-सितारगंज नेशनल हाईवे के बीच में पढ़ने वाले शेर नाले में पानी आने से आवागमन लगभग 16 घंटे से पूर्ण रूप से बंद है।

फिल्टर प्लांट ठप पानी संकट गहराया

हल्द्वानी : सोमवार को हुई तेज बारिश से हल्द्वानी में पेयजल संकट गहरा गया है। शीतलाहाट और शीशमहल के फिल्टर प्लांट पूरी तरह ठप हो गए हैं। देर रात तक भी हालात सामान्य नहीं हो पाए, जिसके चलते आज मंगलवार सुबह भी शहरवासियों को पानी की एक बूंद तक नसीब नहीं होगी। सोमवार को मूसलाधार बारिश ने गौला नदी का जलस्तर अचानक बढ़ा दिया। बारिश के चलते गौला में भारी मात्रा में सिल्ट व मटमैला होने से शीतलाहाट फिल्टर प्लांट को बंद करना पड़ा। सिंचाई विभाग ने खतरे को देखते हुए गौला बैराज के सभी गेट खोल दिए। जल संस्थान को मिलने वाली पानी की आपूर्ति रुक गई और शीशमहल प्लांट बंद हो गया।

कोसी नदी के जलस्तर का जायजा लेते एसडीएम प्रमोद कुमार। ● अमृत विचार

लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को किया अलर्ट

रामनगर : पर्वतीय क्षेत्रों में रात से हो रही मूसलधार बारिश के चलते सभी नदी नाले उफान पर है। कोसी नदी पूरी तरह से उफान पर रही। देर सायं कोसी नदी में 41602 क्यूसेक पानी मापा गया। सोमवार की सुबह लगभग 8 बजे कोसी नदी का जल स्तर लगभग 4500 क्यूसेक था जोकि शाम के 6 बजे 41602 क्यूसेक तक पहुंच गया है। एसडीएम प्रमोद कुमार ने बताया कि यह इस सीजन का सबसे ज्यादा पानी का लेवल है। नदी के समीपवर्ती क्षेत्रों में प्रशासन और नगरपालिका के द्वारा लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को अलर्ट किया गया। साथ ही उन्हें नदी से दूर रहने की सलाह दी गई है। उधर पानोद और धनगढ़ी नाले कुछ समय उफान पर थे, लेकिन बाद में पानी उतर जाने से यातायात सुचारू हो गया था।

बारिश से धड़ाम हुई बिजली व्यवस्था

हल्द्वानी : सोमवार सुबह हुई तेज बारिश ने शहर और ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली व्यवस्था को बुरी तरह प्रभावित किया। कई क्षेत्रों में घंटों तक आपूर्ति ठप रही, जिससे लोग परेशान नजर आए। सुशीला तिवारी क्षेत्र में 13 बीघा लाइन पर पेड़ गिर जाने से सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक गौजाजली, नई बस्ती और रामपुर रोड क्षेत्र में बिजली आपूर्ति बाधित रही। बिजली गुल होने से लोग उमस और कामकाज की दिक्कतों से जूझते रहे। गौलापार क्षेत्र में भी सुबह 10 बजे से 12 बजे तक बारिश के चलते आपूर्ति ठप रही। जर्ज फार्म के पास बिजली लाइन पर पेड़ गिर गया। फीडर से जुड़े कई गांवों में सुबह 10 बजे से 11 :30 बजे तक आपूर्ति प्रभावित रही।

गौलापुल के एप्रोच सड़क को बनाए गए तटबंध से टकराती गौला नदी। ● अमृत विचार

हल्द्वानी-चोरगलिया रोड पर कटान फिर शुरू

हल्द्वानी : हल्द्वानी-चोरगलिया पर एक बार फिर से खतरा मडरा रहा है। रेलवे क्रासिंग से गौलापुल तक को जाने वाली रोड को अभी दो दिन पहले ही वनवे के आधार पर खोला गया था। नदी के बढ़ते जलस्तर के साथ ही एक बार फिर से खतरा बन रहा है। सोमवार की शाम तक कटान हल्का हो रहा था। लोनिवि के ईई प्रत्यूष कुमार ने बताया कि उन्होंने और एसडीएम राहुल शाम ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया । अभी यातायात को चालू रखा गया है लेकिन हर प्रकार की स्थिति पर विभाग नजर बनाए हुए है। इसके पास ही गौलापुल की एप्रोच सड़क के के लिए बनाए तटबंध को भी नुकसान हो रहा है। इसके पास के चेकडेम पूरी तरह से गौला नदी में बह गए हैं।

बारिश से नदी-नाले उफान पर, सड़कें भी हुई जलमग्न

काठगोदाम में उफान पर कलसिया नाला, मौके पर तैनात सीओ नितिन लोहनी।

कैंसर अस्पताल के पास वाली रोड में खुला मैनहॉल।

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर में सोमवार को लगातार हुई मूसलाधार बारिश से जनजीवन पूरी तरह से अस्त-व्यस्त हो गया। भारी बारिश के चलते गौला नदी के साथ-साथ रकसिया, कलसिया और देवखड़ी नाले भी उफान पर रहे, जिससे शहर के कई निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए।

नगर निगम और प्रशासन की टीमें हालात का जायजा लेने मौके पर पहुंचीं। भारी बारिश के चलते सरस मार्केट की पार्किंग में पानी भरने से वहां खड़ी कई गाड़ियां जलमग्न हो गईं। वहीं, नवाबी रोड और कालाढूंगी रोड जलमग्न हो जाने से यातायात प्रभावित रहा। इस दौरान दोपहिया वाहन चालकों और पैदल राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। बारिश के चलते शहर की कॉलोनियों में भी पानी घुस गया। जिसमें टीपीनगर स्थित फ्रेंड्स कॉलोनी और गन्ना सेंटर के पास की कॉलोनियों में पानी घरों और खेतों तक घुस गया। पंचायत घर चौराहे के पास निकासी व्यवस्था नहीं होने के कारण सड़क पूरी तरह पानी में डूब गई।

बारिश के दौरान कालाढूंगी रोड पर हुआ जलभराव।

कैंसर अस्पताल के पास खुला मैनहोल बना जानलेवा

हल्द्वानी : एक ओर जहां भारी बारिश ने शहर को बेहाल कर दिया है, वहीं दूसरी ओर रामपुर रोड स्थित कैंसर अस्पताल के सामने खुला मैनहोल आम जनता के लिए जानलेवा बना हुआ है। सड़क पर हर रोज गुजरने वाले वाहन चालकों की जान खतरे में है, लेकिन जिम्मेदार अनजान हैं। बारिश के दौरान खुले मैनहोल में कई दोपहिया वाहन चालक गिरकर घायल हो चुके हैं। सबसे खतरनाक बात यह है कि मैनहोल के आसपास का हिस्सा भी तेज बारिश के चलते धंस चुका है, जिससे उसका ढक्कन तिरछा होकर बाहर निकल आया है। आसपास कोई चेतावनी बोर्ड या सुरक्षा बैरिकेडिंग भी नहीं की गई है, जिससे यह रात के समय और भी खतरनाक बन चुका है।

श्रीलंका टापू समेत कई खत्तों का संपर्क कटा

लालकुआं, अमृत विचार: पर्वतीय क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के बाद उफनाई गोला नदी से बिंदुखत्ता क्षेत्र में भूकटाव जारी है। अब तक क्षेत्र वासियों की एकड़ों जमीन नदी में समा गई है। उधर श्रीलंका टापू सहित अन्य खत्तों का लालकुआं से संपर्क कट गया है।

बिंदुखत्ता के हाटाग्राम, इंदिरा नगर, संजयनगर, रावत नगर, खुरिया व चौड़ाघाट क्षेत्र में जबरदस्त कटाव जारी है। उफनाई गौला नदी के चलते श्रीलंका टापू, खमारी खत्ता, बौड़ खत्ता सहित अन्य खत्तों का लालकुआं से संपर्क कट गया है। बरसात के चलते नगर से सटी हुई बस्तियां पूरी तरह जलमग्न हो गई है। प्रशासन ने वीआईपी गेट कॉलोनी क्षेत्र से 90 लोगों को अंबेडकर पार्क में शिफ्ट करते हुए उन्हें भोजन और पेयजल मुहैया कराया।

भीमताल में ब्लॉक रोड ने लिया नदी का रूप

भीमताल की ब्लॉक रोड पर जलभराव।

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल में बारिश के चलते ब्लॉक रोड़ ने नदी का रूप ले लिया। इस कारण जहां लोगों को आवागमन में परेशानी हुई, वहीं व्यापार भी प्रभावित हुआ। स्थानीय दुकानदारों ने बताया कि रोड़ पर पानी का बहाव नदी के समान था। मिनी स्टेडियम से लगभग एक किमी दूर से पानी सड़क से बहता हुआ आया और अंत में सिंचाई विभाग के ड्रेन बी में गया। स्थानीय लोगों ने सत्तारूढ़ जनप्रतिनिधियों को निशाने पर लिया।

> शासन से स्वीकृति नहीं मिली है। निविदा निकाली गई थी। आज टैंडर पड़ रहे हैं। कार्य प्रारंभ होने में अभी समय लगेगा।
> -**विश्व मोहन**, एई लोनिवि भवाली

> विधायक ने शीघ्र प्रारंभ होने की सूचना सार्वजनिक रूप से दी थी। शीघ्र ही कार्य प्रारंभ होगा, स्थानीय लोगों को ऐसी आस है।
> -**मनोज भट्ट**, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा

> व्यापारियों और स्थानीय लोगों को काफी समस्या है। लोनिवि यदि यह कार्य नहीं करेगा तो अन्य संभावना तलाशी जाएगी।
> -**लाखन नेगी**, पूर्व ब्लॉक प्रमुख रामगढ़

> लंबे समय से यह समस्या चल रही है। यदि विभाग कार्य नहीं करेगा तो मुख्यमंत्री से निवेदन किया जाएगा कि विभाग को निर्देशित करें। -**दान सिंह भंडारी**, पूर्व विधायक

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

चार किलो गांजा के साथ एक दबोचा

रामनगर : पुलिस ने चेकिंग के दौरान गांजा बरामद किया है। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि उपनिरीक्षक सादिक हुसैन पुलिसकर्मियों के साथ गश्त पर थे। पुलिस ने आसिफ पुत्र शाकिर हुसैन निवासी काली बस्ती चिल्किया को गिरफ्तार किया। तलाशी लेने पर उसके पास से 4 किलो 128 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया। इस दौरान उपनिरीक्षक सादिक हुसैन हेडकंस्टेबल तालिब हुसैन, संजय कुमार व महबूब आलम मौजूद रहे।

भाजपा को लोकतंत्र में विश्वास नहीं : जोशी

हल्द्वानी : कांग्रेस के पूर्व प्रदेश महासचिव महेश जोशी ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस भवन में घुसने की कोशिश की गई वो शर्मनाक एवं निंदनीय है। भाजपा को लोकतंत्र में विश्वास नहीं है न ही संविधान में। संविधान ने हमें लोकतांत्रिक ढंग से विरोध करने के अधिकार दिए हैं लेकिन भाजपा जब से सत्ता में आई है सत्ता के नशे में चूर होकर अमर्यादित व्यवहार कर शहर का माहौल खराब कर रही है। जिस तरह का व्यवहार भाजपा की ओर से गया है, सभ्य समाज में इसका कोई स्थान नहीं जो कि बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

छात्रों को नशे के प्रति किया जागरूक

हल्द्वानी : यूनिवर्सल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंड्री स्कूल में नशा मुक्ति को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। पुलिस ने कक्षा 10 व 12वीं के विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव व नशे के जाल में फंसाने को लेकर सतर्क किया। मुखानी थाने के एसआई नरेंद्र कुमार, साईं कृपा ट्रस्ट के निदेशक दुष्यंत आहूजा ने नशे की लत से बचाव के तरीके भी बताए। स्कूल के एमडी सुनील जोशी, प्रधानाचार्य मंजू जोशी, पीडी पलड़िया मौजूद रहे।

सड़क हादसे में 25 वर्षीय युवक की मौत

रामनगर : रामनगर काशीपुर नेशनल हाईवे 309 पर चिलकिया के पास डंपर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। रविवार देर रात युवक बाइक से पीरुमदारा की ओर जा रहा था। उसकी बाइक सामने से आ रहे डंपर वाहन से टकरा गई। घायल को उपचार के लिए संयुक्त चिकित्सालय लाया गया,जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतक का नाम लइक अहमद (25 वर्ष) है। वह रामनगर के ग्राम शक्तिनगर का रहने वाला था।

महाभगवती पूजन के बाद देवी को लगाया गया भोग

बारिश के बावजूद नैना देवी मंदिर परिसर में रही श्रद्धालुओं की भीड़

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नंदा देवी महोत्सव के तहत नैना देवी मंदिर प्रांगण में विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए गए। सुबह से तेज मूसलाधार बारिश रही। इसके बावजूद मंदिर में धार्मिक अनुष्ठान और पूजा-पाठ का क्रम जारी रहा।

सोमवार को मंदिर में दुर्गा शप्तसती पाठ, हवन और कन्या पूजन हुआ। शाम को पंचआरती, महाभगवती पूजन के बाद देवी भोग लगाया गया। इस दौरान डीएसए मैदान में लगी दुकानों में भी खासी भीड़ रही। 123वें नंदा देवी महोत्सव के तहत बारिश के बावजूद सुबह से ही मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। सुबह 6 बजे भोग के बाद 10 बजे दुर्गा शप्तसती का पाठ किया गया। मुख्य पंडित भगवत जोशी ने पूजन कार्य करवाए।

इस मौके पर मुकेश जोशी मटू, गिरीश जोशी, मनोज साह, जगदीश बवाड़ी, रोहित शाह, भीम सिंह कार्की, विमल चौधरी, भुवन बिष्ट व राजेंद्र बजेठा रहे। हालांकि दिन भर हुई बारिश से महोत्सव के दौरान धार्मिक कार्यक्रमों और मेले के व्यवासायिक पक्ष में प्रतिकूल असर पड़ा है। देर सायं पंच आरती, रात्रि में महाभगवती पूजन व देवी भोग किया गया।

नैना देवी मंदिर में पूजा-अर्चना करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

सांस्कृतिक कार्यक्रम ने बांधा समां

रामसेवक सभा प्रांगण में लोक संस्कृति विभाग, जन जागृति सांस्कृति संस्था, गीत एवं नाट्य प्रभाग कलाकारों की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए। कलाकारों ने लोक सांस्कृति पर आधारित झोड़ा, छपेली, चांचरी पर आकर्षक प्रस्तुति दी। छोलिया दल के कलाकार भी नगर भर में भ्रमण कर कार्यक्रम कर रहे हैं।

नंदा देवी महोत्सव में आज

नंदा देवी महोत्सव में आज सुबह मां देवी पूजन, सुंदरकांड, पांच आरती, देवी पूजन और देवी भोग का कार्यक्रम आयोजित होगा।

भाजपाइयों ने फूंका कांग्रेस व राहुल का पुतला

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्वर्गीय मां को लेकर कांग्रेस नेता राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की यात्रा के मंच से अभद्र टिप्पणी किए जाने के विरोध में भारतीय जनता पार्टी ने कड़ा रोष व्यक्त किया। सोमवार को विधायक सरिता आर्य और जिला महामंत्री भावना मेहरा के नेतृत्व में नगर में कांग्रेस और राहुल गांधी का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान विधायक सरिता आर्य ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा के दौरान जिस प्रकार प्रधानमंत्री की मां के प्रति अमर्यादित भाषा का प्रयोग किया गया, उससे महिलाओं का अपमान हुआ है। कांग्रेस की यह यात्रा अब केवल अपमान, घृणा और स्तरहीनता की मिसाल बन चुकी है। कहा कि महिलाओं का अपमान करना कांग्रेस की मानसिकता को दर्शाता है। भाजपा महिला मोर्चा ने मांग की कि राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी इस कृत्य के लिए सार्वजनिक रूप से माफी मांगे।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही माफी नहीं मांगी गई तो भाजपा कार्यकर्ता आंदोलन को और व्यापक करेंगे। इस दौरान दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री शांति मेहरा, दर्जा प्राप्त राज्य मंत्री दिनेश आर्य, महिला मोर्चा अध्यक्ष कविता गंगोला, नीतू जोशी, मीरा बिष्ट, मंडल अध्यक्ष नितिन कार्की, शिवांशु जोशी, प्रकाश आर्य, शुभम कुमार आदि मौजूद थे।

नैनीताल में पुतला दहन करते भाजपा कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

21 और 22 को होगी खो-खो चैंपियनशिप

कालाढूंगी, अमृत विचार : उत्तरांचल क्षेत्र खो-खो एसोसिएशन के महासचिव रजत शर्मा ने बताया कि 21-22 सितंबर को भगवती शाह खो-खो क्लब, देवीपुरा चकलुआ नैनीताल में सीनियर स्टेट खो-खो चैंपियनशिप का आयोजन होगा। मैच 6 ब्लॉक्स में फेडरेशन के नए नियमों के अनुसार खेले जाएंगे। अध्यक्ष तारा चंद्र, हेड कोच राजेश बिष्ट और कोच नकुल कुमटिया ने बताया कि चैंपियनशिप बच्चों में खेल भावना को बढ़ावा देगी।

क्षेपंस संगठन की अध्यक्ष बनीं दीपा

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: क्षेत्र पंचायत सदस्य की ब्लॉक संगठन अध्यक्ष कोटाबाग दीपा ढ़ोड़ियाल बन गई हैं। सोमवार को कोटाबाग ब्लॉक में 17 क्षेत्र पंचायत सदस्य ने एक बैठक कर सर्वसम्मति से आंवलाकोट क्षेत्र पंचायत सदस्य दीपा ढोड़ियाल को ब्लॉक संगठन अध्यक्ष चुना है।

क्षेपंस सदस्यों ने विकास खंड अधिकारी श्वेता सैनी को ज्ञापन के माध्यम से क्षेपंस संगठन ब्लॉक अध्यक्ष दीपा ढोड़ियाल को चुने जाने पर अपना सहमति ज्ञापन दिया। पूर्व क्षेपंस संगठन के जिला अध्यक्ष गंगा सामंत ने कहा कि दीपा ढ़ोड़ियाल का पंचायत में कार्य करने का पूराना अनुभव रहा है। इस दौरान ज्येष्ठ प्रमुख गीता तिवारी, कनिष्ठ प्रमुख अपूर्वा बिष्ट, मनोहर लाल, उमेश तिवारी, अनूप बिष्ट आदि मौजूद रहे।

खंड विकास अधिकारी श्वेता सैनी को ज्ञापन देते क्षेपं सदस्य। ● अमृत विचार

सड़कों की दुर्दशा को लेकर दिया धरना

संवाददाता, भीमताल

अमृत विचार: भीमताल की सड़कों की मरम्मत, डामरीकरण और सुधारीकरण की मांग को लेकर स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने लोक निर्माण विभाग भवाली में धरना-प्रदर्शन किया।

नगर पालिका परिषद के सभासद रामपाल गंगोला के नेतृत्व में हुए धरना-प्रदर्शन में ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि विभागीय अधिकारियों को कई बार सूचना, ज्ञापन और अन्य माध्यमों से सड़कों की स्थिति से अवगत कराया गया था। बावजूद इसके स्थिति जस की तस है। इस कारण भीमताल नगर और आसपास का क्षेत्र डेंजर जोन बन गया है। लोगों का चलना सड़कों में मुश्किल है और कई जगह भूस्खलन हो रहा है। इस भूस्खलन को यदि समय रहते दीवार आदि बना दी जाती, तो रोका जा सकता था। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने भीमताल-नौकुचियाताल, भीमताल-जांगलिया गांव, भीमताल नगर की अंदर की सड़कों की दुर्दशा को लेकर ज्ञापन भी दिया। सहायक अभियंता अरुण वर्मा ने अति शीघ्र मोटर मार्ग को ठीक करने का आश्वासन दिया। बाद में लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों ने जनप्रतिनिधियों के साथ मोटर मार्गों का निरीक्षण भी किया और जनप्रतिनिधियों को शीघ्र ही कार्य को प्रारंभ करने का आश्वासन दिया। इस दौरान पूर्व दर्जा राज्य मंत्री हरीश पनेरु, विमल आर्य, हेमा दुमका, ग्राम प्रधान राधा कुलियाल, मालवा लाल ग्राम प्रधान लक्ष्मण सिंह गंगोला, जीवन पलाडिया, विनोद पांडे, कुंवर सिंह कुम्लटा, गोपाल, पंकज मेहता, विनोद दुमका, रोहित गंगोला, ललित मेहरा, कुमुद बृजवासी, कंचन चौहान, गीता गंगोला, हीरा मेहरा, धनी देवी शामिल रहे।

भवाली लोक निर्माण विभाग में धरना-प्रदर्शन करते भीमताल के जनप्रतिनिधि और ग्रामीण। ● अमृत विचार

18 सितंबर से चलेगी साप्ताहिक विशेष ट्रेन

हल्द्वानी, अमृत विचार : रेलवे प्रशासन की ओर से प्रयागराज-लालकुआं-प्रयागराज के बीच साप्ताहिक विशेष गाड़ी (04117/04118) के संचालन का निर्णय लिया गया है। यह ट्रेन 18 सितंबर से 7 नवंबर तक प्रत्येक सप्ताह एक-एक फेरा लगाएगी। ट्रेन कुल 8 फेरों तक चलाई जाएगी।

रेलवे से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 04117 प्रयागराज-लालकुआं साप्ताहिक विशेष गाड़ी प्रयागराज से 18 सितंबर से 6 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को रात 11:30 बजे प्रस्थान करेगी। जिसके बाद अगले दिन शुक्रवार को लालकुआं दोपहर 12:45 बजे पहुंचेगी। 04118 विशेष गाड़ी 19 सितंबर से 7 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को दोपहर 2:50 बजे लालकुआं से रवाना होकर शनिवार की सुबह 4:30 बजे प्रयागराज पहुंचेगी।

जिपं अध्यक्ष व उपाध्यक्ष समेत सदस्यों ने ली शपथ

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल व उपाध्यक्ष देवकी बिष्ट को अपर जिलाधिकारी शैलेंद्र सिंह ने शपथ दिलाई। जिला पंचायत सदस्यों को जिला पंचायत अध्यक्ष दीपा दरम्वाल ने शपथ दिलाई।

जिन सदस्यों ने शपथ नहीं ली, उनमें कांग्रेस की पुष्पा नेगी मुख्य हैं। बड़ौन से मीना देवी व निधि जोशी दाड़ीमा शपथ नहीं ले सकी। कथित रूप से अपहृत व बाद में अपनी मर्जी से वोट न डालने व घूमने जाने का वीडियो भेजने वाले सदस्यों में डिकर मेवाड़ी, प्रमोद कोटलिया, तरुण शर्मा, दीप सिंह बिष्ट, विपिन जंतवाल थे। इन सभी ने भी शपथ ले ली है। जिसमारोह में प्रदेश महामंत्री भाजपा राजेन्द्र बिष्ट, भाजपा जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, विधायक सरिता आर्य, रामसिंह कैड़ा, डॉ. मोहन सिंह बिष्ट, दायित्वधारी हेमंत द्विवेदी, शांति मेहरा, सुरेश भट्ट, दिनेश आर्य, शंकर कोरंगा, दीपक मेहरा, गणेश बिष्ट, डॉ.सुरेश डालाकोटी, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष आनंद दरमवाल आदि मौजूद थे।

शपथ लेतीं जिपं अध्यक्ष दीपा दरम्वाल।

स्नूकर में फैज सिद्दीकी बने विजेता

- खिताबी मुकाबले में लोकेश को 5-1 से हराया
- विजेता को 21 हजार की नकदी व ट्रॉफी मिली

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: नैनीताल में चल रही स्नूकर प्रतियोगिता का समापन हो गया। इसमें फैज सिद्दीकी विजेता और लोकेश उपविजेता रहे। एसएस स्नूकर क्लब की ओर से आयोजित द्वितीय स्नूकर चैंपियनशिप नैनीताल, भीमताल और भवाली क्षेत्र के 32 खिलाड़ियों ने भाग लिया। सोमवार को प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला खेला गया। जो फैज सिद्दीकी और लोकेश साह के बीच खेला गया।

शुरुआती दौर में लोकेश ने बढ़त बनाने की कोशिश की, लेकिन फैज ने दमदार खेल दिखाते हुए जल्द ही मैच पर पकड़ बना ली और 5-1 से शानदार जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया। लोकेश साह उपविजेता रहे।

पुरस्कार वितरण समारोह में भाजपा महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष एवं समाजसेवी कविता गंगोला मुख्य अतिथि रहीं, जबकि विशेष अतिथि भाजपा नेता विक्रम सिंह रावत थे। जिन्होंने विजेता फैज सिद्दीकी को 21,000 हजार नकद व ट्रॉफी और उपविजेता लोकेश साह को 11,000 हजार व ट्रॉफी प्रदान की गई। इस दौरान कविता गंगोला ने कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को सकारात्मक दिशा देते हैं और नशे जैसी बुरी आदतों से दूर रखने में सहायक सिद्ध होते हैं। कार्यक्रम का संचालन सुमित राणा ने किया।

विजेता फैज को ट्रॉफी देते अतिथि। ● अमृत विचार

गणेश विसर्जन यात्रा में उमड़ा जनसैलाब

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर में गणेश महोत्सव उत्साह और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। सोमवार को नवयुवक संघ ने हिमालय फार्म में आयोजित गणेश महोत्सव का समापन भव्य शोभायात्रा और गणेश विसर्जन के साथ किया गया। शुभ मुहूर्त में गणेश पूजन के बाद भगवान गणेश की प्रतिमा को पूरे विधि-विधान से रानीबाग स्थित नदी में विसर्जित किया गया।

बैंड-बाजे, भजन-कीर्तन और जयकारों से पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालुओं ने गणपति बप्पा से सुख-समृद्धि और मंगलकामनाएं करते हुए उन्हें विदा किया। इस मौके पर सोनू पुरी, राम निवास गुप्ता, संजय भाटिया, मिंटू पुरी, सोनी शर्मा, अंशु पांडे, मोना शर्मा, सनी सेठी, अमरजीत सिंह, गगन सेठी, तारा ठाकुर, विनोद आनंद आदि मौजूद रहे।

इधर, रामलीला मैदान में वैश्य महासभा की ओर से आयोजित गणेश महोत्सव में सोमवार को पांचवें दिन भजन संध्या का आयोजन किया गया। सुबह पूजन-अर्चन के बाद शाम को भजन गायिका अंजली द्विवेदी ने अपनी प्रस्तुति से भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। महोत्सव समिति ने बताया कि आज मंगलवार को भव्य शोभायात्रा निकालकर रानीबाग स्थित गार्गी नदी के तट पर गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

शिकायत के बाद जागा वन विभाग

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: कालाढूंगी में पुराने श्मशान घाट में अब शव की अंत्येष्ठि हो सकगी। सीएम समाधान पोर्टल में शिकायत के बाद अब आखिरकार वन विभाग के अधिकारियों की नींद खुल गई है।

दरअसल कालाढूंगी-कोटाबग व चकलुवा क्षेत्र के कोटाबाग जंगल में बौर नदी पर सदियों पुराना श्मशान घाट है। बीते कुछ महीने पहले वन विभाग ने इस रास्ते में हैरिटेज जंगल सफारी का गेट बना दिया था। रास्ता नीचे डायवर्ट होने से श्मशान घाट पहुंचने में लोगों को दिक्कत हो रही थी। साथ ही पानी की उपलब्धता भी नहीं होने के कारण भी लोग परेशान थे। सामाजिक कार्यकर्ता अरविंद कुमार ने इस मामले में मुख्यमंत्री पोर्टल पर लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। जिसके बाद वन अधिकारियों को समस्या का समाधान के निर्देश दिए गए थे। अब कॉर्बेट हैरिटेज जंगल सफारी गेट से ही होकर पुराने घाट से 200 मीटर नीचे शवों की अंत्येष्ठि की जाएगी। डिप्टी रेंजर भूपेन्द्र बिष्ट ने बताया कि जल्द ही यह कार्य पूरा कर लिया जाएगा। उधर, सोमवार को भाजपा महामंत्री हरीश मेहरा, वार्ड नंबर सात के मेंबर के नेतृत्व में वार्ड मेंबरों ने विधायक बंशीधर भगत व डीएफओ रामनगर ध्रुव मर्तोलिया को ज्ञापन देते हुए बताया कि श्मशान घाट का रास्ता खराब होने की वजह से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। विधायक भगत व डीएफओं ध्रुव मर्तोलिया ने मार्ग ठीक कराने के साथ टीनशेड डालने का आश्वासन दिया है।

डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया को ज्ञापन देते भाजपा महामंत्री हरीश मेहरा व अन्य।

रामनगर में दुदबोली का विमोचन करते लोग। ● अमृत विचार

कुमाउनी भाषा दिवस पर दुदबोली का विमोचन

रामनगर, अमृत विचार : दुदबोली के नवीनतम अंक का विमोचन किया गया। पर्वतीय सभा लखनपुर में हुए कार्यक्रम में पत्रिका संपादक मंडल के सदस्य नवेंदु मठपाल ने जानकारी दी कि दुदबोली पत्रिका जो कुमाऊनी के वरिष्ठ साहित्यकार मथुरादत्त मठपाल द्वारा निकाली जाती थी, अब चारु तिवारी के संपादन में दिल्ली से प्रकाशित हो रही है। इसका नवीनतम अंक कुमाउनी के वरिष्ठ कवि गोपाल दत्त भट्ट पर केंद्रित है। इस अंक में मोहनचंद्र जोशी, जगदीश जोशी, डॉ. कृष्ण चंद्र मिश्रा द्वारा विस्तार से गोपाल भट्ट के साहित्य पर जानकारी दी गई है। अंक में देवकी मेहरा के साहित्य पर चर्चा होने के साथ साथ ही डॉ. हरिसुमन बिष्ट, डॉ कुसुम नैथानी, महावीर रवल्टा की कुमाऊनी, गढ़वाली कहानियां भी प्रकाशित हैं। इस मौके पर प्रो. गिरीश चंद्र पंत, निखिलेश उपाध्याय, भुवन पपनै, बीएस डंगवाल, खीम सिंह रजवार, प्रकाश फुलोरिया, नवेंदु जोशी, देवेंद्र बिष्ट, निर्मल तिवारी, विक्रम मावड़ी, योगेश सती, इंद्र मनराल व कमल कारगेती मौजूद रहे।

आक्रोश | 7 सितंबर तक वेतन नहीं मिलने पर रोडवेज कर्मचारी मंडलीय प्रबंधक कार्यालय में करेंगे प्रदर्शन

कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद हल्द्वानी शाखा की ओर से सोमवार को स्टेशन परिसर में दो माह से लंबित वेतन को लेकर प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन में ट्रैफिक शाखा और कार्यशाला के कर्मचारियों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की। इस दौरान कर्मचारियों ने काली पट्टी बांधकर अपने आक्रोश को शांतिपूर्वक, लेकिन प्रभावी ढंग से व्यक्त किया। दो माह से वेतन न मिलने के कारण कर्मचारियों में भारी नाराजगी देखी गई।

क्षेत्रीय प्रबंध समिति के आदेश अनुसार यह विरोध कार्यक्रम 7 सितंबर तक प्रतिदिन जारी रहेगा।

बांहों में काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करते रोडवेज कर्मचारी।

रागनगर रोडवेज स्टेशन में नारेबाजी करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

कर्मचारियों ने कहा कि यदि 7 तारीख तक वेतन भुगतान नहीं किया गया, तो 8 सितंबर से मंडलीय प्रबंधक संचालन के कार्यालय के बाहर धरना प्रदर्शन किया जाएगा। विरोध प्रदर्शन में करने वालों में क्षेत्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह नेगी, शाखा अध्यक्ष सुरेंद्र रावत, शाखा मंत्री तारा देवी आदि मौजूद रहे। उधर, उत्तराखंड रोडवेज कर्मचारी यूनियन ने परिवहन निगम में कार्यरत सभी नियमित, संविदा, विशेष श्रेणी चालक- परिचालक और तकनीकी कर्मचारियों का जुलाई व अगस्त 2025 का वेतन और मार्च से अगस्त 2025 तक सेवानिवृत्त कर्मचारियों के ग्रेच्युटी, नकदीकरण, वेतन एरियर, एमएसीपी एरियर व डीए एरियर का भुगतान शीघ्र कराने की मांग की है।

रामनगर में भी गरजे रोडवेज कर्मचारी

रामनगर, अमृत विचार : दो महीने का वेतन नहीं मिलने से गुस्साए रोडवेज कर्मचारियों ने काली पट्टी बांध रामनगर बस अड्डे पर विरोध जताया। रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के बैनर तले निगम कर्मचारियों ने सोमवार को रामनगर बस स्टेशन परिसर में दो माह का वेतन न मिलने पर विरोध जताया। इस दौरान प्रदर्शन करने वालों में शाखा मंत्री त्रिभुवन चंद्र, नरेंद्र रावत, राहुल गौतम, भास्कर जोशी, पान सिंह मौजूद रहे।

चोरी के मामलों में दो चोर गिरफ्तार

रामनगर, अमृत विचार : पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर हुई चोरी के मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। कोतवाल अरुण कुमार सैनी ने बताया कि बताया कि बीती 21 जुलाई को नैनवाल और 26 जुलाई कमला देवी ने घरों में चोरी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने इन मामलों में नन्हे उर्फ सलीम पुत्र साबिर निवासी फौजी कॉलोनी रामनगर एवं जावेद पुत्र रिसाल अहमद निवासी चिल्किया को 1 प्रेशर कूकर, दो परात, 25 नहाने के साबुन, 12 कपड़े धोने के साबुन, 10 बर्तन धोने के साबुन, 4 किलो वाशिंग पाउडर, 10 लीटर सरसो का तेल, 1 चांदी का मंगलसूत्र, 1 जोड़ी चांदी की पायल, 2 जोड़ी चांदी के बिछुए समेत अन्य सामान के साथ गिरफ्तार किया है।

सिटी ब्रीफ

सुनील शर्मा परिवहन उपायुक्त, डॉ. गुरदेव बने आरटीओ प्रशासन

हल्द्वानी : परिवहन विभाग में प्रशासनिक फेरबदल के तहत कई अधिकारियों के प्रमोशन और तबादले किए गए हैं। संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) हल्द्वानी सुनील शर्मा को उप परिवहन आयुक्त पद पर पदोन्नत किया गया है। डॉ. गुरदेव सिंह को संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), हल्द्वानी से संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रशासन) हल्द्वानी, अरविंद कुमार पांडे को संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), पौड़ी गढ़वाल से संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन), हल्द्वानी, संदीप वर्मा को सहायक परिवहन अधिकारी (प्रशासन) रामनगर से सहायक परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) काशीपुर बनाया गया है।

डॉ. संजय खत्री बने यूओयू के समन्वयक

हल्द्वानी : एमबीपीजी कॉलेज में सोमवार को दो महत्वपूर्ण शैक्षणिक बदलाव किए गए। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय की समन्वयक डॉ. अंजू बिष्ट को इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) का नया समन्वयक नियुक्त किया गया है। वहीं, उनकी रिक्त जगह पर एमबीपीजी कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. संजय खत्री को उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय का नया समन्वयक बनाया गया है। कॉलेज प्रशासन ने दोनों शिक्षकों को शीघ्र नवीन दायित्व संभालने के निर्देश जारी किए हैं।

बंद मार्ग खोलें विभाग

हल्द्वानी : भाजपा के भीमताल विधायक राम सिंह कैड़ा ने लोनिवि व पीएमजीएसवाई के अधिकारियों को ओखलकांडा, धारी, रामगढ़ व भीमताल ब्लॉकों में नदियों से हो रहे भूकटाव की रोकथाम के लिए बचाव कार्य व मलबा आने से बंद हुए मार्गों को खोलने की मांग की है। विधायक ने कहा इन विभागों की ओर से बनाए गए कई मोटर मार्ग अत्यधिक बारिश होने से कारण बंद हो रहे है जिन्हें तत्काल खोला जाए और प्रभावितों को मुआवजा दिया जाए।

आज नहीं जाएगी जम्मूतवी एक्सप्रेस

हल्द्वानी : काठगोदाम रेलवे सटेशन के अधीक्षक डीएस वोरा ने बताया कि मंगलवार (आज) को काठगोदाम से जम्मूतवी के बीच चलने वाली ट्रेन गरीब रथ एक्सप्रेस नहीं जाएगी। उन्होंने बताया कि आपदा की वजह से यह ट्रेन सोमवार को जम्मूतवी से काठगोदाम नहीं पहुंची हैं। इस वजह से इस ट्रेन को फेरा मंगलवार को नहीं लगेगा।

उपनल कर्मी लौटे काम पर, 22 करोड़ जारी

विधायक बंशीधर भगत ने जानकारी दी-जल्द ही पद सृजित कर नियमितीकरण की भी होगी कार्यवाही

- उपनलकर्मियों ने विधायक भगत को सम्मानित कर जताया आभार
- विधायक ने मुख्यमंत्री से कराई थी इन कर्मियों की मुलाकात

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : भाजपा विधायक बंशीधर भगत के सप्ताह भर में वेतन मिलने और दो माह में पद सृजन के बाद नियमितीकरण की कार्यवाही शुरू होने के आश्वासन के बाद उपनल कर्मियों ने हड़ताल समाप्त कर दी और काम पर लौट गए। उन्होंने विधायक को सम्मानित कर आभार भी जताया।

सोमवार को रामपुर रोड स्थित बैंक्वेट हॉल में एक कार्यक्रम हुआ। इसमें विधायक भगत ने कहा कि छह माह से वेतन नहीं मिलने से 659 कर्मी आर्थिक संकट से जूझ रहे थे। गुस्साए कर्मियों ने कार्य बहिष्कार भी किया था। इसके बाद उन्होंने (विधायक भगत) उपनल कर्मियों की सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात करवाई। उन्होंने कहा कि सचिव स्तर के अधिकारियों से इन कर्मचारियों का वेतन देने को लेकर स्पष्ट निर्देश दिए। इसके बाद वेतन की प्रक्रिया प्रारंभ करने का आश्वासन मिला। विधायक ने कहा कि उपनल कर्मचारी स्वास्थ्य सेवाओं की रीढ़ हैं। उनकी समस्याओं का समाधान प्राथमिकता है। सीएम के सहयोग से इस दिशा में ठोस कदम उठाए हैं, जल्द ही कर्मचारियों को उनका हक मिलेगा। सोमवार की देर सायं शासन स्तर से 22 करोड़ रुपया जारी कर दिया गया है, जल्द ही कर्मियों का वेतन अकाउंट में पहुंच जाएगा और आगामी दो माह में पद सृजित कर नियमितीकरण की कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

उपनल कर्मियों ने विधायक भगत का आभार जताया और उन्हें फूल माला पहनाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान उपनल महासंघ के प्रदेशाध्यक्ष विनोद गोदियाल, कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष महेश भट्ट, प्रदेश महामंत्री विनय प्रसाद, शंभु दत्त बुधानी, नीरज हैडिया, चंदू कफल्टिया, विजय राम शर्मा, प्रदीप चौहान, भूपेश नेगी, मीना रौथान, स्नेहा बिष्ट, विमला, अजय देव आदि रहे।

नियमितीकरण का आश्वासन मिलने पर विधायक बंशीधर भगत को सम्मानित करते उपनल कर्मी। ● अमृत विचार

वरिष्ठ मुख्य परियोजना अधिकारी से मिले कर्मी

हल्द्वानी : उपनल कर्मचारी महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष विनोद गोदियाल के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को उपनल के वरिष्ठ मुख्य परियोजना अधिकारी आलोक पांडे व परियोजना अधिकारी गोविंद सिंह कन्याल से वार्ता की। उन्होंने एसटीएच व राजकीय मेडिकल कॉलेज के अधिकारियों से वार्ता कर राजकीय मेडिकल कॉलेज के साथ तालमेल स्थापित कर वेतन दिलाने की मांग की। कर्नल पांडे ने वेतन दिलाने को उपनल स्तर पर किए जा रहे प्रयास के बारे में जानकारी दी।

मानवाधिकार आयोग ने आईजी को भेजा नोटिस

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- आरटीआई कार्यकर्ता भुवन पर हुए हमले में पांच दिन में मांगा जवाब
- एसएसपी, एसपी और सीओ समेत पांच लोगों को बनाया पक्षकार

अमृत विचार: पिछले साल चोरगलिया थानाक्षेत्र में आरटीआई कार्यकर्ता भुवन पोखरिया और उनके परिवार पर हुए हमले के मामले ने एक बार फिर तूल पकड़ लिया है। पुलिस ने इस मामले को पांच दिन में रफा-दफा कर दिया, लेकिन अब मानवाधिकार आयोग ने मामले का संज्ञान लिया है। आयोग ने आईजी को नोटिस भेजा है और पांच दिन के भीतर जवाब देने को कहा है। इस मामले में एसएसपी, एसपी और सीओ समेत पांच लोगों को पक्षकार बनाया गया है।

उम्मेदपुर चोरगलिया निवासी भुवन पोखरिया ने बताया कि यह घटना बीते वर्ष 12 दिसंबर की है। उनका कहना है कि वह परिवार के साथ अपनी कार से हल्द्वानी गए थे। आरोप है कि वापसी के दौरान दानीबंगर से चोरगलिया की ओर जंगल में पहुंचे तो उन पर हमला कर दिया गया। हमला करने वालों को भुवन नहीं पहचानते थे।

घटना के तुरंत बाद वह चोरगलिया थाने पहुंचे और शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने इस मामले को पांच दिन में ही रफा-दफा कर दिया और कोर्ट को यह रिपोर्ट दे दी कि भुवन पर हमला ही नहीं हुआ।

उनका यह भी आरोप है कि पुलिस की इस कार्रवाई के खिलाफ शिकायत लेकर वह एसएसपी के पास पहुंचे तो उन्हें ही जेल भेज दिया। जिसके बाद भुवन मामला लेकर मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाया।

पूरा मामला सुनने के बाद मानवाधिकार आयोग ने आईजी कुमाऊं को नोटिस भेज कर इस मामले में पांच दिन के भीतर रिपोर्ट देने को कहा है। साथ ही मानवाधिकार आयोग ने इस मामले में एसएसपी नैनीताल प्रह्लाद नारायण मीणा, एसपी सिटी प्रकाश चंद्र, सीओ सिटी नितिन लोहनी, चोरगलिया थानाध्यक्ष राजेश जोशी और एलआईयू जितेंद्र उप्रेती को भी पक्षकार बनाया है।

चोरगलिया थानाध्यक्ष को किया लाइन हाजिर

हल्द्वानी, अमृत विचार : डीजीपी की वीसी में सही जवाब न देने पर चोरगलिया थानाध्यक्ष को लाइन हाजिर कर दिया गया है। ये मामला एक साक्ष्य संकलन से जुड़ा है, जिसकी जांच चोरगलिया थाने के एक एडिशनल एसआई कर रहे थे। बीती 30 अगस्त को डीजीपी दीपम सेठ वीसी के जरिये नैनीताल पुलिस से जुड़े थे। वीसी में तमाम लंबित जांचों को लेकर एक-एक कर सभी थानाध्यक्ष से वह जवाब तलब कर रहे थे। इस बीच चोरगलिया थानाध्यक्ष राजेश जोशी का भी नंबर आया। बताया जाता है कि पिछले वर्ष की एक लंबित जांच और उससे जुड़े साक्ष्य संकल के बारे में डीजीपी ने थानाध्यक्ष से सवाल किया और वह अपने जवाब से डीजीपी को संतुष्ट नहीं कर पाए। एसएसपी ने बताया कि चोरगलिया थानाध्यक्ष राजेश जोशी को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया है।

ढिकुली में पलटी बस छह घायल, दो गंभीर

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: ग्राम ढिकुली में गढ़वाल मोटर यूनियन की एक बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में छह लोग घायल हुए, जिनमें दो की हालत गंभीर बताई जा रही है। बस में एक दर्जन से ज्यादा यात्री सवार थे।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यह हादसा सोमवार सुबह लगभग साढ़े सात बजे हुआ। यूनियन की बस रामनगर से चौखुटिया-जौरासी के लिए रवाना हुई। ढिकुली के तरंगी और मन्नू महारानी रिजॉर्ट के बीच जिप्सी व टेंपो से बचाने के प्रयास में बस अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। उन्होंने तुरंत बस की खिड़कियां तोड़ीं और अंदर फंसे यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाला। हादसे में घायल हुए छह लोगों को एम्बुलेंस की मदद से रामनगर संयुक्त चिकित्सालय लाया गया इनमें से दो गंभीर घायलों की हालत को देखते हुए उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया गया है। अस्पताल की वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. दीपा ने बताया कि दो गंभीर घायलों को हाथ-पांव में फ्रैक्चर हुआ है। उपजिलाधिकारी रामनगर प्रमोद कुमार ने कहा कि हादसे की जांच कराई जा रही है।

ढिकुली में दुर्घटनाग्रस्त बस।

चरस के साथ तस्कर गिरफ्तार

हल्द्वानी, अमृत विचार : थाना काठगोदाम पुलिस ने रविवार दोपहर चेकिंग के दौरान एक युवक को 200.4 ग्राम चरस के साथ गिरफ्तार किया।

एसआई अरुण सिंह राणा, कांस्टेबल भानु प्रताप और अशोक रावत थाने के पास स्थित वन विभाग के बैरियर के पास चेकिंग कर रहे थे। एक स्कूटी अचानक चेकिंग पॉइंट से पहले मुड़ कर भागने लगा। पुलिस ने उसे पकड़ लिया और पूछताछ में उसने अपना नाम प्रकाश चन्द्र भट्ट निवासी बड़ेत मल्ला, ओखलढूंगा बताया। उसके पास से 200.4 ग्राम चरस बरामद हुई। आरोपी ने बताया कि वह चरस गौलापार बेचने ले जा रहा था। काठगोदाम थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्जकर स्कूटी को सीज कर दिया गया। न्यायालय के आदेश पर उसे जेल भेज दिया गया है।

मांगों को लेकर धरना रहा जारी

बारिश के दौरान छाता लेकर प्रदर्शन करते बागजाला के ग्रामीण। ● अमृत विचार

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: सोमवार को मूसलाधार बारिश के बावजूद बागजाला गांव में भूमि के मालिकाना अधिकार समेत आठ सूत्रीय मांगों पर ग्रामीणों का अनिश्चितकालीन धरना प्रदर्शन 15वें दिन भी जारी रहा। भारी बारिश होने के बाद भी बागजाला के ग्रामीण अपनी मांगों के लिए डटे रहे। धरने की शुरुआत उत्तराखंड, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर समेत देश के विभिन्न क्षेत्रों में अतिवृष्टि के चलते आ रही आपदा में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि स्वरूप दो मिनट के मौन के साथ हुई।

धरने के माध्यम से मांग की गई कि आपदा पीड़ितों को केंद्र और राज्य सरकार समुचित राहत और बचाव प्रदान करने के लिए युद्धस्तर पर कार्य करें। 15 वें दिन के धरने पर आनन्द सिंह नेगी, उर्मिला रैस्वाल, विमला देवी, वेद प्रकाश, हेमा देवी, दौलत सिंह कुंजवाल, प्रेम सिंह नयाल, वेद प्रकाश, दीवान सिंह बर्गली, मीना भट्ट, हरक सिंह बिष्ट, डा कैलाश पाण्डेय, गोपाल सिंह बिष्ट, चन्दन सिंह मटियाली, मीना , पूजा, हर्षिता टम्टा, ऋषि मटियाली, भगवती आर्य, पार्वती देवी, मो यासीन, मकसूद, विपिन कुमार, गणेश राम, सोहन लाल, महेन्द्र आर्य, आनंद राम, मुकेश कुमार, चेतन मटियाली, भोला सिंह, धनी राम, हेमा, श्यामवीर, भुवन लाल, पुष्पा, मुन्नू देवी, देवकी आदि रहे।

डॉ. पंकज बने मेडिकल कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: राजकीय मेडिकल कॉलेज, हल्द्वानी के प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी के सेवानिवृत्त होने के बाद वरिष्ठ संकाय सदस्य व अस्थिरोग विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. डॉ. पंकज सिंह ने प्रभारी प्राचार्य के रूप में पदभार ग्रहण किया।पूर्व प्राचार्य डॉ. अरुण जोशी ने उन्हें औपचारिक रूप से कार्यभार सौंपा।

पदभार ग्रहण करने के पश्चात डॉ. पंकज सिंह ने कहा कि मेडिकल कॉलेज चिकित्सालय में मरीजों को बेहतर व विशेषज्ञ चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में सर्वोपरि रहेगा। उन्होंने विशेष रूप से आपातकालीन विभाग को और अधिक सशक्त व प्रभावी बनाने पर जोर देते हुए कहा कि मरीजों को त्वरित उपचार मिले, इसके लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। साथ ही उन्होंने नेफ्रोलॉजिस्ट, न्यूरो फिजिशियन और प्लास्टिक सर्जन जैसे विशेषज्ञ चिकित्सकों की नियुक्ति के लिए हरसंभव प्रयास करने की बात कही।

प्रभारी प्राचार्य डॉ. पंकज सिंह को कार्यभार देते डॉ. अरुण जोशी। ● अमृत विचार

फेसबुक यूजर पर कार्रवाई की मांग की

हल्द्वानी, अमृत विचार: सोशल मीडिया पर कुमाऊनी समाज को अपमानित करने वाले एक फेसबुक यूजर के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है। पहाड़ी आर्मी की जिला नैनीताल इकाई ने हल्द्वानी कोतवाली में तहरीर सौंपकर कड़ी कार्रवाई की मांग की।

जिला अध्यक्ष मोहन कांडपाल ने आरोप लगाया कि 30 अगस्त को फेसबुक यूजर ने फेसबुक पर कुमाऊनी समाज की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली टिप्पणी की। पोस्ट में कहा गया कि कुमाऊनियों को अपने पांच पीढ़ियों का भी पता नहीं है। इस मौके पर नगर अध्यक्ष फौजी भुवन पांडे, भगवंत सिंह राणा, कविता जीना, गीता बिष्ट, फौजी राजेंद्र कांडपाल, हरेंद्र राणा, विनोद नेगी, दीपक गोस्वामी, अंजू पांडे समेत कई लोग मौजूद रहे।

स्टेडियमों में आवारा कुत्तों का जमावड़ा, खिलाड़ी हलकान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: शहर के प्रमुख खेल स्थलों में खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों की सुरक्षा पर खतरा लगातार बढ़ता जा रहा है। हल्द्वानी स्टेडियम और गौलापार स्थित इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय खेल परिसर में आवारा कुत्तों का जमावड़ा खिलाड़ियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। शहर के बीचों-बीच स्थित हल्द्वानी स्टेडियम और गौलापार खेल परिसर में रोजाना 550 से अधिक खिलाड़ी विभिन्न खेलों का प्रशिक्षण लेने पहुंचते हैं। इनमें सुबह-सुबह मार्निंग वॉक के लिए आने वाले वरिष्ठ नागरिक और खेल प्रेमी भी शामिल हैं। मगर मैदान में डेरा जमाए बैठे आवारा कुत्तों के कारण सभी को हमेशा हमले का डर सताता रहता है।

खेल विभाग के अनुसार कई बार इन कुत्तों को स्टेडियम से भगाया गया, लेकिन कुछ ही देर बाद वे वापस लौट आते हैं। इंदिरा गांधी खेल परिसर के नव निर्मित शूटिंग रेंज की ओर जाने वाले मार्ग पर भी कुत्ते अक्सर बैठे रहते हैं, जिससे खिलाड़ियों को बचते-बचाते गुजरना पड़ता है। करीब दस माह पहले हल्द्वानी स्टेडियम में दौड़ अभ्यास कर रही एक बालिका खिलाड़ी को आवारा कुत्ते ने काट लिया था। उस घटना के बाद लंबे समय तक खिलाड़ी भयभीत रहे। वर्तमान में भी स्थिति जस की तस बनी हुई है और खिलाड़ी लगातार असुरक्षा का सामना कर रहे हैं। खेल विभाग ने नगर निगम को इस संबंध में पत्र भी भेजा है। अब तक कोई कदम नहीं उठाया गया है।

स्टेडियम में डेरा जमाए आवारा कुत्ते।

> आवारा कुत्ते को स्टेडियम से हटाने के लिए कई बार नगर निगम को पत्र लिख दिया गया है। लेकिन इन्हें हटाया नहीं जाता है। सुरक्षा कर्मियों को भी कुत्ते भगाने के निर्देश दिए जाते हैं। लेकिन कुत्ते बार-बार स्टेडियम में ही पहुंच जाते हैं।
> **-निर्मला पंत,** जिला क्रीड़ाधिकारी

नैनीताल व हल्द्वानी में खुलेंगे सीजीएचएस वेलनेस सेंटर

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सेवारत और सेवानिवृत्त केंद्रीय सरकारी कर्मचारियों के लिए खुशखबरी है। भारत सरकार ने देशभर के 22 महत्वपूर्ण स्थानों पर सीजीएचएस (सेंट्रल गवर्नमेंट हेल्थ स्कीम) वेलनेस सेंटर खोलने की मंजूरी दे दी है। इनमें उत्तराखंड के हल्द्वानी और नैनीताल भी शामिल हैं।

करीब 16 वर्षों के लगातार प्रयास के बाद यह सफलता मिली है। पूर्व केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल कार्मिक संगठन, उत्तराखंड जिला नैनीताल के अध्यक्ष डिप्टी कमांडेंट (से.नि.) दरवान सिंह बोहरा ने बताया कि लंबे समय से स्वीकृति अटकी हुई थी। संगठन की ओर से लगातार पत्राचार व दिल्ली स्तर पर पैरवी के बाद 27 अगस्त 2025 को वित्त मंत्रालय से आदेश जारी हुआ। सरकार ने प्रत्येक वेलनेस सेंटर में 4 मेडिकल ऑफिसर और अन्य 9 पदों सहित कुल 13 पदों को स्वीकृति दी है।

दिल्ली तक संघर्ष, पर्वतीय क्षेत्र को मिलेगी प्राथमिकता: दरवान सिंह बोहरा ने बताया कि उन्होंने 20 अगस्त को स्वास्थ्य मंत्रालय को पत्र भेजा था और 26 अगस्त को दिल्ली जाकर मंत्रालय के अफसरों से मुलाकात की। एडीडीजी (एचक्यू) सीजीएचएस डॉ. परबीन बाला से भी मुलाकात हुई, जिन्होंने आश्वासन दिया कि पर्वतीय क्षेत्र को प्राथमिकता दी जाएगी।

श्रद्धासुमन

प्रदेश को लूटने वाले नेताओं व अधिकारियों के खिलाफ अभियान चलाने का लिया निर्णय

खटीमा गोलीकांड के शहीदों को आंदोलनकारियों ने दी श्रद्धांजलि

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : चिन्हित राज्य आंदोलनकारी संयुक्त समिति ने सोमवार को तिकोनिया स्थित लोनिवि विश्राम गृह में खटीमा व मसूरी गोली कांड के शहीदों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की।

जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिंह बिष्ट ने कहा कि राज्य निर्माण के लिए प्राण न्योछावर करने शहीदों को नमन करते हैं, उन्हीं की वजह से उत्तराखंड का निर्माण हुआ। अफसोस जताते हुए कहा कि राज्य आंदोलनकारियों के शहीदों के सपनों का राज्य नहीं बन सका। गैरसैंण अब तक राजधानी नहीं बन सकी। राज्य के अफसर हो या नेता राज्य आंदोलनकारी का सम्मान नहीं करते हैं। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलनकारी जल्द ही प्रदेश को लूटने वाले नेता और अधिकारियों के खिलाफ आंदोलन चलाएंगे। ऐसे सरकारी विभागों में जाकर घंटी बजाई जाएगी जहां भ्रष्टाचार पनप रहा है। राज्य आंदोलनकारी राजेंद्र खनवाल व डॉ. बालम बिष्ट ने कहा कि जिस तरह प्रदेश में भ्रष्टाचार फैला है, नौजवान पलायन कर रहा है राज्य की स्थिति बदतर हो गई है। इस दौरान कैलाश शाह, मोहिनी रावत, अयोध्या प्रसाद केसरवानी, बृजमोहन सिंह सिजवाली, धर्मानंद पलडिया, आनंद बोरा, उमेश रहे।

इधर, देवभूमि उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश कार्यालय, गुरुनानक मार्केट में सोमवार को आयोजित कार्यक्रम के दौरान राज्य आंदोलनकारियों ने खटीमा गोलीकांड के शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई।

राज्य आंदोलनकारी हुकम सिंह कुंवर ने कहा कि राज्य का गठन शहीदों की कुर्बानी का परिणाम है, जिन्हें हम कभी भुला नहीं सकते। राज्य आंदोलनकारी पंकज सुयाल और बृजमोहन सिजवाली ने शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा कि खटीमा गोलीकांड में आठ राज्य आंदोलनकारी शहीद हुए थे, जिनका बलिदान उत्तराखंड की आत्मा में हमेशा जीवित रहेगा। डॉ. केदार पलड़िया और डॉ. बालम सिंह बिष्ट ने कहा कि अभी भी शहीदों के सपनों के अनुरूप राज्य नहीं बन पाया है और यह हमारी जिम्मेदारी है कि उनके सपनों को साकार करने की दिशा में संघर्ष जारी रखें। इस मौके पर गोपाल भट्ट, दीपक रौतेला, चंद्रशेखर तिवारी, माधो सिंह देऊपा, उमेश चंद्र बेलवाल आदि मौजूद रहे।

लोनिवि विश्राम गृह में शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते राज्य आंदोलनकारी।

नैनीताल में शहीदों को पुष्प अर्पित कर किया नमन

नैनीताल, अमृत विचार : उत्तराखण्ड राज्य आंदोलनकारी क्रांतिकारी मोर्चा नगर इकाई ने रविवार को खटीमा मंसूरी गोलीकांड की 31वीं बरसी पर शहीदों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा शहीद प्रताप सिंह स्मारक जू रोड नैनीताल में आयोजित हुई। कार्यक्रम पूर्व निर्धारित अनुसार गांधीजी की प्रतिमा तल्लीताल में होना था, लेकिन भारी वर्षा के कारण इसे शहीद प्रताप सिंह की प्रतिमा स्थल पर संपन्न किया गया। मोर्चा से जुड़े आंदोलनकारियों ने शहीद भगवान सिंह, प्रताप सिंह, धर्मानन्द भट्ट, सलीम, गोपीचंद, परमजीत सिंह और रामपाल को पुष्प अर्पित कर नमन किया। वक्ताओं ने कहा कि 1 सितंबर 1994 को खटीमा नगर में पृथक राज्य की मांग कर रहे शांतिपूर्ण जुलूस पर पुलिस ने बर्बरता पूर्वक गोलीबारी की थी, जिसमें कई आंदोलनकारी शहीद हुए। कहा कि राज्य गठन को 25 वर्ष पूरे हो चुके हैं, लेकिन शहीदों के सपने अब भी अधूरे हैं।

रामनगर में खटीमा कांड के शहीदों को श्रद्धांजलि देते लोग। ● अमृत विचार

अभी तक पूरे नहीं हुए शहीदों के सपने

रामनगर, अमृत विचार : खटीमा गोलीकांड में शहीद हुए आंदोलनकारियों की शहादत को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान लखनपुर स्पोर्ट्स क्लब में आयोजित गोष्ठी में राज्य आंदोलनकारी प्रभात ध्यानी ने कहा कि राज्य बने 25 वर्ष बीत चुके हैं, पर आज भी राज्य आंदोलनकारी शहीदों के सपने पूरे नहीं हुए। जल, जंगल व जमीन को बचाने की लड़ाई आज भी जारी है। आंदोलनकारी रहीं सुमित्रा बिष्ट ने कहा कि उत्तराखंड की आम जनता की हालत पहले से बदतर हुई है। योगेश सती ने कहा कि फिर से एक बार उत्तराखंड के आमजन को बेहतरी के लिए संघर्ष तेज करना होगा। इस दौरान राज्य आंदोलनकारी कर्मचारी नेता गिरीश चंद्र उप्रेती के निधन पर शोक व्यक्त किया गया। चंद्रशेखर जोशी की अध्यक्षता और नवीन नैथानी के संचालन में हुई सभा में नवीन नैथानी, इंदर मनराल, गिरीश आर्या, पान सिंह नेगी, नवेंदु जोशी, सीपी खाती आदि मौजूद रहे।

भगन्दर, बवासीर

सभी प्रकार के बार-बार ऑपरेटेड Complex Fistula (जटिल भगन्दर) पाइल्स तथा एनल फिसर एवं Anal Stenosis की क्षार सूत्र द्वारा पूर्ण सफल चिकित्सा

सुश्रुत क्लीनिक
क्षार चिकित्सा गुदा एवं वृहदांत्र रोग
[COLO-RECTAL-CENTER]
28.बी, एकता नगर स्टेडियम रोड, बरेली
9897030475
9411221895
7060162071

डॉ. लालता प्रसाद (सर्जन)
B.sc., B.A.M.S., D.Ay.M. सर्जरी (I.M.S), (B.H.U.) वाराणसी
गुरू /प्रोफेसर - राष्ट्रीय आयुर्वेद विद्यापीठ आयुष मंत्रालय भारत सरकार, नई दिल्ली
भू.पू. वरिष्ठ लेक्चरार एस. आर. एम. स्टेट आयु कॉलेज, बरेली
Life-Member Association of Anaesthetists of Indian Medicine
45 वर्षो का कुशल अनुभव

डॉ. अभय प्रकाश (सर्जन)
B.A.M.S., M.S सर्जरी
क्षार सूत्र एवं गुदा रोग विशेषज्ञ

बाल गुदा रोग विशेषज्ञ व समस्त गुदा रोग भगन्दर, बवासीर, ऐनल फिसर रेक्टल पालिप, पाइलोनिडल साइनस, कोलाइटिस

गुदा रोगों के लक्षण
मलद्वार से खून मवाद आना गांठ का मल द्वार से बाहर निकलना मल द्वार के आस पास बार-बार फोड़ा बनना एवं फूटना, बार-बार मल त्याग करना, मल द्वार में दर्द एवं खुजली होना

समय
प्रात: 10:00 से 2:00 बजे तक
सायं 7:00 से 8:00 बजे तक
रविवार
प्रात: 10:00 से 2:00 बजे तक
सायंकाल अवकाश

खटीमा गोलीकांड के शहीदों को सीएम ने दी श्रद्धांजलि

बोले मुख्यमंत्री धामी, उत्तराखंड का हर नागरिक इन वीर सपूतों का सदैव रहेगा ऋणी

संवाददाता, खटीमा

खटीमा में फीता काटकर प्रदेश के पहले साथी केंद्र का उद्घाटन करते सीएम पुष्कर सिंह धामी, कैबिनेट मंत्री धन सिंह व सांसद अजय भट्ट।

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड का हर नागरिक सदैव खटीमा गोलीकांड के शहीद वीर सपूतों का ऋणी रहेगा। उन्होंने कहा कि इस घटना ने लोगों को उत्तराखंड की लड़ाई को तेज करने के लिए प्रेरित किया और लोगों का उत्तराखंड बनने का सपना साकार हुआ। उन्होंने राज्य आन्दोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की और शहीदों के परिजनों को अंगवस्त्र और उपहार देकर सम्मानित किया।

मुख्य चौक पर उत्तराखंड राज्य के आंदोलन के दौरान खटीमा गोलीकांड में को श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्यमंत्री धामी ने शहीद स्थल पर पहुंचकर उत्तराखंड आंदोलन में अपना बलिदान देने वाले भगवान सिंह सिरौला, प्रताप सिंह, रामपाल, सलीम अहमद, गोपीचंद, धर्मानन्द भट्ट और परमजीत सिंह की प्रतिमाओं पर पुष्पचक्र भेंटकर श्रद्धासुमन अर्पित किए। वहीं शहीदों के परिजन नानक सिंह, नरेंद्र चंद्र, जगत सिंह, अनिल भट्ट, शरीफ अहमद को अंगवस्त्र व उपहार देकर सम्मानित किया।

मुख्यमत्री धामी ने कहा कि आज का दिन उत्तराखंड राज्य आन्दोलन के दौरान खटीमा में हुए गोलीकांड के बलिदानियों को स्मरण करने का दिन है। उन्होंने कहा कि उन्होंने आंदोलन के अपने अनुभवों को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार राज्य आंदोलनकारियों के आदर्शों और उनके सपनों को साकार करने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

राज्य आंदोलनकारियों और आश्रितों को नौकरियों में 10 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया है और शहीद आंदोलनकारियों के परिवारों के लिए तीन हजार मासिक पेंशन शुरू की गई है, साथ ही घायल और जेल गए आंदोलनकारियों को 6000 और सक्रिय आंदोलनकारियों को 4500 रुपए प्रतिमाह पेंशन दी जा रही है। नए कानून के अंतर्गत चिह्नित आंदोलनकारियों की परित्यक्ता, विधवाओं और तलाकशुदा पुत्रियों को भी इस आरक्षण का लाभ मिल सकेगा। चिह्नित राज्य आंदोलनकारियों को पहचान पत्र जारी करने के साथ ही 93 आंदोलनकारियों को राजकीय सेवा में सेवायोजित भी किया है। वहीं उन्हें सरकारी बसों में निःशुल्क यात्रा की सुविधा भी उपलब्ध है।

कार्यक्रम में ये लोग रहे मौजूद

जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्य, पालिकाध्यक्ष रमेश चंद जोशी, दर्जा राज्यमंत्री डॉ. अनिल कपूर डब्बू, सुभाष बर्थवाल, फरजाना बेगम, ब्लॉक प्रमुख सरिता राणा, दान सिंह रावत, नंदन सिंह खड़ायत, जीवन सिंह धामी, प्रकाश तिवारी, नीता सक्सेना, मनोज बाधवा, जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मणिकांत मिश्रा, उपाध्यक्ष जिला विकास प्राधिकरण जय किशन, डीएफओ हिमांशु बागरी, एडीएम पंकज उपाध्याय, एसडीएम तुषार सैनी सहित तमाम जनप्रतिनिधि, राज्य आंदोलनकारी और अन्य लोग रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड के आंदोलन में नारी शक्ति की भूमिका को देखते हुए ही सरकार ने राज्य की महिलाओं के लिए सरकारी नौकरी में 30 प्रतिशत क्षैतिज आरक्षण लागू किया है। उन्होंने कहा उत्तराखंड ने देश में सबसे पहले समान नागरिक संहिता लागू की है। देश का सबसे प्रभावी नकल विरोधी कानून लागू किया है और 24 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरियां मिली है। प्रदेश में सख्त धर्मांतरण और दंगा विरोधी कानूनों को लागू किया गया है। सात हजार एकड़ से अधिक सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने उपस्थित जनसमुदाय को हिमालय बचाओ अभियान की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में सांसद अजय भट्ट क्षेत्रीय विधायक भुवन कापड़ी, नानकमता विधायक गोपाल सिंह राणा ने भी सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन अमित पांडे ने किया।

सीएम धामी ने राज्य के पहले साथी केंद्र का किया उद्घाटन

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को हेमवती नंदन बहुगुणा राजकीय स्नात्तकोत्तर महाविद्यालय में उच्च शिक्षा विभाग उत्तराखंड एवं आईआईटी कानपुर के संयुक्त प्रयास से शुरू किए गए साथी केंद्र का उद्घाटन किया।

महाविद्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि यह मेरे लिए यह अत्यंत भावुक पल है कि मुझे खटीमा गोलीकांड जैसी वीभत्स घटना की बरसी के अवसर पर आईआईटी कानपुर के सहयोग से महाविद्यालय में राज्य के प्रथम साथी केन्द्र का उद्घाटन करने का अवसर प्राप्त हो रहा है। उन्होंने कहा कि मैं इस केंद्र को हमारे सभी आंदोलनकारियों को समर्पित करता हूं। उन्होंने खटीमा को साथी केंद्र की इस विशिष्ट सौगात देने के लिए सभी खटीमा वासियों की ओर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान का आभार व्यक्त किया। उन्होंने आईआईटी कानपुर के निदेशक मनिंदर अग्रवाल और उनकी टीम को भी धन्यवाद दिया। जिन्होंने इस परियोजना को मूर्त रूप देने में अपना बहुमूल्य योगदान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में देश के समस्त विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2023 में साथी प्रोजेक्ट की शुरुआत की गई थी। सीएम धामी ने कहा कि आज यह प्रोजेक्ट इंजीनियरिंग, मेडिकल, बैंकिंग, रेलवे और क्लैट जैसी महत्वपूर्ण परीक्षाओं के लिए दूरस्थ क्षेत्रों और निर्धन परिवारों के विद्यार्थियों सहित अन्य सभी विद्यार्थियों को मार्गदर्शन प्रदान कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह खुशी का अवसर है जब राज्य का पहला साथी केंद्र खटीमा में प्रारंभ हो रहा है। उन्होंने कहा कि इस केन्द्र में 80 छात्रों को ऑफलाइन कोचिंग और मेंटरिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। मुख्यमंत्री ने युवाओं अपील करते हुए कहा कि आप लोग इस "साथी केंद्र को अपना सच्चा साथी बनाकर इसका अधिकतम लाभ उठाएं। इस अवसर पर उच्च शिक्षा एवं स्वास्थ्य कल्याण परिवार कल्याण मंत्री धन सिंह रावत, सांसद अजय भट्ट, सचिव उच्च शिक्षा डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा, निदेशक उच्च शिक्षा डॉ. बीएन खाली, निदेशक आईआईटी कानपुर मनिंदर अग्रवाल, प्राचार्य डॉ. पंकज कुमार, डॉ. आशुतोष कुमार, डॉ. हरेंद्र मोहन, डॉ. रीना सिंह, डॉ. रेखा देव, डॉ. गुरिंदर सिंह, डॉ. आरएस नेगी, डॉ. अंजना भट्ट, डॉ. सविता कालाकोटी, डॉ. संध्या भट्ट, डॉ. रोमा गुहा, डॉ. हीरा अन्ना, अमन कुमार मंडल, भगवान सिंह, दिनेश सामंत, धीरज बिनवाल, केएन नरवाल व अचल वर्मा समत अन्य लोग मौजूद रहे।

शांतिपुरी में देव अवतरण एवं बौर नृत्य के दौरान ईष्ट देवों से आशीर्वाद प्राप्त करते भक्त।

शांतिपुरी नन्दा अष्टमी मेले का मुख्य आकर्षण रहा बौर नृत्य

संवाददाता, शांतिपुरी

- कार्यक्रम में क्षेत्रीय विधायक तिलकराज बेहड़ भी रहे उपस्थित

अमृत विचार: शांतिपुरी के विभिन्न स्थानों पर आयोजित नंदा अष्टमी मेलों में झोड़ा, चांचरी व बौर नृत्य मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहे। यहां शांतिपुरी नंबर दो ढांकानी में आयोजित नंदा अष्टमी मेले में क्षेत्रीय विधायक तिलक राज बेहड़ व पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय ने मंदिर में शीश नवाकर क्षेत्र की खुशहाली के लिए प्रार्थना की। मेला कमेटी ने माता की चुनरी एवं फूल मालाओं से उनका स्वागत किया। क्षेत्र में लगातार हो रही भारी बारिश के बावजूद मेले में मां नंदा के भक्तों की भारी भीड़ रही।

यहां गोविंदा रहटा की ताना, खोल दे माता खोल भवानी धार में किवाड़ा, कमला तेरी लंबी लटी आदि चांचरी के मधुर गीतों में भक्त जमकर थिरके। इसके अलावा क्षेत्र के ग्राम सत्संग आश्रम, शांतिपुरी नंबर चार, शीशम भुजिया बिन्दुखत्ता व शांतिपुरी नंबर पांच सूर्यनगर में भी नंदा अष्टमी पर्व धूमधाम से मनाया गया।

इस दौरान सभी मंदिरों को आर्कषक लाइटिंग एवं फूलमालाओं से सजाया गया। ढांकानी में आयोजित मेले में मंदिर के मुख्य धामी नारायण कोरंगा, पंडित ललित मोहन जोशी, पुजारी बिशन सिंह कोरंगा, हयात सिंह, विनोद कोरंगा, बीएस कोरंगा, खीम सिंह मेहता, कल्याण सिंह मटियानी, लाल सिंह टाकुली, देवेन्द्र सिंह कोरंगा, बिक्की कोरंगा, ललित सिंह, पुष्कर कोरंगा, धर्मेन्द्र कोरंगा, लक्ष्मण कोरंगा, चन्दन कोरंगा, दुर्गा सिंह, गोबिंद सिंह, नेत्र सिंह, प्रकाश कोरंगा, प्रताप सिंह, बिरेंद्र सिंह, भगत कोरंगा, देव सिंह, प्रदीप, प्रेम सिंह, धाम सिंह, खुशाल सिंह, राम सिंह, नैन सिंह, लक्ष्मण सिंह, महेंद्र सिंह, भगत सिंह, दीवान सिंह, सुरेंद्र सिंह कोरंगा, केदार सिंह, श्याम सिंह कोरंगा, भुपेंद्र सिंह, बलवंत सिंह, तारा दानू, गोपाल सिंह, चन्दन सिंह, भवान सिंह, बबलू कोरंगा, इन्द्रा देवी, गोविंद देवी, सुमती देवी, मोहनी देवी, नन्दी देवी मौजूद रहे।

गणेश महोत्सव पर निकाली भव्य शोभा यात्रा

संवाददाता, बाजपुर

बाजपुर में शोभायात्रा निकाल मूर्ति विसर्जन को जाते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गणेश महोत्सव के उपलक्ष्य में पांचवें दिन श्रद्धालुओं ने हवन यज्ञ कर पूजा अर्चना के साथ शोभा यात्रा निकालकर गर्जिया माता मंदिर रामनगर स्थित कोसी नदी में भगवान गणेश के विग्रह रूप को ढोल नगाड़ों के साथ अबीर गुलाल लगाकर विसर्जित किया।

श्री गणेश महोत्सव के उपलक्ष्य में गणेशपुर की पुलिया स्थित कांता यादव के आवास पर श्री गणेश भगवान के विग्रह रूप को विराजमान किया गया था। कीर्तन के उपरांत भंडारे का भी आयोजन हुआ जहां पर तमाम लोगों ने लंगर ग्रहण किया। सोमवार की सुबह शिव मंदिर केलाखेड़ा के मुख्य पुजारी मोहन चंद्र भट्ट ने विधि-विधान से मंत्रोच्चारण के साथ हवन यज्ञ, पूजा अर्चना कर आरती करवाई। इसके बाद फल एवं बूंदी का प्रसाद वितरित किया। दोपहर में कालोनी से पुलिया एवं हाइवे तक ढोल नगाड़ों के साथ शोभा यात्रा निकाली गई। इसके बाद गणेश भगवान जी के विग्रह रूप को ट्रैक्टर ट्राली में लेकर रामनगर गर्जिया मंदिर में बह रही कोसी नदी पहुंचे, वहां पर पूजा अर्चना कर विग्रह रूप को विसर्जित किया। इस मौके पर कांता यादव, कुलदीप कौर, दीक्षांत यादव, अक्षित यादव, अग्रिमा यादव, ज्योति चंद, योगिता मेहर, मीनू सहगल, पूजा यादव, अभिषेक यादव, वैशाली, अंजली, शीतल, कनक, युग, सविता छाबड़ा, मानसी छाबड़ा, तुलाराम यादव, सोनी सिंह, मातेश्वरी देवी, अवध, वेदांत, विमला, दिग्विजय, राजकुमार, पिंटू सिंह, निक्कू, वंश, रमेश सिंह, आदी भट्ट, शिवम भट्ट, मनोज, अजय गुप्ता मौजूद रहे।

बाजपुर में रविवार की देर सायं प्राचीन शिव मंदिर में भंडारे में प्रसाद ग्रहण करते श्रद्धालु। ● अमृत विचार

प्राचीन शिव मंदिर में भंडारा आयोजित

बाजपुर : श्रीराधाष्टमी पर्व पर रविवार की देर सायं नैनीताल-बाजपुर मुख्यमार्ग पर हल्द्वानी बस अड्डा स्थित प्रचीन शिव मंदिर में श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से विशेष पूजा-अर्चना कर घर-परिवार में सुख-समृद्धि व क्षेत्र की खुशहाली की कामना की। इसके पश्चात सार्वजनिक विशाल भंडारे का आयोजन करवाया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने प्रसाद ग्रहण कर धर्म लाभ कमाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजद रहे।

संकीर्तन में उमड़े श्रद्धालु

बाजपुर : रविवार की रात अनाज मंडी स्थित श्री शिव दुर्गा हनुमान व खाटू श्याम मंदिर में श्रीराधा अष्टमी पर संकीर्तन आयोजित किया गया जिसमें दूर-दराज से पहुंचे श्रद्धालुओं ने भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में भजन गायक बाहर से आए मुरादाबाद से पहुंची हितेश-अभिषेक की जोड़ी के साथ ही बाजपुर के अर्चित ग्रोवर व खाटू धाम सेवक बाजपुर के अंकुश पंडित ने श्रीराधारानी के भजनों की सुंदर प्रस्तुति देकर श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। कलाकारों ने श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। काफी संख्या में पहुंचे श्रद्धालुओं ने श्रीराधारानी के भजनों का गुणगान भी किया। मंदिर के मुख्य पुजारी पं .समन्वय भारद्वाज ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीराधा अष्टमी पर्व के उपलक्ष्य में यह धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस मौके पर अरुण शर्मा, पंकज शर्मा, अरविंद गंगवार, गुरमंगत सिंह, प्रदीप राठौर, नरेंद्र गोयल आदि मौजूद रहे।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना
भूलवश मेरे हाईस्कूल मार्कशीट, प्रमाणपत्र और ड्राइविंग लाइसेंस में नाम शेर बहादुर पुत्र काशीराम अंकित हो गया है। जबकि अन्य अभिलेखों नाम शेर बहादुर वर्मा पुत्र काशीराम वर्मा दर्ज है। भविष्य में मुझे शेर बहादुर वर्मा नाम से जाना-पहचाना जाए। शेर बहादुर वर्मा, इन्दिरा कालोनी पंतनगर, उधमसिंह नगर।

प्रदेश प्रभारी शैलजा से मिले कांग्रेस नेता त्रिपाठी

संवाददाता, रुद्रपुर

प्रदेश प्रभारी एवं सांसद शैलजा से मुलाकात करते अधिवक्ता त्रिपाठी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं अधिवक्ता नागेश त्रिपाठी ने दिल्ली पहुंच पार्टी की प्रदेश प्रभारी एवं सांसद कुमारी शैलजा से शिष्टाचार मुलाकात की और प्रदेश कांग्रेस की मजबूती और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन किया। उन्होंने बताया कि 20 27 में विधानसभा का चुनाव है और पार्टी को एकजुट करने की बे हद आवश्यकता है।

अधिवक्ता त्रिपाठी का कहना था कि राष्ट्रीय नेता राहुल गांधी को देवभूमि उत्तराखंड से बेहद लगाव है और लगातार आपदाओं से जूझते प्रदेश की चिंता भी है। ऐसे में प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक विरासत की रक्षा करना महत्वपूर्ण है। जिस प्रकार त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में कांग्रेस ने बेहतर प्रदर्शन किया, लेकिन आपसी गुटबाजी व समाजस्य की कमी भी देखने को मिली। जिसको ले कर पार्टी हाईकमान को मंथन करना होगा। तभी 2027 फतेह हो सकता है।

त्योहारी सीजन तक रुक सकता है ध्वस्तीकरण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: काशीपुर बाईपास रोड के दुकानदारों के खिलाफ फिलहाल थोड़ी राहत भरी खबर यह है कि त्योहारी सीजन तक ध्वस्तीकरण की कार्रवाई पर रोक लग सकती है। महापौर विकास शर्मा की सीएम पुष्कर सिंह धामी से मुलाकात के बाद यह उम्मीद जगी है। सीएम ने आश्वासन दिया कि जल्द ही समाधान निकाला जाएगा।

मेयर ने बताया कि मुलाकात के दौरान सीएम के समक्ष काशीपुर बाईपास रोड की चिह्नित दुकानदारों का मुद्दा उठाया। जिस पर सीएम ने फिलहाल आश्वासन दिया कि त्योहार तक किसी भी प्रकार की कार्रवाई नहीं होगी, क्योंकि मामला हाईकोर्ट के आदेश का है। तो चौड़ीकरण के मुद्दे का समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा। बताया कि चौड़ीकरण के बाद व्यापारियों के सामने रोजी रोटी का संकट गहरा सकता है। ऐसे में यदि प्रस्तावित 22.5 मीटर को घटाकर कम किए जाने पर विचार होगा। ताकि दुकानदारों को थोड़ी राहत दिलाई जा सके।

पूर्व कुलपति को डिजिटल अरेस्ट करने का आरोपी गिरफ्तार

पर्दाफाशः रुहेलखंड विवि की रिटायर्ड कुलपति से की थी 1.47 करोड़ की साइबर ठगी, साइबर सेल ने आरोपी को हिमाचल से दबोचा, कई उपकरण बरामद

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः रूहेलखंड विश्वविद्यालय की रिटायर्ड महिला कुलपति को डिजिटल अरेस्ट करने के साइबर क्राइम का पर्दाफाश करते हुए साइबर क्राइम सेल ने मुख्य अभियुक्त को हिमाचल से गिरफ्तार कर लिया और साइबर ठगी के उपकरण भी बरामद किए। अभियुक्त ने मनी लॉन्ड्रिंग का भय दिखाकर फर्जी साइबर अधिकारी बनकर साइबर ठगी को अंजाम दिया था। पुलिस ने अभियुक्त को न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

एसएसपी एसटीएफ नवनीत सिंह ने बताया कि मल्लीताल नैनीताल की रहने वाली बीना शाह ने तहरीर देते हुए बताया था कि वह रुहेलखंड विवि के कुलपति पद से रिटायर हुई हैं। अगस्त माह में उनके पास एक अज्ञात कॉल आई है। जो खुद को पहले टेलीकॉम कंपनी का अधिकारी बता रहा था और दूसरे कॉलर ने खुद को मुंबई साइबर क्राइम विभाग का अधिकारी बताया। साथ ही मनी लॉन्ड्रिंग का खौफ दिखाकर डिजिटल अरेस्ट कर लिया और फिर खातों की जानकारी लेने के बाद 1.47 करोड़ की साइबर ठगी को अंजाम दे डाला। बताया कि मुकदमा पंजीकृत होते ही खुलासे की जिम्मेदारी साइबर क्राइम सेल कुमाऊं प्रभारी अरुण कुमार को दी गई। साइबर टीम ने तफ्तीश प्रारंभ की। तो पता चला कि पूर्व कुलपति से साइबर ठगी करने का मुख्य आरोपी लीली अपार्टमेंट अमरावती बददी सोलन हिमाचल का रहने में है और उसका स्थाई पता गाँव लक्खीबंस सदौर यमुनानगर हरियाणा में है। साइबर क्राइम सेल की एक टीम ने दबिश देकर साइबर ठग राजेंद्र कुमार को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही कमरे से साइबर ठगी में प्रयोग होने वाले आधुनिक उपकरण भी बरामद किये।

जरा सी चूक से हुआ खुलासाः 1.47 करोड़ की साइबर ठगी का केस दर्ज होते ही साइबर क्राइम सेल ने आधुनिक तकनीक और बैंक खातों को खंगालना शुरू किया तो पाया कि साइबर अपराधी राजेंद्र कुमार ने 1.47करोड़ की धनराशि को कई खातों में ट्रांसफर किया और अगस्त माह से लगातार करोड़ों की रकम को ठिकाने लगाने की कोशिश कर रहा था। यहां तक कि आरोपी ने खाते से रकम नहीं निकाली और अपने वास्तविक मोबाइल नंबर का प्रयोग करता रहा। इसी चूक ने अभियुक्त को सलाखों के पीछे धकेल दिया।

साइबर ठग के साथ साइबर क्राइम सेल की टीम। ● अमृत विचार

कई मोबाइल, बैंक पास बुक बरामद

साइबर क्राइम सेल की धरपकड़ में अभियुक्त के कमरे से तीन मोबाइल, तीन सिम कार्ड, दो चेक बुक, तीन हस्ताक्षरित चेक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के दो ब्लैंक चेक, दो ब्लैंक चेक एक्सिस बैंक, तीन चेक इंडियन ओवरसीज बैंक, चार फर्मों की मोहरें, एक वाई फाई राउटर, एक बिजनेस कार्ड, तीन डेबिट कार्ड, जीएसटी रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, उद्योग रजिस्ट्रेशन प्रमाण पत्र, एक बिल बुक बरामद की।

बोलचाल-गिरफ्तारी व समाधान है फंडा

साइबर क्राइम करने वाले ठग शिक्षित तो इतने ज्यादा नहीं होते है, लेकिन उनका बोलचाल ऐसा होता है। मानो वास्तव में कोई सीबीआई या फिर साइबर क्राइम का अधिकारी बोल रहा है। जब साइबर ठग किसी को फंसाते है। तो पहले पुलिसिया रौब दिखाकर बातचीत करते है और फिर गिरफ्तारी का भय दिखाकर सारी जानकारी जुटा लेते है। जब ठग को यह एहसास हो जाता है कि खातों में लाखों करोड़ों की रकम पड़ी है। तो वह गिरफ्तारी से बचने का प्रस्ताव रखते है। खौफजदा पीड़ित जब हामी भर लेता है। तो साइबर ठग साइबर क्राइम को अंजाम दे डालते है। सेवानिवृत कुलपति प्रकरण में भी साइबर ठग ने साठ करोड़ मनी लॉन्ड्रिंग का भय दिखाया था और डिजिटल अरेस्ट किया था।

साइबर क्राइम सेल कुमाऊं प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि डिजिटल अरेस्ट एक साइबर घोटाला है, जिसमें ठग पुलिस या सरकारी अधिकारी बनकर वीडियो कॉल या मैसेज के जरिए लोगों से संपर्क करते हैं और उन्हें ड्रग्स तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग या बैंक धोखाधड़ी जैसे गंभीर अपराधों में फंसाकर, तत्काल पैसे की मांग करते हैं। यह एक धोखाधड़ी है जिसका कानून में कोई प्रावधान नहीं है। कॉल आने पर घबराएं नहीं, पैसे न दें, और तुरंत संचार साथी पोर्टल पर 1930 डायल करके या साइबर क्राइम पोर्टल पर रिपोर्ट करें। सावधानी, सजगता और धैर्यता ही साइबर क्राइम की रोकथाम में कारगर है। **-अरुण कुमार**, प्रभारी निरीक्षक, साइबर क्राइम सेल

12 दिन तक बनाए रखे था बंधक

रुहेलखंड की सेवानिवृत महिला कुलपति को साइबर ठग राजेंद्र कुमार ने 12 दिन तक डिजिटल अरेस्ट के नाम पर बंधक बनाए रखा था। साथ ही हिदायत दी थी कि यदि किसी भी परिचित या फिर रिश्तेदार से संपर्क किया या मोबाइल रिसीव किया। तो मनी लॉन्ड्रिंग प्रकरण में गिरफ्तारी की जाएगी और यह भी हिदायत दी थी कि केवल साइबर अधिकारी या टेलीकॉम अधिकारी का ही फोन रिसीव करना होगा। यही कारण है कि साइबर ठगों के शातिर दिमाग ने एक सेवानिवृत कुलपति को बारह दिन तक घर में कैद रखा।

प्रॉपर्टी डीलर से साइबर क्रिमिनल बना राजेंद्र

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः पैतृक गांव रादौर यमुनानगर हरियाणा का रहने वाला राजेंद्र कुमार पहले प्रॉपर्टी डीलर का काम करता था और जब काम मंदा पड़ने लगा। तो उसके शातिर दिमाग ने जरायम की दुनिया में अपना कदम रखा। इसकी शुरुआत उसने लोगों को झांसा देकर खाते खोलकर उन खातों की आड़ में कई फर्म भी खोलकर की। गिरफ्तारी के बाद जब अभियुक्त के मोबाइल की तफ्तीश शुरू की। जांच में पाया कि कई कॉल ऐसी हैं, जो कि विदेशों की व्हाट्सएप कॉल है। साइबर क्राइम सेल ने अपनी तफ्तीश को शुरू करते हुए पर्दे के पीछे के क्रिमिनल को खोजना शुरू कर दिया है।

साइबर क्राइम थाना सेल प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि जब 1.47 करोड़ की साइबर ठगी के आरोपी राजेंद्र कुमार को सोलन हिमाचल प्रदेश से गिरफ्तार किया और आरोपी से पूछताछ की। तो उसका कहना था कि दो साल पहले वह छोटी-मोटी प्रॉपर्टी बेचता था और जब प्रॉपर्टी में मंदा आने लगा। तो उसने साइबर ठगी करने की योजना बनाई। अभियुक्त को भ्रम था कि आधुनिकता के दौर में साइबर ठगी एक आसान अपराध है और इसमें धरपकड़ होना भी लगभग नामुमकिन है। यही कारण है कि सबसे पहले अभियुक्त ने लोगों को झांसा देकर बैंकों में खाता खुलवाना शुरू किया और साइबर ठगी की रकम को फर्मों में डालना शुरू किया। जांच में यह भी पता चला कि जून, जुलाई और अगस्त 2025 में उसके खाते में 25 लाख की रकम भी आई थी। साइबर सेल ने आशंका जताई है कि अभियुक्त के संपर्क विदेशों में भी हो सकते है और विदेशी नंबरों की डिटेल साइबर सेल निकाल रही है। बताया कि जांच में अभी कई ऐसे लोगों को भी चिह्नित किया जा रहा है। जो पर्दे के पीछे रहकर साइबर ठगी की रकम को खपाने का किरदार निभा रहे है। जल्द ही अभियुक्तों की गिरफ्तारी भी की जाएगी।

ब्रीफ न्यूज

कार ने बाइक को मारी टक्कर, युवक की मौत

नानकमता : कार और मोटरसाइकिल की जबरदस्त टक्कर में मोटरसाइकिल सवार की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना अध्यक्ष उमेश कुमार से जानकारी के अनुसार खटीमा की ओर से आ रही कार संख्या की इस्लामनगर नानकमता के पास मोटरसाइकिल से आमने सामने जबरदस्त टक्कर हो गई। जिसमें बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई वहीं घटना के बाद कार चालक मौके फरार हो गया। पुलिस बाइक सवार की शिनाख्त कराने में जुटी हुई है। वहीं घटना के बाद मौके पर लोगों का जमावड़ा लग गया और काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा।

आपसी विवाद में एक युवक घायल

बाजपुर : मोहल्ला संजय कालोनी निवासी अंकित (19) पुत्र दीपक का पड़ोस में ही रहने वाले एक युवक से किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई। आरोप है कि आरोपी ने फोन करके अपने कुछ साथी बुला लिए और गाली-गलौज करते हुए अंकित पर हमला कर दिया, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर-शराबा होने पर परिजन व मोहल्लेवालों को एकत्र होता देख हमलावर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। घायल को पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देकर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया है। घटना के चलते मौके पर काफी देर तक अफरातफरी का माहौल बना रहा।

नौकरी का झांसा दे पांच लाख हड़पने वाला दोषी करार

बाजपुर : नौकरी का झांसा देकर लिए गए पांच लाख रुपये वापस नहीं करने और पंचायत पर दिए गए चेक बैंक से क्लियर नहीं करवाने को लेकर दायर मामले में दीवानी कोर्ट ने एक व्यक्ति को दोषी ठहराया है। अधिवक्ता विवेक चोबे ने बताया कि कोर्ट ने सुबोध सिंह को तीन माह का कारावास व दस हजार रुपये जुर्माना की सजा सुनाई है। आरोपित को चार लाख 33 हजार रुपये के अर्थदंड से भी दंडित किया गया है। चार लाख 28 हजार रुपये परिवादी को बतौर प्रतिकर के रूप में देने तथा पांच हजार रुपये राज्य के पक्ष में जमा करने के आदेश दिए हैं। अर्थदंड अदा नहीं करने के व्यतिकम होने की स्थिति में दस दिन का अतिरिक्त साधारण कारावास भोगना होगा।

बाजपुर में लेबर सप्लायर की संदिग्ध हालात में मौत

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचारः एक सरिया फैक्ट्री में लेबर सप्लायर के रूप में कार्यरत व्यक्ति की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई। पुलिस ने पंचनामा भरकर शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

दीपक। (फाइल फोटो)

खेड़ी बैरागी खतौली सामली (उप्र) निवासी 44 वर्षीय दीपक पुत्र कृष्ण पाल यहां बाजपुर विक्रमपुर इंडस्ट्री एरिया स्थित एक सरिया फैक्ट्री में लेबर सप्लायर का काम करता था। सोमवार की तड़के अचानक उसकी तबियत खराब हो गई, जिसकी जानकारी से फैक्ट्री प्रबंधन में हड़कंप मच गया। आनन-फानन में ही उसे उप जिला चिकित्सालय बाजपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना से मृतक के परिजनों में भी कोहराम मच गया और वह लोग दोपहर बाद बाजपुर पहुंचे। सीओ विभव सैनी ने बताया कि अभी मृत्यु के कारणों का पता नहीं चला है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में ही स्थिति स्पष्ट हो पाएगी। इस मामले में किसी की भी ओर से तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, यदि तहरीर मिलती है तो जांच कर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

स्कूटी सवार युवक से की मारपीट, रिपोर्ट दर्ज

काशीपुरः मधुवन नगर निवासी आसमा पत्नी हारुन ने कोतवाली में तहरीर देकर बताया कि 29 अगस्त की रात करीब 7:50 बजे उनका 21 वर्षीय पुत्र फाहद किसी काम से बाजार जा रहा था। बर्फ फैक्ट्री, लक्ष्मीपुर पट्टी के पास हैदर और अदनान, हैदर का भांजे समेत एक अज्ञात ने उसके साथ मारपीट कर दी। जिससे वह बेहोश हो गया। इसके बाद आरोपी उसे वहीं छोड़कर भाग गए। फाहद के बेहोश होने की खबर मिलने पर उसके परिजन मौके पर पहुंचे। इसके बाद उसे तत्काल सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे रेफर कर दिया गया। जहां एक निजी अस्पताल में फाहद का इलाज जारी है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरु कर दी है।

विधायक बेहड़ ने सुनी लोगों की समस्याएं

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचारः कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ ने भारी बारिश के बाद किच्छा विधानसभा अंतर्गत ग्राम धौराडैम तथा गोला नदी किनारे क्षेत्र में जल भराव को लेकर तहसील प्रशासन से वार्ता कर प्रभावित क्षेत्रों पर निगरानी रखने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने तहसील प्रशासन को निर्देश देते हुए कहा कि क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न न हो तथा नदी नालों के किनारे बसे लोगों पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए, ताकि नदी का जलस्तर बढ़ने पर उन्हें तुरंत सुरक्षित स्थान पर ले जाया जा सके।

इससे पूर्व विधायक बेहड़ ने आवास विकास स्थित कार्यालय में विधानसभा के तमाम क्षेत्रों से आए दर्जनों लोगों की समस्याओं को प्राथमिकता से सुनते हुए कई समस्याओं का मौके पर निस्तारण किया तथा अन्य समस्याओं से संबंधित विभागीय अधिकारियों को समस्याओं का निस्तारण तत्काल करने के निर्देश दिए। ग्राम सेतुईया निवासी मकसूद अहमद ने विद्युत बिल, वार्ड नंबर 16 निवासीगण राधिका देवी, अमित जोहरी, बृजेश कुमार, मनोरमा सिंह, ओमवीर सिंह, रंजन सिंह आदि क्षेत्र वासियों ने वार्ड में 100 मीटर सड़क निर्माण कराए जाने का आग्रह करते हुए ज्ञापन सौंपा। इस मौके पर लोगों ने राशन कार्ड, पेंशन, आर्थिक सहायता, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, नाली एवं सड़क निर्माण आदि प्रमुख समस्याएं दर्ज कराई।

किच्छा में लोगों की समस्याएं सुनते विधायक तिलक राज बेहड़। ● अमृत विचार

विधायक बेहड़ ने बताया कि उन्होंने उप जिलाधिकारी गौरव पांडे से दूरभाष पर वार्ता कर धौरा डैम तथा किच्छा गोला नदी एवं नदी के आसपास बसे लोगों पर विशेष निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं ताकि जल स्तर बढ़ने की दशा में किसी प्रकार का जान माल का बड़ा नुकसान न होने पाए। उन्होंने नदी किनारे निवास कर रहे ग्रामीणों से भी नदियों से दूर रहने की अपील की है। मौके पर निवर्तमान पालिका अध्यक्ष दर्शन कोहली, मेजर सिंह, गुलशन सिंधी, राजेश प्रताप सिंह, सुनीता कश्यप, ओमप्रकाश दुआ, एनयू खान, धर्मेंद्र सिंधी मौजूद रहे।

एथलेटिक्स में डायनेस्टी स्कूल की छात्राओं ने जीते पांच पदक

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचारः डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म की छात्राओं ने सीबीएसई द्वारा आयोजित क्लस्टर एथलेटिक्स-19 प्रतियोगिता में दो रजत और तीन कांस्य पदक जीता है।

पैराडाइज पब्लिक स्कूल मैनपुरी के तत्वावधान में सैफई के मेजर ध्यानचंद इंटरनेशनल स्टेडियम में आयोजित सीबीएसई क्लस्टर प्रतियोगिता संपन्न हुई। जिसमें अंशिका ओझा ने अंडर 19 डिस्कस थ्रो में और दिव्य कापड़ी ने अंडर 17 ऊंची कूद में रजत पदक हासिल कर वाराणसी में आयोजित होने वाली सीबीएसई

सीबीएसई क्लस्टर में पदक जीतने वाली डायनेस्टी मॉर्डन गुरुकुल एकेडमी की छात्राएं।

राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए स्थान हासिल कर लिया है। वहीं कनक चंद ने अंडर-19 की 3000 मीटर दौड़, मनीषा उपाध्याय ने अंडर-17 में 3000 मीटर दौड़ और दिया ने अंडर-14 की ऊंची कूद में कांस्य पदक प्राप्त कर विद्यालय और क्षेत्र को गौरवान्वित किया है। प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने प्रतिभाग कर रही समस्त छात्राओं और खेल प्रशिक्षक भरत बिष्ट को बधाई दी है। इस अवसर पर डायरेक्टर प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरु, प्रशासनिक अधिकारी मनीष चंद, एकेडमिक डायरेक्टर विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, दिगंबर भट्ट, सुरेश ओली, अशोक जोशी, सुरेंद्र रावत, मनीष ठाकुर, कल्पना चंद, ऊषा भट्ट, ऊषा चौसाली, हेमलता बोरा, शिल्पा सक्सेना, लिंसी त्यागी, दीपा भट्ट, दीपा डसीला, सचिन तिवारी, रमेश जोशी, गिरीश जोशी आदि थे।

सुबह स्कूल के लिए निकली छात्रा वापस घर नहीं लौटी

संवाददाता, रुद्रपुर

- पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर शुरू की तलाश

अमृत विचारः बाजार चौकी इलाके में रोजमर्रा की भांति सुबह स्कूल निकली छात्रा। जब शाम तक घर नही लौटी। तो परिजनों ने खोजबीन शुरू कर दी। जिसके बाद अनहोनी की आशंका जताते हुए परिजनों ने तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की और पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार वार्ड-13 के रहने वाले एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी 15 वर्षीय बेटी काशीपुर बाईपास स्थित इंटर कॉलेज में पढ़ती है और 29 अगस्त की सुबह साढ़े सात बजे रोजमर्रा की भांति घर से स्कूल बोलकर निकली थी। जब देर शाम तक वापस नहीं लौटी। तो स्कूल के अलावा रिश्तेदारों के यहां भी खोजबीन शुरू की, लेकिन छात्रा का कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद पुलिस ने बाजार चौकी पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की। उन्होंने अनहोनी की आशंका भी जताई। पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर तलाश शुरू कर दी है। कोतवाल मनोज रतूड़ी का कहना था कि पुलिस घर से स्कूल व छात्रा के आने जाने मार्ग की सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जल्द ही छात्रा की बरामदगी की जाएंगी।

जसपुर में रामलीला के मंचन में फिल्मी गीतों व डांस पर प्रतिबंध

संवाददाता, जसपुर

- वृंदावन के डॉ. स्वामी देवकीनंदन महाराज की टीम के कलाकार देंगे प्रस्तुति
- 21 सितंबर से 3 अक्टूबर तक चलेगा राम की लीला का मंचन

अमृत विचारः श्री रामलीला के मंचन में इस बार फिल्मी गीतों और डांस पर पूर्णतया प्रतिबंध रहेगा। इसकी जगह हिंदू सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन कर सनातन धर्म के इतिहास को बताया जाएगा। कमेटी ने मंचन की रूप रेखा तैयार कर 21 सितंबर से मंचन कराए जाने का निर्णय लिया है।

मोहल्ला चैहानान की श्री रामलीली कमेटी के अध्यक्ष सनी पधान एवं कोषाध्यक्ष नवीन अग्रवाल ने संयुक्त रूप से बताया कि मंचन की तैयारियों को लेकर कमेटी की ओर से बैठक की गई। जिसमें तय किया गया कि विश्व प्रसिद्ध वृंदावन के डॉ. स्वामी देवकीनंदन महाराज की टीम के कलाकारों से रामलीला का मंचन कराया जाएगा। वृंदावन की यह टीम गुजरात समेत विदेशों में भी मंचन कर चुकी है। रामलीला का मंचन 21 सितंबर से शुरू होकर 3 अक्टूबर तक चलेगा।

इस बार बाजार चौक में रामलीला के मंचन का आयोजन किया जाएगा। मंचन को ऐतिहासिक बनाने के लिए चालीस फीट लंबा एवं पैंतीस फीट चौड़ा मंच बनाए जाने की योजना है। इससे पहले छोटे मंच पर ही रामलीला का मंचन होता था। अध्यक्ष ने बताया कि रामलीला प्रांगण में इस बार स्टालों की संख्या भी अधिक रहेगी। दर्शकों के बैठने के लिए कुर्सियों समेत, स्वच्छ पानी एवं सफाई की बेहतर व्यवस्था कराई जाएगी।

जिम्मेदारी | सीडीओ ने दिलाई निर्वाचितों को शपथ, पंचायती इलाकों के विकास का लिया संकल्प

जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या सहित 34 सदस्यों ने ली शपथ

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः नव निर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष ने अजय मौर्या ने पद व गोपनीयता की शपथ ली। जिला पंचायत कार्यालय में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में सीडीओ दिवेश शाशनी ने पंचायत अध्यक्ष मौर्या को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। वहीं निर्वाचित सदस्यों ने गांव के विकास का संकल्प भी लिया।

कार्यक्रम में विधायक शिव अरोरा समेत भाजपा के कई बड़े नेता भी शामिल रहे।

जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या ने 34 जिला पंचायत सदस्यों को शपथ दिलाते हुए संगठित और आपसी समाजस्य बनाकर विकास कार्यों को अंजाम देने का संकल्प दिलाया। इस दौरान 35वीं पंचायत पंचायत सदस्य रेनू गंगवार शपथ ग्रहण समारोह में नहीं पहुंचीं। जो कि काफी चर्चा का विषय रहा। इस दौरान सीडीओ ने कहा कि गांव के विकास के लिए पंचायत की अहम भूमिका है और जब अध्यक्ष के समक्ष पंचायत सदस्य अपनी समस्याओं को प्रबलता से रखते है, तो निश्चित तौर पर गांव का विकास होता है।

क्योंकि पंचायती इलाकों के लिए केंद्र एवं प्रदेश सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित होती रहती है। इस मौके पर मेयर विकास शर्मा, भाजपा जिलाध्यक्ष कमल जिंदल, भाजपा जिलाध्यक्ष गुंजन सुखीजा, अमित अरोरा, दान सिंह बिष्ट, सुरेश कोली, दर्जा राज्यमंत्री उत्तम दत्ता, अल्पसंख्यक आयोग की उपाध्यक्ष फरजाना बेगम, सुरेश कोली व प्रीत ग्रोवर आदि मौजूद रहे।

शपथ ग्रहण के बाद एकजुटता का संदेश देते जिला पंचायत अध्यक्ष अजय मौर्या व भाजपा नेता। ● अमृत विचार

रुद्रपुर में सोमवार को शपथ लेते नव निर्वाचित जिला पंचायत सदस्य। ● अमृत विचार

विकास की लिखी जाएगी गाथा: मौर्या

जिला पंचायत की कुर्सी पर काबिज हुए अध्यक्ष अजय मौर्या ने कहा कि पंचायत को भ्रष्टाचार मुक्त बनाना उनकी पहली प्राथमिकता रहेगी। इसके साथ ही सभी निर्वाचित सदस्यों के जल्द ही एक बोर्ड की बैठक आहूत होगी। पहली बैठक में ही गांव की समस्याओं और उनके समाधान पर चर्चा होगी। दूसरी बैठक में ही उठाए गए मुद्दों का समाधान होगा, क्योंकि भाजपा और जनता ने जिस विश्वास के साथ विजयी बनाया है। विकास की गाथा लिखकर उसे पूरा किया जाएंगा।

पॉश कॉलोनी में दबंग भाइयों का तांडव, दंपती पर हमला

संवाददाता, रुद्रपुर

- कार की क्षतिग्रस्त, जान से मारने की दी धमकी
- पुलिस ने तहरीर के आधार पर दर्ज किया मुकदमा

अमृत विचारः शहर की सबसे पॉश कॉलोनी में उस वक्त अफरातफरी मच गई। जब दो सगे भाईयों ने पड़ोसी के घर पर पथराव कर डाला। उन्होंने पड़ोसी की बाहर खड़ी कार को भी क्षतिग्रस्त कर दी। शिकायतकर्ता दंपति ने जान से मारने की धमकी देते हुए हाथापाई किए जाने का आरोप लगाया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार ओमेक्स रिबेरा निवासी पृथ्वी पाल सिंह ने बताया कि वह लांबा 17 में रहता है और रविवार को पत्नी के साथ घर से बाहर गया हुआ था। तभी घर पर काम करने वाली लड़की ममता की कॉल आई और उसने बताया कि पड़ोसी ऋषभ जडवानी अपने भाई करन जडवानी के साथ डंडा लेकर आया है और जान से मारने की धमकी भी दे रहा है। सूचना के बाद जब वह घर पहुंचे। तो हमलावर भाईयों ने कार का शीशा तोड़ना शुरू कर दिया और ईंट पत्थर बरसाने लगे। हाथापाई कर चोटिल कर दिया। 112 पर कॉल करने के बाद जब वह सिडकुल पुलिस चौकी जा रहा था। तभी दोनों भाईयों ने कार से पीछा किया और कार को टक्कर मार दी और कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे जा टकराई। चीख पुकार सुनकर जब लोग इकट्ठा होने लगे। तो अभियुक्तों ने दूसरी बार जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

अमृत विचार

हल्द्वानी , मंगलवार,2 सितंबर 2025

सिटी ब्रीफ

कच्ची शराब के साथ चार गिरफ्तार

काशीपुर : बीते दिन कोतवाली पुलिस ने मालवा फार्म रोड पर इन्द्रजीत सिंह निवासी रम्पुरा को 90 पाउच लगभग 25 लीटर, कुंडेश्वरी चौकी पुलिस ने अचार फैक्ट्री तिराहे से प्रतापपुर की ओर जाने वाली सड़क से भूप सिंह निवासी नई बस्ती, प्रतापपुर को 84 पाउच लगभग 15 .75 लीटर, गढवाल ब्लॉक मोड़ पर लीची के बगीचे से रवि सिंह निवासी धनपुरा को 40 पाउच लगभग 13 लीटर और कुंडा पुलिस ने तुमड़िया डैम रोड, जसपुर अंडरपास से प्रिंस निवासी ग्राम तुमड़िया डैम नंबर 2 मालधन को रबड़ ट्यूब के अंदर 70 लीटर कच्ची शराब के साथ पकड़ा। पुलिस ने उसकी बाइक को भी कब्जे में लिया। आरोपियों का आबकारी एक्ट में चालान किया गया है।

जनपद के सभी स्कूल आज भी बंद रहेंगे

रुद्रपुर : मौसम विज्ञान विभाग, देहरादून से जारी मौसम पूर्वानुमान, चेतावनी तथा पर्वतीय जनपदों में हो रही लगातार वर्षा के कारण जनपद ऊधमसिंह नगर अन्तर्गत नदी-नालों का जलस्तर अधिक बढ़ने की सम्भावना को देखते हुए जिलाधिकारी ने जनपद ऊधमसिंह नगर अन्तर्गत कक्षा 1 से 12 तक के समस्त राजकीय, परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों एवं समस्त आंगनबाडी केन्द्रों में मंगलवार 2 सितंबर को अवकाश घोषित किया है।

काशीपुर में मिल ऑपरेटर को मारी गोली, गई जान

बेटे की तहरीर पर पुलिस तीन लोगों के खिलाफ दर्ज किया केस

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: पेपर मिल में कार्यरत एक ऑपरेटर की कुछ लोगों ने गोली मारकर हत्या कर दी गई। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया। वहीं मामले में पुलिस ने बेटे की तहरीर पर तीन लोगों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस की तीन टीमें आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही हैं।

जसवीर सिंह।(फाइल)

जानकारी के अनुसार शांतिनगर निवासी जसवीर सिंह ऊर्फ टोनी (42) पुत्र कुलदीप सिंह बनवारी पेपर मिल में ऑपरेटर का काम करते थे। बीती रविवार की देर रात 10 बजे वह बनवारी पेपर मिल से काम कर घर लौटे थे। इस बीच करीब साढ़े दस बजे एक युवक उन्हें किसी का जन्मदिन होने की बात कहते हुए बाइक पर बैठाकर साथ ले गया। देर रात कुमाऊं कॉलोनी शिव मंदिर के पास जसवीर सिंह घायल अवस्था में कुछ लोगों को मिले। लोगों ने उन्हें इलाज के लिये सरकारी अस्पताल पहुंचाया जहां से उन्हें रेफर कर दिया दिया। मुरादाबाद ले जाते समय जसवीर सिंह ने रास्ते में ही दम तोड़ दिया।

शांति नगर, रम्पुरा निवासी हरप्रीत सिंह उर्फ हैप्पी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसके पिता जसवीर सिंह उर्फ टोनी पुत्र कुलदीप सिंह रविवार की रात कॉलोनी के ही नवीन सिंह रावत के साथ बाइक पर घूम रहे थे। इसी बीच उसके जानने वाले मोहल्ला विजयनगर, नई बस्ती निवासी अमान, इमरान, फरदीन के साथ पिता का कुछ विवाद हो गया। कहा कि जब वह रात करीब 12 बजे गणेश विसर्जन कार्यक्रम से वापस आ रहा था।

इसी बीच कचनाल गाजी, पॉपुलर ग्राउंड के पास उसके पिता और नवीन का तीनों के साथ कुछ विवाद हो गया। जब वह आरोपियों को समझाने पहुंचा तो आरोपियों ने गाली-गलौज कर तमंचा निकालकर उसके पिता के सिर पर गोली मार दी। जिससे उसके पिता नीचे गिर गये और तीनों आरोपी बाइक से फरार हो गये। नवीन पुलिस को लेकर आया और उसके पिता को सरकारी अस्पताल ले गये। जहां से रेफर करने के बाद परिजन घायल को मुरादाबाद स्थित एक अस्पताल ले गये। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ हत्या का केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

> बेटे की तहरीर पर तीनों लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। आरोपियों की गिरफ्तारी को तीन टीमें गठित की गई है। आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे हैं। जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी कर ली जाएगी।
> -**दीपक सिंह**, सीओ, काशीपुर

कोर्ट से चेक बाउंस का आरोपी दोषमुक्त करार

काशीपुर: अपर मुख्य न्यायिक अधिकारी व सिविल जज सीनियर डिवीजन धर्मेंद्र शाह की कोर्ट ने चेक बाउंस के आरोपी को दोषमुक्त करार दिया है। परिवादी सुरेश कुमार पुत्र महावीर प्रसाद निवासी गली नंबर 1, कलश मंडप ने काशीपुर की कोर्ट में अधिवक्ता के माध्यम से गौरव कुमार भल्ला निवासी बसंत विहार, जसपुर खुर्द के खिलाफ 138 एनआई एक्ट का परिवाद दायर कराया।

कहा कि उसके गौरव कुमार भल्ला से दोस्ताना व व्यापारिक संबंध थे। जिस कारण उसने आरोपी के उधार मांगने पर उसे 7 लाख रुपए उधार दे दिए। उधार दिए रुपए वापस मांगने पर गौरव कुमार भल्ला ने 7 लाख रुपए का चेक दिया, जो कि चेक बाउंस हो गया। जिसके बाद उसने अपने अधिवक्ता के माध्यम से अभियुक्त को नोटिस भेजने के बाद अदालत में मुकदमा दायर किया। वहीं मुकदमे में गौरव ने अपने अधिवक्ता सूरज कुमार के माध्यम से अपनी जमानत कराई और संपूर्ण विचारण पूर्ण किया। इसके बाद दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं ने बहस की तथा अपने-अपने तर्क प्रस्तुत किए। जिसके बाद अदालत ने अभियुक्त के अधिवक्ता सूरज कुमार की बहस से संतुष्ट होकर अभियुक्त को चेक बाउंस के आरोप से दोष मुक्त कर दिया।

काशीपुर में भूख हड़ताल पर बैठे छात्र। ● अमृत विचार

विभिन्न मांगों को लेकर कॉलेज के छात्रों की भूख हड़ताल जारी

संवाददाता, काशीपुर

- स्वस्थ होकर लौटे रिंकू बिष्ट हड़ताल में फिर हुए शामिल

अमृत विचार: विभिन्न मांगों को लेकर कॉलेज में भूख हड़ताल पर डटे छात्र छठे दिन भी हड़ताल पर डटे रहे। सरकारी अस्पताल की टीम ने भूख हड़ताल पर बैठे छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण कर एक छात्र को अस्पताल में भर्ती कराया है।

शनिवार की रात से छात्र नेता आकाश चौहान और देव गुप्ता अनशन पर बैठे हैं। इस बीच सरकारी अस्पताल की टीम ने कॉलेज पहुंचकर दोनों छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। इसमें एक का स्वास्थ्य बिगड़ा मिला। सोमवार की दोपहर करीब डेढ़ बजे पुलिस प्रशासन ने एबीवीपी कार्यकर्ता देव गुप्ता को एंबुलेंस से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया है। उनके स्थान पर अमन चौधरी ने आमरण अनशन शुरू कर दिया है। एबीवीपी कार्यकर्ताओं ने मांगें मानने तक आंदोलन जारी रखने की चेतावनी दी है। उधर, रिंकू बिष्ट स्वस्थ होकर अस्पताल से फिर कॉलेज में धरना स्थल पर पहुंच गए। उन्होंने बताया कि अब आकाश और अमन चौधरी अन्न पानी त्यागकर आमरण अनशन पर बैठे हैं। कहा कि स्नातक व स्नातकोत्तर कक्षाओं में सीटें बढ़ाने, कॉलेज के हर विभाग में शौचालय और पानी की व्यवस्था आदि पांच सूत्री मांग पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा। वहां पर मुकेश रावत, प्रिंस, वरुण, शुभम, शिवा आदि रहे।

काशीपुर में बारिश के दौरान छाता लेकर निकलते लोग। ● अमृत विचार

दिनभर हुई बारिश, घरों में दुबके रहे लोग

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: काशीपुर में सोमवार सुबह सात बजे से शुरू हुई बरसात शाम करीब चार बजे तक जारी रही। कभी तेज तो कभी हल्की बारिश से क्षेत्र में कई स्थानों पर जलभराव की स्थिति बन गई। कॉलोनियों में जलभराव होने के कारण लोगों घरों में दुबक कर बैठना पड़ा।

उन्हें डर सता रहा था कि यह बारिश विकराल रूप न ले ले और उन्हें कमरों से निकलकर कहीं फिर से छतों की शरण न लेनी पड़े। हालांकि रुक-रुक बारिश होने से यह स्थिति उत्पन्न नहीं हुई और पानी धीरे-धीरे निकलता रहा। शाम को बारिश बंद होने के बाद लोगों ने घरों की साफ-सफाई शुरू की। वहीं, स्कूल बंद होने के कारण बच्चों को राहत रही। बारिश शाम तक रुक गई, लेकिन काले घने बादल आसमान में छाए रहे, जिससे बरसात के आसार बने हुए हैं। वहीं, बारिश के कारण गलियों और पार्कों में सन्नाटा पसरा रहा। वहीं रामनगर हाईवे पर बरसात से गड्ढे हो गए, जिससे गाड़ियां रेंगती रहीं।

जगबुड़ा नदी उफनाई, घरों में घुसा बाढ़ का पानी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: पिछले चार दिनों से हो रही लगातार वर्षा के बाद बीती रात्रि हुई मूसलाधार वर्षा से नदी, नाले उफान पर हैं। वहीं निचले स्थानों पर जलभराव से बढ़ की स्थित पैदा हो गई है। कई स्थानों से लोगों को विस्थापित कर अन्य स्थानों पर विस्थापित किया गया है।

सीमा पर बहने वाली जगबुड़ा नदी ने सोमवार सुबह विकराल रूप ले लिया था। जिससे ओवरफ्लो हुआ पानी मेलघाट गांव में भरने लगा। जिससे न केवल फसलें जलमग्न हो गई बल्कि पानी घरों में घुस गया। अलबत्ता दोपहर बाद लोगों को कुछ राहत मिली है। जिसके बाद लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचने के लिए प्रयास में जुटे हुए हैं। इधर स्थानीय प्रशासन भी लगातार बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में अपनी नजर बनाए हुए हैं। उप जिलाधिकारी तुषार सैनी तथा तहसीलदार वीरेंद्र सजवाण ने टीम के साथ इंडो नेपाल सीमा के मेलाघाट क्षेत्र में बाढ़ प्रभावितों और जगबुड़ा नदी के बढ़ते हुए जल स्तर का स्थलीय निरीक्षण किया। विधायक भुवन चंद्र कापड़ी ने ट्रैक्टर से मेलाघाट गांव में घुसे पानी का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों को हर संभव सहायता का आश्वासन दिया।

खटीमा के मेलाघाट में ट्रैक्टर से जलभराव वाले गांव का जायजा लेते विधायक कापड़ी।

मौसम की सबसे अधिक 181 मिमी वर्षा

थारू राजकीय इंटर कालेज स्थित मौसम केंद्र प्रभारी एनएस रौतेला ने बताया कि सोमवार सुबह आठ बजे तक 181 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है। जो इस मौसम की एक दिन की सबसे अधिक वर्षा है। उन्होंने कहा कि अगस्त माह में गत वर्ष की 516 मिमी वर्षा के सापेक्ष इस वर्ष 722 .5 मिमी वर्षा हुई है। उन्होंने बताया कि पिछले पांच दिनों की लगातार वर्षा में 63, 44, 112, 84 .5 और 181 मिमी कुल 484 .5 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

वन रावत के परिवारों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया

चकरपुर बिलहरी की ग्राम प्रधान आशा बिष्ट और क्षेत्र पंचायत सदस्य लक्ष्मी चंद द्वारा वन रावत बस्ती, शिव मंदिर बस्ती, सनिया नाले के किनारे बसे लोगों और शारदा नहर किनारे बसे 250 परिवारों को जल भराव से निजात दिलाने के तहत चकरपुर स्थित शिव मंदिर में पहुंचाया गया। जहां खाद्य पूर्ति निरीक्षक धर्मेन्द्र सिंह धामी ने पीड़ितों को खाद्य सामग्री मुहैया कराई गई। प्रभावितों की सहायता को राकेश बिष्ट, किशन चंद, मनोहर बिष्ट, बद्री भंडारी, संदीप राणा, खिला नंद भट्ट, नरी चंद, कुंवर बिष्ट, गोपू चौहान, जीवन सिंह पोखरिया, बॉबी सामंत आगे आए हैं।

खेतलसंडा खाम के प्रभावित प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट

नगरपालिका के खेतलसंडा खाम के प्रभावित परिवारों को प्राथमिक विद्यालय में शिफ्ट किया गया है। तहसीलदार विरेन्द्र सिंह सजवाण ने बताया कि फिलहाल स्थिति सामान्य और नियंत्रण में है। ग्राम सिसैया के पूर्व प्रधान संतलाल आदि ने पीड़ित परिवारों को सुरक्षित स्थान पर भेजने की स्थानीय प्रशासन से मांग की है। सजवाण ने बताया 63 परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर शिफ्ट कर उनके भोजन संबंधी व्यवस्था कर दी गई है। इधर एसडीएम तुषार सैनी ने बताया कि बाढ़ प्रभावित परिवारों की हर संभव सहायता की जाएगी।

इधर नगर के मध्य बहने वाले खकरा और ऐंठा नाले का जलस्तर बढ़ गया है जिससे इस्लामनगर और आसपास घरों में जलभराव की स्थिति बन गई है। इधर मझोला, कंचनपुरी दाह ढाकी, गांगी, दिया, चांदा, बरी अंजनिया, उलधन, बिसौटा, प्रतापपुर, खाली महुवट, वगुलिया, मोहम्मदपुर भूड़िया, पहेनियां, सैजना आदि गांवों में जलभराव की स्थिति है। सत्रहमील प्रतापपुर मार्ग पर भाजी जलभराव के बीप लोग अपनी जान को जोखिम में डालकर जा रहे हैं।

सितारगंज में सड़क पर भरा बारिश का पानी। ● अमृत विचार

घरों और सड़कों में भर गया बारिश का पानी

संवाददाता, सितारगंज

- बारिश से किसानों की फसलें चौपट, जनजीवन अस्त-व्यस्त, प्रशासन अलर्ट पर

अमृत विचार : सितारगंज क्षेत्र में बीते दो दिनों से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है और हालात भयावह होते जा रहे हैं। कैलाश, सुखी और बिगुल नदी के उफान से उकरोली, साधुनगर, डोहरा, डोहरी, कैलाशपुरी, खैराना, सिसइखेड़ा, सलमती,बिजटी ओर झाड़ी, निर्मलनगर, बरूआबाग, सिसोना समेत दर्जनों गांव बाढ़ और भूमि कटाव की चपेट में आ गए हैं। कैलाश नदी किनारे बसे किसानों की हरी-भरी खड़ी फसलें बहकर चौपट हो गईं और उपजाऊ भूमि कटकर बर्बाद हो गई, जिससे ग्रामीणों की रोजी-रोटी पर गंभीर संकट खड़ा हो गया है। वहीं सुखी और बिगुल नदी का पानी खेतों, घरों और गलियों में घुस जाने से कई परिवार परेशानियों में आ गए हैं, घरों के सामान नष्ट हो गया है। ग्रामीणों को भारी आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा है। नगर क्षेत्र भी अछूता नहीं रहा, जहां वार्डों और मुख्य सड़कों पर पानी भरने से वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई है और पैदल चलना तक दूभर हो गया है। जगह-जगह गड्ढों में जलभराव और कीचड़ से हालात और बिगड़ गए हैं। नदियों के लगातार बढ़ते जलस्तर और रुक-रुक कर हो रही मूसलधार बारिश ने पूरे इलाके को अलर्ट मोड पर ला दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बारिश का यही क्रम जारी रहा तो गांव पूरी तरह टापू में तब्दील हो जाएंगे और स्थिति भयावह हो सकती है। इधर तहसीलदार हिमांशु जोशी ने बताया कि प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है, आपदा चौकियों पर सभी विभागों के कर्मचारियों की तैनाती कर दी गई है, जो पल-पल की रिपोर्ट अधिकारियों तक पहुंचा रहे हैं। नगर के कई स्थानों पर जलभराव कम करने के लिए जेसीबी मशीनों से पानी की निकासी कराई जा रही है। फिलहाल हालात नियंत्रण में बताए जा रहे हैं, लेकिन आसमान से लगातार बरस रही आफत ने किसानों, व्यापारियों और आमजन की नींदें हराम कर दी हैं और क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त है।

दिनेशपुर में बारिश से गिरी स्कूल की चहारदीवारी

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार : बारिश के चलते आम जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। लोंग घरों में दुबके हुए हैं। लगातार बारिश के चलते बाजार में सन्नाटा छाया रहा। मुख्य मार्गों पर जगह-जगह जल भराव की स्थिति बनी हुई है। कई एकड़ धान की फसल जलमग्न हो गई है। बारिश लगातार होने से कई पक्के मकानों की छत्ते टपकने लगी है। वहीं सरस्वती शिशु मंदिर मदनापुर की चहारदीवारी धराशाई हो गई है।

सोमवार को सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मदनापुर के अध्यक्ष पूर्व सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की ने एसडीएम अमिता गोयल को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि लगातार हो रही बारिश से स्कूल की चहारदीवारी धराशाई हो गई है। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए चहारदीवारी बनवाने की मांग को। किसान नेता चंचल सिंह देऊपा ने बताया कि लोक निर्माण विभाग द्वारा मुख्य मार्गों पर बारिश के पानी की निकासी न बनवाने से जाफरपुर, कालीनगर व दिनेशपुर मार्गो एवं चौराहे पर बारिश का पानी जमा हो जाता है। जिससे लोगों को आने-जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

किसान गोविंद सिंह कोरंगा ने बताया कि खेतों से बारिश के पानी की निकासी के लिए सिंचाई विभाग द्वारा बनाया बरसाती नाला व गूले बंद होने से कई एकड़ धान की फसल जलमग्न हो गई है। कई पक्के मकान की छतों में बारिश का पानी रोकने से टपकने लगी है। ज्ञापन देने वालों में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मदनापुर के प्रबंधक राम सिंह कोरंगा, कोषाध्यक्ष डिगर सिंह टाकुली, प्रधानाचार्य वीर सिंह, संजीव कुमार, पुष्पा पाठक, तनुजा रजवार, रविंन तपाली, वीर सिंह आदि थे।

दिनेशपुर सरस्वती शिशु विद्या मंदिर मदनापुर की बारिश से गिरी चहारदीवारी।

- मुख्य मार्गों में जल भराव, कई एकड़ धान की फसल जलमग्न
- कई पक्के मकान की छत्ते टपकने लगी

खटीमा के झनकट में हुए जलभराव को दिखाते ग्रामीण।

ग्राम प्रधान ने जलभराव की कराई निकासी

खटीमा : झनकट में जगह जगह हुए जलभराव का जायजा लेकर नव निर्वाचित ग्राम प्रधान रीता बोरा और लाल सिंह बोरा ने जेसीबी से जलभराव वाले स्थानों से पानी की निकासी कराई। उन्होंने बताया कि भरी बारिश के चलते लोगों को भरी जलभराव का सामना करना पड़ रहा है।

समस्या

गांव रुद्रपुर के निकट बहने वाली सूखी नदी में बड़े पैमाने पर भू- कटाव जारी

सितारगंज में सूखी नदी में समाई कई एकड़ कृषि भूमि, किसान चिंतित

संवाददाता, शक्तिफार्म

अमृत विचार: शक्तिफार्म के ग्राम सभा रुदपुर में बहने वाली सूखी नदी के बहाव का रुख बदलने से किसानों की कई एकड़ कृषि भूमि सूखी नदी में समाने का अंदाजा है। भूमि कटाव कितने बृहद रूप से होने लगा इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब पानी का तेज बहाव भूमि को काटते हुए सड़क के काफी नजदीक पहुंच गया है जिससे सड़क को भी खतरा पैदा हो गया।

गांव रुद्रपुर निवासी मनवीर वैद्य, प्रशांत माझी, पुरान मंडल, तारक मंडल, विजय राय, रजेन बाछाड़, भैरव और तापस वैद्य समेत दर्जनों किसानों की सूखी नदी के किनारे स्थित करीब 40 एकड़ जमीन पानी के तेज बहाव से भू- कटाव के कारण नदी में समा चुकी है। जिससे किसानों की कृषि भूमि पूरी तरह से नष्ट हो चुकी है।

नगर पंचायत अध्यक्ष सुमित मंडल ने कहा कि पानी के बहाव की दिशा बदलने से नदी कृषि भूमि को काटते हुए एप्रोच सड़क के काफी करीब पहुंच गई है। इसमें दर्जनों किसानों की जमीन नदी में समा गई। जिस कारण सड़क को भी खतरा पैदा हो गया है। उन्होंने कहा कि एसडीएम रविंद्र जुवांठा, तहसीलदार हिमांशु जोशी और पटवारी को नदी के बदले रुख और किसानों के नुकसान के बारे में अवगत करा दिया है। कहा कि उन्होंने प्रशासन से सड़क की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाने की मांग की गई है। इधर बैगुल नदी के उफान पर होने से इनसे लगे गांव निर्मलनगर, राजनगर, अरविंद नगर के कई किसानों की भूमि भू-कटाव के कारण नदी में समाने लगी है। वहीं ग्रामीणों ने प्रशासन से भू-कटाव रोकथाम के लिए स्थाई समाधान किए जाने की मांग की।

उफान पर आई सूखी नदी से हो रहे भू-कटाव को देखते लोग। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

आज भी स्कूल व आंगनबाड़ी केन्द्र बंद

टनकपुर : जनपद चम्पावत अन्तर्गत कक्षा 1 से 12 तक संचालित सभी राजकीय, परिषदीय, सहायता प्राप्त, मान्यता प्राप्त निजी विद्यालयों एवं सभी आंगनबाड़ी केन्द्र आज मंगलवार को पूर्णत: बन्द रहेंगे। यह जानकारी देते हुए अपर जिलाधिकारी जयवर्धन शर्मा ने बताया कि यह निर्णय छात्र-छात्राओं की सुरक्षा की दृष्टि से लिया गया है। उन्होंने कहा सम्बन्धित विभागीय अधिकारी य ह सुनिश्चित करेंगे कि आदेश का कड़ाई से अनुपालन हो।

लागोस इंटरनेशनल में ध्रुव को रजत पदक

अल्मोड़ा : लागोस इंटरनेशनल क्लासिक बैडमिंटन टूर्नामेंट में युवा शटलर ध्रुव रावत ने शानदार प्रदर्शन किया है। टूर्नामेंट में ध्रुव ने एक रजत व एक कांस्य पदक अपने नाम किया। उनकी इस उपलब्धि पर गृह क्षेत्र अल्मोड़ा के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है। उत्तराखंड स्टेट बैडमिंटन संघ के सचिव बीएस मनकोटी ने बताया कि नाइजीरिया के लागोस में आयोजित प्रतियोगिता के सेमीफाइनल मुकाबले में ध्रुव व मनीषा की जोड़ी ने यूएई की देव अय्यपन व नूरानी रातु को 21-18, 21-14 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। लेकिन फाइनल मुकाबले में उन्हें हार का सामना करना पड़ा और ध्रुव व उनकी जोड़ीदार मनीषा को रजत पदक प्राप्त हुआ। ध्रुव की इस उपलब्धि पर संघ अध्यक्ष डॉ. अलकनंदा अशोक, कोच डीके सेन, जिला क्रीड़ा अधिकारी महेशी आर्या, अरुण बग्याल, राम अवतार, सुरेश कर्नाटक, अतुल आदि ने खुशी जताई है।

पदक के साथ खिलाड़ी।

वेतन भुगतान की मांग को रोडवेज कर्मचारी मुखर

अल्मोड़ा : दो माह से वेतन का भुगतान नहीं होने से रोडवेज कर्मचारियों ने मोर्चा खोल दिया हैं। सोमवार को नाराज कर्मचारियों ने बाह में काला फीता बांध विरोध जताया। जल्द वेतन का भुगतान नहीं होने पर कार्य बहिष्कार की चेतावनी दी। कहा कि दो माह से कर्मचारियों को वेतन का भुगतान नहीं किया गया है। निर्धारित समय पर वेतन नहीं मिलने से उन्हें आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। कहा कि सात सितम्बर तक कर्मचारी काली पट्टी बांधकर पूर्ण कार्य करते हुए विरोध प्रदर्शन करेंगे, इसके बाद भी वेतन का भुगतान नहीं होता है तो आठ सितम्बर को मंडलीय प्रबंधक (संचालक) कुमाऊं क्षेत्र के कार्यालय में अनिश्चितकालीन आंदोलन के लिए बाध्य होंगे। यहां प्रदर्शन में रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद के शाखा अध्यक्ष प्रदीप टम्टा, शाखा मंत्री, राजकुमार टम्टा, ममता, कृष्ण कुमार गुप्ता आदि मौजूद रहे।

किच्छा में गौला नदी का जलस्तर बढ़ा

किच्छा : बारिश के चलते गौला बैराज का जलस्तर बढ़ने के बाद बैराज के सभी गेट खोले जाने से गौला नदी का जलस्तर बढ़ गया है। अचानक गोला नदी में जल स्तर बढ़ने के बाद नदी किनारे बसे लोगों में हड़कंप मच गया और सुरक्षा के दृष्टिगत नदी किनारे बसे दर्जनों लोग सुरक्षित स्थान पर चले गए। प्रशासन ने भी पूरी चौकसी के साथ गोला नदी के जल स्तर पर निगाह रखी है। तहसील प्रशासन द्वारा अलग-अलग क्षेत्र में चौकियां स्थापित कर गौला नदी के जलस्तर, जलस्तर बढ़ने से कटान, कृषि भूमि पर जलभराव आदि बिंदुओं पर सतर्कता के साथ ध्यान रखा जा रहा है।

लगातार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ में बसोलीखान के पास बही सड़क, हाइवे समेत 16 मार्गों पर रफ्तार थमी

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : जिले में अब मानसूनी बारिश आफत बनकर बरस रहीं है। अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ एनएच पर बसोलीखान के पास सड़क का एक बढ़ा हिस्सा गिर गया। इससे आवाजाही बंद हो गई। वहीं, 16 ग्रामीण सड़कों में वाहनों की रफ्तार थमी रही। हालांकि प्रशासन की ओर से अधिकांश ग्रामीण मोटर मार्ग खोल यातायात के लिए सुचारू कर दिया गया।

जिलेभर में दो दिन से मानसूनी बारिश जारी है। लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं। सड़कों में मलबा और बोल्डर आने से यातायात प्रभावित हो गया है। इससे लोगों की परेशानी बढ़ते जा रही है। सोमवार को जिले की अल्मोड़ा-पिथौरागढ़ हाइवे में बसोली खान के पास सड़क का आधा हिस्सा बह गया।

इससे एनएच पर यातायात बंद हो गया। जेसीबी की सहायता से सड़क पर आए मलबे को हटाने का प्रयास किया गया। बाद में एनएच से छोटे वाहनों की आवाजाही सुचारू कर दी गई। इसके अलावा जिले के 16 ग्रामीण सड़कों में बारिश के चलते मलबा आने से आवाजाही बंद रही। इससे कई गांवों के ग्रामीण अलग-थलग पड़ गए हैं।

वहीं, जिला मुख्यालय में हुई सड़कों में लबालब पानी भर गया। इससे आवाजाही करने वाले पैदल राहगीरों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

बसोलीखान के पास क्षतिग्रस्त सड़क।

टनकपुर में शारदा नदी उफान पर आने से जलमग्न हुआ घाट क्षेत्र।

सबसे अधिक जैंती में बरसे मेघ

जानकारी अनुसार सोमवार को अधिकतम तापमान 25 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। 24 घंटों के भीतर सोमवार सुबह आठ बजे तक सबसे अधिक बारिश 97.0 एमएम जैंती में दर्ज की गई। जबकि जिला मुख्यालय में 57.05 एमएम, रानीखेत में 48.4 एमएम, द्वाराहाट में 26.05 एमएम, चौखुटिया में 17 एमएम, सोमेश्वर में 42 एमएम, भिकियासैंण में 35 एमएम, ताकुला में 53.0 एमएम, भैंसियाछाना में 69.0 एमएम बारिश हुई।

गोशाला हुई क्षतिग्रस्त

बारिश के चलते जनजीवन अस्त व्यस्त रहा। विकासखंड चौखुटिया के जेठुआ में गणेश चंद्र की गौशाला भी क्षतिग्रस्त हो गई। वहीं, जिला मुख्यालय के नंदादेवी, एसएसजे परिसर और जिला अस्पताल में बारिश का पानी घूस गया। जिससे तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

टनकपुर शारदा घाट जलमग्न, अलर्ट

टनकपुर : पर्वतीय और मैदानी क्षेत्र में लगातार हो रही वर्षा से शारदा नदी का जल स्तर बढ़ने आस-पास के गांवों में भूकटाव शुरू हो गया है। सोमवार को खेत खेड़ा में बड़ी मात्रा में उपजाउ भूमि शारदा नदी में समा गई। उचौलीगोठ, थवालखेडा, गैंडाखाली, बसानीगोठ में भी बाढ़ से खतरा उत्पन्न हो गया है। शारदा नदी का जल स्तर बढ़ने के कारण अलर्ट घोषित कर दिया गया। पालिका व प्रशासन ने ध्वनि विस्तारक यंत्रों से घाट के आस-पास रह रहे लोगों से सुरक्षित स्थान में जाने जाने अपील की। नगर पालिका के ईओ जोशी ने बताया कि रात के समय जल स्तर और बढ़ने की संभावना है। इधर टनकपुर पिथौरागढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग चौथे दिन भी बंद रहा जिससे यात्रियों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

ग्राउंड जीरो पर सीएम, बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का निरीक्षण

बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में बचाव दल को दिशा निर्देश देते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

संवाददाता, टनकपुर/बनबसा

अमृत विचार : पिछले दो दिन से लगातार हो रही बरसात से जिले के मैदानी क्षेत्र टनकपुर और बनबसा का जनजीवन खासा प्रभावित हो गया है। एक ओर जहां शारदा नदी उफान पर है वही जगह-जगह जल भराव से भी लोगों को काफी दिक्कत हो रही है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को जनपद के मैदानी क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान गुदमी व देवीपुरा गांव में फंसे हुए श्रमिकों और परिवार के कई लोगों को बचाव दल ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। मुख्यमंत्री ने बनबसा के आनंदपुर-चन्दनी क्षेत्र पहुंचे, में बाढ़ प्रभावित इलाकों का जायजा लिया। उन्होंने प्रभागीय वनाधिकारी को सिंचाई विभाग के साथ समन्वय स्थापित कर हुड्डी नदी के चैनलाइजेशन के लिए तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसके उपरान्त मुख्यमंत्री ने देवीपुरा क्षेत्र में पहुंचकर बाढ़ प्रभावित स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने ग्राउंड जीरो पर जाकर आपदा प्रभावित ग्रामीणों से सीधे संवाद किया और अधिकारियों को पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। डीएम ऊधमसिंह नगर नितिन सिंह भदौरिया, एसएसपी मणिकांत मिश्रा, उपजिलाधिकारी पूर्णागिरि (टनकपुर) आकाश जोशी रहे।

खटीमा गोलीकांड के शहीदों को दी श्रद्धाजंलि

संवाददाता, अल्मोड़ा

- अल्मोड़ा के गांधी पार्क में राज्य आंदोलनकारियों ने धरना दिया

अमृत विचार : उत्तराखंड राज्य आंदोलनकारियों ने 1 सितंबर 1994 को खटीमा में शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उन्होंने 25 वर्ष बाद भी शहीदों के सपनों के अनुरूप राज्य का विकास नहीं होने पर सरकार को चेताया। सोमवार को गांधी पार्क में आयोजित कार्यक्रम में राज्य आंदोलनकारियों ने शहीदों के चित्र पर पुष्प अर्पित किए।

कहा कि राज्य के विकास की बात तो दूर 25 वर्ष में राज्य की स्थाई राजधानी तक तय नहीं हो पाई है। सत्ता में बैठे लोग विकास के धन की बंदरबांट तो कर ही रहे थे। उत्तराखंड परिवर्तन पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष पीसी तिवारी ने कहा कि उत्तराखंड के समुचित विकास के लिए राज्य का निर्माण किया गया था। राज्य निर्माण के लिए कई लोगों ने अपनी शहादत दी और प्रताणना झेली। वहीं, सरकार पर राज्य के संसाधनों को लूटने का आरोप लगाया। नारायण राम, ममता जोशी, भावना पांडे, चिंतामणि भट्ट, आनंदी वर्मा, मोहम्मद वसीम, नीमा आर्या, गोपाल सिंह गैड़ा, विनोद तिवारी, किरन आर्या, राकेश बाराकोटी, दीपांशु पांडे, ममता बिष्ट, पूजा, केएन भट्ट, प्रेम चंद्र, राजू गिरी, बसंत सिंह, चंदन आदि मौजूद रहे।

डीएम भटगांई ने जिपं अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को दिलाई शपथ

बागेश्वर, अमृत विचार : नव निर्वाचित जिला पंचायत अध्यक्ष व उपाध्यक्ष समेत सदस्यों का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न हो गया है। इस दौरान डीएम ने सभी प्रतिनिधियों से विकास कार्यों में भागीदारी का आह्वान किया। विकास भवन समारोह में आयोजित शपथ ग्रहण समारोह में जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने जिपं अध्यक्ष शोभा देवी व उपाध्यक्ष विशाखा खेतवाल को शपथ दिलाई इसके बाद अध्यक्ष ने अन्य सभी सदस्यों को शपथ दिलाई। इस दौरान दर्जा राज्य मंत्री शिव सिह बिष्ट ने सभी सदस्यों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के सपनों को साकार करने की अपील की।

क्वारब के पास दरकी पहाड़ी, मार्ग बंद

- हाइवे पर बोल्डरों ने रोकी वाहनों की आवाजाही
- यातायात बाधित होने से यात्रियों को उठानी पड़ी दिक्कतें

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : पर्वतीय क्षेत्रों में बारिश से जनजीवन पटरी से उतर गया है। बीते रविवार रात बारिश शुरू हुई, जो सोमवार सुबह तक जारी रही। लगातार बारिश के चलते अल्मोड़ा-हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग फिर एक बार बंद हो गया। हाइवे बंद होने से यात्रियों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

क्वारब की दरकती पहाड़ी लंबे समय से मुसीबत का सबब बनी हुई है। अब इन दिनों लगातार बारिश के चलते यहां पर खतरा और अधिक बढ़ गया है। दो दिनों से हो रही बारिश के कारण सोमवार सुबह क्वारब की पहाड़ी दरक गई। जिससे एनएच पर यातायात पूरी तरह ठप पड़ गया। घंटों यात्रियों को मार्ग खुलने का इंतजार करना पड़ा, लेकिन मार्ग को खोला नहीं जा सका। मजबूरन लोगों को वैकल्पिक मार्ग खैरना-रानीखेत और शहरफाटक से आवाजाही करनी पड़ी।

इसमें लोगों को डेढ़ से दो घंटे का अतिरिक्त समय के साथ अधिक किराया चुकाना पड़ा। इधर, जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी विनीत पाल ने बताया कि लगातार के होने के चलते मार्ग खोलने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने बताया कि मौके पर प्रशासन की जेसीबी तैनात की गई है।

अल्मोड़ा-हल्द्वानी हाईवे के क्वारब के पास रोड़ पर आए बोल्डर।

हर दिन गुजरते हैं सैकड़ों वाहन

हल्द्वानी राष्ट्रीय राजमार्ग अल्मोड़ा और नैनीताल दो जिलों को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग है। यहां से हर दिन सैकड़ों वाहन आवागमन करते हैं, लेकिन क्वारब मार्ग ने यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। बारिश के चलते सोमवार दिन भर मार्ग में वाहनों का आवागमन पूरी तरह से बाधित रहा था। लोग स्थायी समाधान की मांग उठा रहे हैं।

मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रमों से बांधा समां

- अल्मोड़ा में ऐतिहासिक नंदा देवी मेला चरम पर
- देर रात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रही धूम

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार : सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा में ऐतिहासिक नंदा देवी मेला चरम पर है। मां नंदा-सुनंदा के दर्शन को सुबह से नंदा देवी परिसर में भक्तों की भीड़ उमड़ रही है। वहीं, देर रात सांस्कृतिक कार्यक्रमों की धूम मची रही।

सोमवार को मेला समिति की ओर से भी विभिन्न प्रतियोगिताएं समेत रंगारंग कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। जबकि बीते रविवार देर रात तक कलाकार कुमाउनी गीतों से दर्शकों को झूमने में मजबूर कर दिया। कलाकारों ने माता नंदा गौरी तू दैंण हैजाए भजन पर भी दर्शक मंत्रमुग्ध हो गए। हर रोज देर शाम को लग रही माता की चौकी में भजनों की धूम से पूरा वातारण भक्तिमय हो रहा है। यहां मेला समिति अध्यक्ष मनोज वर्मा, सचिव मनोज सनवाल, मुख्य सांस्कृतिक संयोजक तारा जोशी, मुख्य संयोजक अर्जुन बिष्ट चीमा, हरीश कनवाल, रवि गोयल, अनूप साह, हरीश बिष्ट, अमित साह मोनू, अमरनाथ सिंह नेगी, कपिल मल्होत्रा, कुलदीप मेर, अभिषेक जोशी, मनोज भंडारी, धन सिंह मेहता, जीवन नाथ वर्मा, राजेंद्र बिष्ट, हरीश भंडारी, नवीन बिष्ट, हितेश वर्मा, जगत तिवारी, आशीष बिष्ट, दया कृष्ण परगाई, नमन बिष्ट, पंकज आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रमों की प्रस्तुती देते कलाकार।

नंदा-सुनंदा महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रमों धूम

रानीखेत : ब्रह्म मुहूर्त में मां नंदा-सुनंदा की प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा के साथ 135वां नंदाष्टमी महोत्सव का विधिवत शुभारंभ हुआ। प्रात: से ही मां के दर्शन व पूजा अर्चना के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही वहीं सांस्कृतिक मंच पर अंतर विद्यालयी समूह लोकनृत्य व महिलाओं की छपेली नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मां नंदा-सुनंदा की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हवन अनुष्ठान सम्पन्न हुआ। विद्यालयी बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों को देखने के लिए दर्शक मंत्रमुग्ध बैठे रहे। अंतर विद्यालयी समूह लोकनृत्य प्रतियोगिता के सब जूनियर वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर प्रथम, रीना चिल्ड्रंस एकेडमी स्कूल द्वितीय, और सिटी मांटेसरी स्कूल तृतीय स्थान पर रही। जूनियर वर्ग में, राजकीय आदर्श बालिका इंटर कॉलेज ने प्रथम, गोविंद मैमोरियल पब्लिक स्कूल ने द्वितीय और बीर शिवा स्कूल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। तदुपंरात महोत्सव में पहली बार आयोजित महिलाओं की छपेली नृत्य प्रतियोगिता में नन्दा -सुनंदा महिला समूह ने प्रथम, बद्री व्यू महिला ग्रुप ने द्वितीय और नारी शक्ति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सांस्कृतिक संयोजक विमल सती ने पुरस्कार प्रदान किए।

शरीअत में नहीं जुआ और शराब की इजाजत, फतवा किया जारी

- लोगों को जागरूक करने के लिए समय-समय पर दी जाती है हिदायत

संवाददाता, जसपुर

अमृत विचार : जुआ और शराब जैसी बुराई को दूर करने के लिए मदरसा जामिया अरबिया अहले सुन्नत बदरूल उलूम के दारुल इफ्ता ने फतवा जारी किया है।

इसमें शरीयत के मसले के तहत दोनों चीजों से दूर रहने की बात कही गई। जुआ और शराब को हराम करार दिया। उलेमा ने कहा है कि यह चीज पहले से हराम है, लेकिन समय-समय पर लोगों को जागरूक करने के लिए हिदायत भी दी जा रही है। जिससे समाज में फैलने वाली कुरीतियों को उनसे अलग रखा जा सके। मोहल्ला जटवारा निवासी एडवोकेट अखलाक अहमद ने मदरसे के दारुल इफ्ता में सवाल किया था कि जुआ और शराब इस्लाम में कैसा है। कुरान और हदीस की रोशनी में जवाब दें। मुफ्ती-ए-शहर शमीम अख्तर सअदी ने कुरान और हदीस की रोशनी में जवाब देते हुए कहा कि जिस चीज को शरीयत ने हराम करार दिया उसे किसी भी बहाने से इस्तेमाल करना हराम जैसा ही है। जुआ और शराब के लिए इस्लाम में कोई जगह नहीं है। इन दोनों चीजों से ही अन्य कुरीतियां भी फैलती है। इसलिए खुद बचने के साथ दूसरों को भी इससे दूर रखें।

इस्लाह के लिए होता है दर्स

जसपुर : मुफ्ती-ए-शहर ने बताया कि लोगों की इस्लाह के लिए ईशा की नमाज के बाद जामा मस्जिद में इमाम मौलाना सैयद शाने आलम प्रत्येक दिन दर्स देते हैं। जो शरीयत के हुक्म के बारे में बताते हैं। सामाजिक बुराइयों से दूर रहने के लिए लोगों को हुजूर की सुन्नतों पर अमल करना होगी।

> पांच वक्त की नमाज की पाबंदी से जुआ-शराब समेत सभी तरह की बुराइयों से दूरी बनी रहेगी। घरों में दीनी माहौल बनाएं। तेज आवाज में बात न करें और नमाज के लिए घर के बच्चों को भी साथ लाएं।
> **-शमीम अख्तर सअदी,** मुफ्ती-ए-शहर

कृषि सहायकों ने की मानदेय वृद्धि की मांग

कृषि मंत्री गणेश जोशी को ज्ञापन सौंपता प्रतिनिधिमंडल।

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : कृषि विभाग में कार्यरत कृषि सहायकों के प्रतिनिधिमंडल ने कृषि मंत्री गणेश जोशी से सोमवार को उनके कैंप कार्यालय में भेंट की।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल द्वारा उत्तराखंड की सभी 670 न्याय पंचायतों में तैनात कृषि सहायक कर्मचारियों का मानदेय वृद्धि के सम्बन्ध में ज्ञापन सौंपा गया। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने प्रतिनिधि मंडल को सकारात्मक आश्वासन देते हुए शीघ्र कार्यवाही का भरोसा दिलाया। इस अवसर पर कुशाल सेमवाल, ललित सिंह, कलावती, संगीता नौटियाल, प्रकाश राणा, बबलू शर्मा, सुभाष तोमर, कुलदीप सहित कई लोग उपस्थित रहे।

डीएम और चीफ हाईकोर्ट में तलब

नैनीताल : हाईकोर्ट ने उत्तरकाशी में भागीरथी ईको सेंसेटिव जोन में नियमविरुद्ध बने होटल, रिजॉर्ट से नदी का रुख मुड़ने से भविष्य में धराली में आई आपदा जैसे हालात होने की आशंका को लेकर दायर जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए डीएम व सिंचाई विभाग के मुख्य अभियंता को आज को कोर्ट में तलब किया है। याचिका की सुनवाई मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ में हुई। हिमालयन नागरिक दृष्टि मंच की ओर से नागेंद्र जगूड़ी द्वारा दायर याचिका में कहा गया कि भागीरथी ईको सेंसेटिव जोन में नियमों को ताक में रखकर अवैध मकान, होटल, रिजॉर्ट बने हैं जिससे कभी भी नदी का रुख बदल सकता है। यह धराली की तरह की आपदा का कारण बन सकता है। ईको सेंसेटिव जोन व बाढ़ सम्भावित जोन में बने रिजॉर्ट को बंद कराने व भागीरथी ईको सेंसटिव जोन के नियमों का पालन कराने की मांग की गई है।

उपाध्यक्ष समेत 14 सदस्यों के साथ ली विकास की शपथ

संवाददाता, चम्पावत

अमृत विचार : जिला पंचायत अध्यक्ष आनंद सिंह अधिकारी ने उपाध्यक्ष पुष्पा विश्वकर्मा समेत 14 सदस्यों के साथ पद व गोपनीयता की शपथ ली। शपथ के बाद आनंद ने कहा सदन का प्रयास चम्पावत के गांवों को विकास के पथ पर आगे बढ़ाना रहेगा। सीएम पुष्कर सिंह धामी के आदर्श चम्पावत की परिकल्पना को साकार करने के लिए हरसंभव प्रयास करेगी।

दर्जा राज्य मंत्री श्याम नारायण पांडेय के आतिथ्य में डीएम के प्रतिनिधि के तौर सीडीओ डा. जीएस खाती ने अध्यक्ष व उपाध्यक्ष को शपथ दिलाई। सदस्य फरतोला से योगेश जोशी, रैघांव से मनीषा कालाकोटी, जानकांडे से अशोक माहरा, कानीकोट से आशा अधिकारी, खरही से सोनू बोहरा, बिरगुल से निर्मला महराना, भजनपुर से सरस्वती चंद, धूरा से हिमानी बोहरा, शक्तिपुरबूंगा से कृष्णानंद जोशी, भंडारबोरा से शैलेश चंद, मटियानी से पुष्कर राम, पाटन पाटनी से सुनीता जोशी, रायकोट कुंवर से अनीता परथोली को अध्यक्ष आनंद अधिकारी ने शपथ दिलाई। यहां आनंद के पिता दलीप अधिकारी, माता भागीरथी देवी व पत्नी विनीता अधिकारी रहे। विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी ने सीएम का शुभकामना संदेश पढ़ा। मोहित पाठक के संचालन में जिलाध्यक्ष गोविंद सामंत, पालिकाध्यक्ष प्रेमा पांडेय, शंकर पांडेय, सतीश पांडेय रहे।

शपथ लेते आनंद सिंह अधिकारी।

प्रेमिका के हत्यारे को सश्रम उम्रकैद

पौड़ी, अमृत विचार : पांच साल पहले अपनी प्रेमिका की हत्या करने वाले एक व्यक्ति को स्थानीय अदालत ने सोमवार को सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। शासकीय अधिवक्ता प्रदीप कुमार भट्ट ने बताया कि पौड़ी के सत्र न्यायाधीश धर्म सिंह ने अभियुक्त राहुल को युवती की हत्या का दोषी ठहराते हुए उसे सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अदालत ने उस पर पांच हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। पौड़ी के एक गांव के रहने वाले राहुल पर आरोप था कि उसने अपने ही गांव की निवासी प्रेमिका की 11 फरवरी 2020 की रात को उस समय हत्या कर दी थी जब वह उससे मिलने उसके घर पहुंची थी। युवती की मां की तहरीर पर राजस्व पुलिस ने राहुल के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की। राहुल को 20 जुलाई, 2020 को गिरफ्तार किया गया था।

धरने पर डटे रहे लोहाघाट महाविद्यालय के छात्र नेता

लोहाघाट महाविद्यालय में धरने में बैठे छात्र। ● अमृत विचार

संवाददाता, लोहाघाट

अमृत विचार : स्वामी विवेकानंद राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में बीए और एमए में सीटें बढ़ाने सहित अन्य मांगों को लेकर छात्रों का धरना 17वें दिन भी जारी रहा। भारी बरसात के बाद भी छात्र रातभर धरने पर डटे रहे। उन्होंने मांगें पूरी होने तक आंदोलन से न हटने का ऐलान किया।

सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष व वर्तमान प्रांत मीडिया संयोजक विवेक पुजारी, जिला संयोजक नीरज सक्टा और छात्र संघ अध्यक्ष रितिक ढेक के नेतृत्व में छात्रों ने धरना दिया। छात्र बीए में 500 सीटें व पीजी में 120 सीटें बढ़ाने की मांग सहित एमए में समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, इतिहास व शिक्षा शास्त्र विषयों शुरू करने, रिक्त प्रवक्ता पदों को भरने, लाइब्रेरियन की नियुक्ति करने आदि मांगें कर रहे हैं। कोषाध्यक्ष साहिल अधिकारी, छात्र संघ महासचिव मनीष बिष्ट, पूर्व छात्र नेता सचिव गौरव पांडेय, कालेज इकाई अध्यक्ष राहुल बिष्ट, करन सिंह देउपा, शुभम ढेक, कृष्णा पाठक रहे।

अमृत विचार

मंगलवार, 2 सितंबर 2025

जिस देश में मनुष्यों का चरित्र ऊंचा नहीं है, वह देश कभी उन्नति नहीं कर सकता।

–**बंकिम चंद्र चटोपाध्याय**, उपन्यासकार

ड्रैगन और हाथी का साथ

प्रधानमंत्री की कूटनीतिक कुशलता ने उनकी चीन-यात्रा को सफल और यादगार बना दिया। अपने संबोधनों और कूटनीतिक बैठकों के माध्यम से उन्होंने न केवल मेजबान चीन, बल्कि अमेरिका, पाकिस्तान, रूस और अमेरिका से अंदरूनी तौर पर असंतुष्ट यूरोपीय देशों को भी अलग-अलग, दूरगामी संदेश दिए। पुतिन और शी जिनपिंग के साथ वार्ता-निमग्न तस्वीर ने जहां अमेरिका की चिंता बढ़ाई होगी, वहीं प्रधानमंत्री का यह दो-टूक कहना कि आतंकवाद पर दोहरा मापदंड स्वीकार्य नहीं है, आतंक के अपराधियों, आयोजकों और समर्थन देने वालों को सजा मिलनी चाहिए, पाकिस्तान के प्रति चीन के समर्थन के संदर्भ में भी एक परोक्ष संकेत था। नवाज शरीफ की मौजूदगी में ही संगठन से पहलगाम हमले की निंदा करवा लेना बड़ी कूटनीतिक जीत है। याद रहे, पिछली बार जून में हुई शंघाई सहयोग संगठन की मंत्रिस्तरीय बैठक में इस निंदा का उल्लेख न होने पर भारत ने घोषणापत्र पर हस्ताक्षर से इनकार कर दिया था, जिसे पाकिस्तानी कूटनीति ने अपनी जीत बताया था, मगर इस बार प्रधानमंत्री की रणनीति ने पासा पलट दिया।

प्रधानमंत्री ने इन कूटनीतिक पहलों से ट्रंप को साफ संदेश दे दिया है कि भारत पर उनकी मनमानी नहीं चलेगी, यदि अमेरिका शत्रुतापूर्ण रुख रखेगा, तो भारत के पास कई विकल्प मौजूद हैं। उनका यह कहना कि भारत-चीन संबंधों को 'तीसरे देश के चश्मे' से नहीं देखा जाना चाहिए, रूस और अन्य देशों के लिए भी स्पष्ट संकेत था। सम्मेलन में वे रूस, चीन के अलावा अन्य 15 देशों के राष्ट्राध्यक्षों से भी मिले और द्विपक्षीय रिश्तों के लाभ रेखांकित किए। इस बड़े राजनीतिक मंच ने दुनिया के तमाम देशों में यह धारणा भी सुदृढ़ की है कि समूची दुनिया अमेरिका की मनमानी धुन पर बेबस होकर नहीं नाचती। विश्व की आबादी का एक बड़ा हिस्सा उसे सर्वशक्तिमान मानने को बाध्य नहीं है। दुनिया के छोटे देश भी साहस के साथ अपनी संप्रभुता की रक्षा कर सकते हैं।

यह सफल मुलाकात अमेरिका के लिए रणनीतिक झटका है, जहां अमेरिका अपने मित्रों और प्रतिद्वंद्वियों दोनों के साथ व्यापार-युद्धों में उलझा है, वहीं चीन, तुर्की, मलेशिया और पाकिस्तान जैसी अर्थव्यवस्थाओं के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाकर वैश्विक नेतृत्व में अपनी स्थिति सुदृढ़ कर रहा है। चीन की बढ़ती आर्थिक व सैन्य शक्ति के विरुद्ध एक प्रखर प्रतिरोध के रूप में भारत को खड़ा करने के उद्देश्य से अमेरिका लंबे समय से भारत के साथ बेहतर संबंधों का प्रयास करता रहा, पर ट्रंप की अकुशल, अर्थ-लोलुप राजनीति ने भारत को बीजिंग के करीब कर दिया। भविष्य में यह दुनिया का बड़ा कूटनीतिक गठजोड़ सिद्ध हो सकता है। अब तक वैश्विक निगाहें मुख्यतः चीन–अमेरिका संबंधों पर टिकी रहती थीं, ऐसी स्थिति में चीन–भारत समीकरण केंद्र में होगा। सर्वाधिक आबादी और बड़े बाजार वाले दोनों देश सहयोग करें, तो तकरीबन तीन अरब लोगों को प्रत्यक्ष लाभ पहुंचा सकते हैं। चीन की आर्थिक शक्ति और तकनीकी बढ़त, भारत के सस्ते और दक्ष श्रम से जुड़ कर औद्योगिक क्रांति ला सकते हैं। अपेक्षा है कि चीन और भारत प्रतिद्वंद्वी नहीं, सहयोगी और साझेदार बनें और मतभेदों को विवादों में न बदलें।

प्रसंगवश

रामायण काल से बाबूगढ़ तक भारत में अश्व

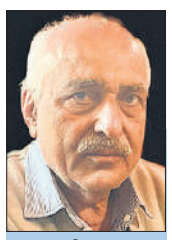

रनबीर सिंह
वरिष्ठ पत्रकार

सेंट्रल एशियाई मानव और अश्व जींस के माइग्रेशन पैटर्न के बारे में जो जानकारी उपलब्ध है, उससे तय हुआ है कि भारत में घोड़े का आगमन ब्रोंज एज अथवा कांस्य धातु युग में हुआ। घोड़े के बारे में भारत में पहले विवरण रामायण काल से मिलते हैं, जब श्रीराम ने चक्रवर्ती सम्राट की उपाधि धारण करने के लिए यज्ञ के लिए एक घोड़ा पूरे उत्तर भारत में घुमाया था। बाद के पुरासाक्ष्य भी यमुना किनारे सनौली से पहली बार मिले। यह महाभारत कालीन साक्ष्य हैं। भारतीय लोग घोड़े को रथ में जोतते थे, लेकिन इसकी पीठ पर सवारी करने का प्रचलन बहुत बाद में हुआ। घोड़े को काबू करने के लिए लगाम और काठी बहुत दिनों तक बनाने की बात हम शायद सोच ही नहीं पाए थे। घोड़ा, भारतीय उपमहाद्वीप का मूल निवासी नहीं है। यह उत्तर-पश्चिमी क्षेत्रों, अरब, मध्य एशिया और यूरेशिया से आयातित सबसे मूल्यवान पशु रहा है।

साइंस जर्नल के 9 मई 2018 के अंक में 48 शोधकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित पेपर 'द फर्स्ट हॉर्स हर्डर्स एंड द इंपैक्ट ऑफ अर्ली ब्रोंज एड स्टेप एक्सपेंशंस इनटू एशिया' में दी गई जानकारी के अनुसार मध्य एशिया के स्टेप्स के मैदानों में घोड़े, घोड़े को पालतू बनाकर साधने और इसका उपयोग करने के बारे में है, जिसका प्रसार भारत की ओर 3300 ईसा पूर्व अर्थात आज से 5300 वर्ष पूर्व होने का संकेत मिलता है।

आम तौर मध्य एशिया के घास के विशाल मैदानों में जो हुआ, उसकी एक परिकल्पना के अनुसार, यूरोप और एशिया दोनों में इंडो-यूरोपीय भाषाओं का प्रसार प्रारंभिक कांस्य युग के यामनया चरवाहों के पोंटिक-कैस्पियन मैदानों से प्रवास के साथ हुआ। यामनया रूसी शब्द है, जिसका अर्थ है गड्ढा। रूसी पुराविद वैसिली गोरोद्स्तोव ने सन् 1901-1903 के बीच दोनेत्स नदी के किनारे उत्खनन किया और एक प्रारंभिक सभ्य नगर की खोज यहां हुई। माना जाता है कि घोड़ों के पालन-पोषण के कारण इस क्षेत्र के लोगों का विकास संभव हुआ। बाद में तुर्क और तातार ने घोड़ों का इस्तेमाल युद्ध के लिए खूब किया। मंगोलियाई लड़ाकों ने घुड़सवार सेना के बल पर ही उत्तरी चीन में अपने साम्राज्य की स्थापना की थी। चंगेज खां ने घुड़सवार लड़ाकों की सेना का इस्तेमाल करते हुए अपने साम्राज्य का प्रसार पूरे सेंट्रल एशिया और पूर्वी यूरोप में किया। अश्वपालन का सबसे पहला सुरक्षित प्रमाण मध्य एशिया की बोटाई संस्कृति से मिलता है।

ईसा से तीन सदी पूर्व अर्थात मौर्य काल में ही शालिहोत्र ने शालिहोत्र संहिता की रचना कर ली थी। इसमें 12000 श्लोक संस्कृत भाषा में हैं और विश्व में अश्वों से संबंधित यह शायद प्रथम ग्रंथ है। शालिहोत्र, श्रावस्ती के निवासी थे, जो अब उत्तर प्रदेश में गोंडा और बहराइच के निकट है। प्राचीन काल से ही भारतीय राजकुल अश्वारोही सेना रखते थे। साक्ष्य हैं कि प्रथम विश्वयुद्ध की समाप्ति तक भी सेना में अश्व का बड़ा उपयोग हुआ था। भारत में अंग्रेजों ने अपना शासन कायम करने के लिए एक सुदृढ़ कैवेलरी की स्थापना की थी। 1825 में स्थापित बाबूगढ़ स्टड फार्म में अश्वों को रखने के लिए ईंटों से जो बैरक बनाई गई थीं, वे अभी कायम हैं और एशिया में इन्हें सबसे अधिक लंबाई वाला माना जाता है। सर्वाधिक पुरानी बैरक की लंबाई 500 गज है। प्रसंगवश कहें तो इस समय विश्व में किसी के पास विशुद्ध अरबी घोड़ा नहीं है। अरबी नस्ल से तैयार थोरोब्रेड सर्वश्रेष्ठ घोड़े इस समय सिर्फ ग्रेट ब्रिटेन के शाही परिवार के निजी स्टड में ही हैं।

टैरिफ के पीछे की मंशा और भारत की रणनीति

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

आज के अर्थ प्रधान युग में द्विपक्षीय व्यापारिक गतिविधियों की भूमिका हमेशा ही अहम रही है। आपसी व्यापार करने वाले देशों का आर्थिक तंत्र तो इससे मजबूत होता ही है। सामाजिक-आर्थिक विकास के साथ आमजन के जीवन स्तर में भी आशातीत सुधार होता है। आधारभूत संरचनाओं की दशा परिवर्तित होती है, समृद्धि की गति को सही दिशा मिलने लगती है, लेकिन 'अंतर-देशीय सौदे की कला' की पटकथा लेखन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का भारत के खिलाफ घोषित टैरिफ युद्ध कठघरे में खड़ा होते दिख रहा है।

भारत व ब्राजील के खिलाफ 50 प्रतिशत टैरिफ लगाने का उनका 'मुलतानी दांव' आलोचना की परिधि में आ गया है, क्योंकि अमेरिका के संघीय अपीलीय कोर्ट ने ही ट्रंप के लगाए अधिकांश टैरिफ को अवैध करार दे दिया है। अपीलीय कोर्ट ने 30 अगस्त को 7-4 के बहुमत से सुनाए फैसले में कहा है कि ट्रंप ने अंतर्राष्ट्रीय आपातकालीन आर्थिक शक्ति अधिनियम (आईईईपीए) के तहत मिली शक्तियों का दुरुपयोग किया है। व्यापारिक साझेदारों पर इस प्रकार का मनमाना टैरिफ लगा देना कतई अनुचित है। ऐसे टैरिफ लगाने का अधिकार सिर्फ अमेरिकी कांग्रेस (संसद) को ही है, हालांकि अपीलीय कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन को सुप्रीम कोर्ट में अपील के लिए 14 अक्टूबर तक का समय दिया है।

अमेरिका से विश्व के कई देशों को शिकायतें भी बहुत हैं। कुछ देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने तो सार्वजनिक मंच पर यह तक कह दिया है कि अमेरिका कई मुद्दों पर 'दोमुंहेपन' की बात करता ही रहता है। व्यापार सदैव साझेदारी का सौदा होता है। एकल फैसले के लिए इसमें कोई स्थान होता ही नहीं। तीव्र संचार और व्यवहारवादी दृष्टिकोण ने आज का वैश्विक बाजार को एक-दूसरे के काफी करीब ला दिया है। अपने को विश्व का स्वयंभू/चौधरी मान बैठे अमेरिका को समझ लेना होगा कि बिन प्रजा, राजा का अस्तित्व होता ही नहीं। किसी एक देश के बिना विश्व बाजार प्रभावित नहीं होता। जान लें, अमेरिका की सबसे बड़ी दिक्कत भारत नहीं, वरन रूस और चीन हैं। अमेरिका का तो यह इतिहास ही रहा है कि अपने तात्कालिक लाभ के लिए कुछ भी कर जाओ। मांग मनवाने के लिए किसी भी स्तर तक गिर जाओ की नीति अपनाता ही रहता है। वह पहले पूरा जोर लगाता है और बाद में दूसरे पक्ष (देश) के झुकने की प्रतीक्षा करता है।

भारत ने उसकी संदर्भित रणनीति/कूटनीति को काफी हद तक समझ भी लिया है। सोया, मक्का, गेहूं, दूध, ऑटो पार्ट्स व अन्य सामानों को भारत के बाजार भेजने की अमेरिकी परिकल्पना फिलहाल भारत की मोदी सरकार में फलीभूत होती तो कदाचित नहीं दिखेगी, क्योंकि जैसे अमेरिका अपने हितों को सदैव ऊपर रखता है, वैसे ही विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने को अग्रसर भारत भी अपने हितों के लिए कुछ भी करने की हिम्मत रखता है।

अमेरिका को अब जान ही लेना होगा कि बदलता भारत उसके दबाव में तो कतई नहीं आने वाला। यह अलग बात है कि तुनकमिजाज ट्रंप द्वारा लगाए गए भारी टैरिफ का असर भारत में आंशिक रूप से दिखने लगा है। कपड़ा, चमड़ा, झींगा, हैंडीक्राफ्ट व अन्य उद्योग कमोबेश प्रभावित होते दिख रहे हैं। ट्रंप के टैरिफ वार से निपटने के लिए भारत सरकार ने मुख्य निर्यातक राज्यों अर्थात गुजरात, महाराष्ट्र और तमिलनाडु को श्रम-प्रधान क्षेत्रों में समर्थन देने का फैसला लिया है, जिससे रोजगार पर संभावित असर को रोका जा सके। वित्त वर्ष 2025 में भारत का कुल निर्यात 437 अरब डालर रहा, जिसमें तीन-चौथाई हिस्सेदारी गुजरात, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, कर्नाटक व उत्तर प्रदेश की रही।

यूएसए, चीन, यूएई, सऊदी अरब, रूस, इंडोनेशिया, इराक, सिंगापुर, हांगकांग व दक्षिण कोरिया भारत के प्रमुख व्यापारिक साझेदार हैं। वर्ष 2024-25 (वित्त वर्ष) में भारत व अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार करीब 131.84 बिलियन डालर था, जिसमें भारत का अमेरिका को निर्यात 86.51 बिलियन डॉलर व आयात 45.33 बिलियन डालर था। यूएसए भारत के लिए कच्चे तेल, मशीनरी व रसायनों का एक आयातक है। भारत से यूएसए को किए जाने वाले शीर्ष निर्यातों में आभूषण, वस्त्र, रत्न और फार्मास्यूटिकल्स प्रमुख हैं। रूस से कच्चा तेल खरीदने के भारत के निर्णय से तिलमिलाए ट्रंप को यह भी जानना चाहिए कि यूरोप के अधिकांश देश रूस से प्राकृतिक गैस इत्यादि धड़ल्ले से आयात करते हैं।

रूस से व्यापार करने वाले यूरोपीय देशों पर टैरिफ लगाने से ट्रंप गुरेज क्यों कर रहे हैं? भारत व रूस के बीच द्विपक्षीय व्यापार वित्त वर्ष 2024-25 में 68.7 बिलियन अमेरिकी डालर के उच्च स्तर पर पहुंच गया है। कुल मिलाकर वैश्विक स्तर पर भारत पेट्रोलियम उत्पादों के दूसरे सबसे बड़े निर्यातक के रूप में अपनी स्थिति मजबूत कर चुका है। विश्व बाजार में भारत की हिस्सेदारी करीब 13 प्रतिशत तक जा पहुंची है। टैरिफ से तात्कालिक प्रभावित सेक्टर्स को राहत के लिए केंद्र सरकार करीब 2250 करोड़ रुपये का पैकेज दे रही है। इससे क्षेत्र आधारित निर्यात संवर्द्धन अभियान को गति मिलेगी। इसके अलावा वैकल्पिक विदेशी बाजारों की तलाश व घरेलू मांग को बढ़ावा देने के लिए भी सरकार द्वारा युद्धस्तरीय प्रयास किए जा रहे हैं।

जिस तरह अमेरिका अपने हितों को सदैव ऊपर रखता है, वैसे ही विश्व की प्रमुख आर्थिक शक्ति बनने को अग्रसर भारत भी अपने हितों के लिए कुछ भी करने की हिम्मत रखता है।

आमने

महादेवपुरा में 'वोट चोरी' के रूप में एटम बम के बाद, हम जल्द ही हाइड्रोजन बम लाएंगे। हाल ही में हमने देश के सामने वोट चोरी का सबूत पेश किया। वोट चोरी का मतलब लोगों के अधिकारों, लोकतंत्र और भविष्य की चोरी है।

–**राहुल गांधी**
नेता प्रतिपक्ष

सामने

कर्नाटक की गणना को लेकर राहुल का दावा एटम बम था, वो तो दीवाली का पटाखा भी साबित नहीं हुआ। राहुल को सुनता हूं तो मुझे ये समझने में समय लगता है कि वह क्या कहना चाह रहे हैं?

–**रवि शंकर प्रसाद**
सांसद, भारतीय जनता पार्टी

भारत और जापान के संबंध नए क्षितिज पर

अरविंद जयतिलक
लेखक

अमेरिका के साथ टैरिफ और ट्रेड डील के बीच बेहद असहज माहौल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जापान यात्रा ने दोनों देशों के सभ्यतागत संबंधों को मिठास से भर दिया है। रंग बिखेरती दोस्ती से लबरेज भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापानी प्रधानमंत्री इशिबा के नेतृत्व में दोनों देशों ने कई अहम समझौते पर दस्तखत किए हैं। क्लीन हाइड्रोजन और अमोनिया पर अनुसंधान करने की हामी के साथ वेस्ट वाटर मैनेजमेंट, पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण, जलवायु परिवर्तन समेत कई दूसरे मामलों में दोनों देशों ने प्रतिबद्धता जताई है।

दोनों देशों के बीच चंद्रयान-5 मिशन को लेकर भी एक रोडमैप तैयार हुआ है, जिसके तहत दोनों देशों की अंतरिक्ष एजेंसियां मसलन भारतीय अंतरिक्ष एजेंसी इसरो और जापान की अंतरिक्ष एजेंसी जाक्सा मिलकर दक्षिणी ध्रुव का अध्ययन करेंगी। यह समझौता दोनों देशों के लिए अंतरिक्ष में प्रगति का एक बड़ा कदम होगा। अमेरिका द्वारा भारत पर 50 फीसद टैरिफ थोपने के बीच जापान द्वारा भारत को अगले दस सालों में 10 ट्रिलियन येन अर्थात छह लाख करोड़ रुपये का भारी-भरकम निवेश भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए वरदान साबित होगा। दोनों देशों के बीच अगले दशक में छोटे और मध्यम इंटरप्राइजेज के अलावा स्टार्टअप को जोड़ने पर भी सहमति बनी है।

दोनों देशों के बीच तकरीबन पांच लाख लोगों का आदान-प्रदान होगा, जो एक-दूसरे की प्रगति का हिस्सेदार बनेंगे। इसके तहत 50 हजार स्किल्ड और सेमी स्किल्ड लोग जापान जाएंगे और वहां की आर्थिक व सांस्कृतिक प्रगति का संवाहक बनेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने जापान-इकोनॉमिक फोरम के मंच से विश्व को संदेश दिया कि भारत निवेश के लिए सबसे सुरक्षित जगह है, जहां पूंजी बढ़ती ही नहीं बल्कि कई गुना अधिक हो जाती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि 80 फीसद कंपनियां भारत में विस्तार करना चाहती हैं और 75 फीसद पहले से ही मुनाफे में हैं। प्रधानमंत्री का कथन स्पष्ट है कि जो भारत में निवेश करेगा, वह फायदे में रहेगा। प्रधानमंत्री मोदी की जापान यात्रा से दोनों देशों की आर्थिक प्रगति का एक और नया द्वारा खुलेगा, जिससे दोनों देश लाभान्वित होंगे।

दृष्टि दौड़ाएं तो पिछले दो वर्षों में जापानी कंपनियों ने भारत के साथ लगभग दो सैकड़ा एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत सुजुकी मोटर गुजरात में अपना विस्तार करने के लिए तकरीबन चालीस हजार करोड़ रुपये निवेश कर रही है। इसी तरह निप्पन स्टील भी गुजरात और आंध्रप्रदेश में सात हजार करोड़ रुपये निवेश कर रही है। टोयोटा किर्लोस्कर कर्नाटक और महाराष्ट्र में लगभग 23 हजार करोड़ रुपये खर्च कर रही है। कई रियल एस्टेट और स्टील कंपनियां भारतीय शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में हजारों करोड़ रुपये निवेश करने जा रही हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था का गतिमान होना तय है। गांवों का कायाकल्प होगा और रोजगार बढ़ेंगे।

गौर करें तो भारत और जापान के बीच द्विपक्षीय आर्थिक कारोबार में लगातार वृद्धि हो रही है। वित्त वर्ष 2024 के दौरान भारत के साथ जापान का द्विपक्षीय व्यापार कुल 22.85 बिलियन अमेरिकी डॉलर रहा। जापान से भारत को निर्यात 17.69 बिलियन अमेरिकी डॉलर और आयात 5.15 बिलियन अमेरिकी डॉलर का हुआ। अर्थात भारत को जापान का निर्यात भारत के कुल आयात का 2.62 फीसद और जापान को भारत का निर्यात भारत के कुल निर्यात का 1.18 फीसद था। जापान भारत का सिर्फ आर्थिक व कारोबार तक सीमित साझीदार वाला मित्र नहीं है, बल्कि वह भारत का रणनीतिक-सामरिक साझीदार मित्र भी है।

याद होगा गत वर्ष पहले डोकलाम विवाद पर जापान ने खुले तौर पर भारत का पक्ष लेते हुए कहा था कि चीन डोकलाम की वास्तविक स्थिति को एकतरफा बदलने की कोशिश कर रहा है, जो कि गलत है। ध्यान दें तो कुछ वर्षों के दरम्यान भारत एवं जापान के बीच रक्षा-सुरक्षा रणनीतिक समझौता बेहद मजबूत हुआ है। जापान भारत के साथ एटमी करार को आकार दे चुका है। भारत ऐसा पहला देश है जिसने एनपीटी (परमाणु हथियार अप्रसार संधि) पर हस्ताक्षर नहीं किया है, इसके बावजूद भी जापान ने उसके साथ समझौता किया है।

इससे पूर्व भारत द्वारा कालेधन के विरुद्ध छेड़े गए वैश्विक अभियान में सहयोग करते हुए जापान द्वारा दोहरा कराधान बचाव संधि (डीटीएए) में संशोधन का भी समर्थन किया जा चुका है। इसके अलावा दोनों देशों के बीच साझा विजन डॉक्यूमेंट-2025 के अंतर्गत कई अहम समझौते हुए हैं। जापान द्वारा भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर डवलपमेंट के लिए सवा तीन अरब के स्पेशल फंड बनाने का भी वादा किया जा चुका है।

जापान ने गत वर्ष पहले भारत को बुलेट ट्रेन परियोजना के लिए 88 हजार करोड़ रुपये के ऋण को महज 0.1 प्रतिशत ब्याज दर पर देने का एलान किया। दोनों देशों के बीच आपदा प्रबंधन, कौशल विकास, जापानी भाषा की शिक्षा, उत्तर-पूर्वी हिस्से की परियोजनाओं का संवर्द्धन आदि पर भी समझौते हो चुके हैं।

जापान गुजरात के मंडल बेचराज-खोरज क्षेत्र में बुनियादी विकास कार्यक्रम में सहयोग, एक-दूसरे के शहरों को वायुमार्ग से जोड़ने, शोध क्षमता और शोध निष्कर्षों की प्रभावशीलता बढ़ाने पर भी काम किया जा रहा है। यहां गौर करने वाली बात यह भी है कि दोनों देशों की दोस्ती अर्थव्यवस्था, निवेश व विकास को गति देने तक ही सीमित नहीं है, बल्कि मौजूदा वैश्विक परिदृश्य में यह दोस्ती कुटनीतिक व भू-रणनीतिक संदर्भों को भी समेटे हुए है।

जापान, भारत का सिर्फ आर्थिक व कारोबार तक सीमित साझीदार ही नहीं है, बल्कि वह भारत का रणनीतिक-सामरिक मित्र भी है।

सोशल फोरम

ट्रेन पकड़ने की जद्दोजहद ने बना दिया ओलंपियन

मनीष कुमार सोलंकी
ब्लॉगर

पंद्रह साल की एलिजाबेथ को हर रोज स्कूल से घर जाने वाली ट्रेन पकड़नी होती थी। ट्रेन बहुत कम समय के लिए स्टेशन पर थमती थी। उसे पकड़ने के लिए बिजली की गति से भागती आती एलिजाबेथ को देखना उसके बायोलॉजी अध्यापक चार्ल्स प्राइस को आकर्षित करता था, जो खुद भी हर रोज उसी ट्रेन से चलते थे। प्राइस एक जमाने में एथलीट रह चुके थे। एक दिन उन्होंने अपनी स्टॉपवॉच पर एलिजाबेथ के भागने की रफ्तार नापी तो वह दंग रह गए।

उनके कहने पर एलिजाबेथ ने बाकायदा दौड़ना शुरू किया और उसकी प्रतिभा का ऐसा डंका बजना शुरू हुआ कि कुछ ही माह बाद वह एक इनडोर प्रतियोगिता में 100 मीटर रेस की अमेरिकी चैंपियन हेलेन फिल्की के साथ दौड़ रही थी। इस बार वह दूसरे नंबर पर रही, लेकिन तीन महीने बाद उसने न सिर्फ फिल्की को परास्त किया, नया वर्ल्ड रेकॉर्ड भी बना डाला। उसका तीसरा बड़ा कंपटीशन उसी बरस एम्सटर्डम ओलंपिक की सूरत में था, जब 100 मीटर की रेस के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाली वह इकलौती अमेरिकी बनी। एलिजाबेथ ने रेस जीती और कुल सोलह साल की आयु में पहली 100 मीटर ओलंपिक चैंपियन बनीं। सबसे कम उम्र में यह कारनामा करने का उसका यह कीर्तिमान आज तक कोई नहीं तोड़ सका।

अमेरिका वापसी में उसका ऐतिहासिक स्वागत हुआ और सुनहरे बॉबकट बालों वाली दुबली सी एलिजाबेथ रॉबिन्सन अमेरिका की चहेती एथलीट बन गईं। एक प्लेन क्रैश में उसकी टांग, कूल्हे और बांह की हड्डियों का कचूमर बन गया, लेकिन वह बच गई। अस्पताल से छुट्टी देते हुए एलिजाबेथ को डॉक्टरों ने कहा, फिर से दौड़ने के लिए उसे नया जन्म लेना होगा। धीरे-धीरे एलिजाबेथ ने बैसाखियों के सहारे चलना शुरू किया। कुछ माह बाद बैसाखियां छोड़ चलना शुरू किया। फिर हल्की रफ्तार में दौड़ना। चार साल बाद वह बाकायदा दौड़ रही थी।

बर्लिन में 8 अगस्त 1936 को हुई इस रेस के फाइनल में अमेरिका का मुकाबला मेजबान जर्मनी के साथ था। दूसरे राउंड तक जर्मनी की लड़कियां आगे चल रही थीं। तीसरे राउंड में एलिजाबेथ ने जर्मन प्रतिद्वंद्वी को पीछे छोड़ कर लीड हासिल कर ली। अमेरिकी टीम ने गोल्ड जीता। एलिजाबेथ उर्फ बैटी रॉबिंसन का यह दूसरा ओलंपिक गोल्ड मैडल खेल इतिहास की सबसे बेशकीमती उपलब्धियों में गिना जाता है। **–फेसबुक वाल से**

सामयिकी

राजनेताओं और नौकरशाहों का अशोभनीय आचरण

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ पत्रकार

मध्य प्रदेश में नौकरशाहों और राजनेताओं के बीच निरंतर टकराव सामने आ रहा है। चंबल के अंचल में आने वाले जिले भिंड में भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह और कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव आपस में ऐसे भिड़े कि परस्पर मारपीट की नौबत आ गई। कलेक्टर ने विधायक की ओर अंगुली उठाई तो विधायक ने मुक्का तान दिया। यह नजारा कलेक्टर बंगले के बाहर द्वार पर देखने में आया। बाद में यहीं धरना शुरू हो गया। दरअसल इस झगड़े में मुद्दा तो खाद संकट बना, लेकिन कलेक्टर और विधायक के बीच जो तू-तू मैं-मैं दिखी, उसमें दोनों का ही कदाचरण सामने आया। निर्वाचित जनप्रतिनिधि और जिले के प्रशासनिक मुखिया के बीच इस तरह का दुराचरण समाज में बढ़ती अनैतिकता का प्रतीक हैं। लोकतंत्र में ऐसा व्यवहार न तो होना चाहिए और न ही इसे स्वीकार किया जाना चाहिए। यह तब और निंदनीय है, जब एक-दूसरे पर लगाए आरोपों से साफ हुआ कि असली जड़ अनैतिक महत्वाकांक्षा में निहित है।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि बीते दो दशकों के भीतर शासन-प्रशासन के स्तर पर कार्यशैली की गुणवत्ता में बहुत गिरावट आई है और हर क्षेत्र में प्रशासनिक निरंकुशता बढ़ी है। शासन यानी सरकार का काम जन-हितैषी व चतुर्मुखी विकास संबंधी ठोस नीतियां बनाना है। स्वीकृत परियोजना के अनुरूप क्रियान्वयन का दायित्व प्रशासनिक अधिकारियों का होता है, जिनमें कलेक्टर जिला प्रमुख होने के साथ अधिकतम अधिकारों से संपन्न भी होता है, इसलिए 95 प्रतिशत कार्यों का संबंध ऐसे उचित क्रियान्वयन से है, जो पूरी तरह नागरिक सेवा के अधिकारियों के हाथ में होता है। सच्चाई तो यह भी है कि विधायिका के बजाय अधिकांश नई नीतियों और नए कानूनों के निर्माण में भी अहम भूमिका इन्हीं अधिकारियों की रहती है, इसलिए ज्यादातर कानून इस तरह से परिभाषित किए जाते हैं कि उनमें अंतिम निर्णय का अधिकार अंततः अधिकारी के ही हाथ में रहे। पंचायती राज, सूचना का अधिकार कानून और उपभोक्ता अदालतों से जनता का मोहभंग हो जाना यही प्रमुख वजह है।

जब शिक्षा-तंत्र पर निगरानी की पहल का दायित्व पंचायतों को सौंपने की बात उठी थी, तब शिक्षकों ने बौद्धिक दंभ दिखाते हुए कहा था कि एक निरक्षर सरपंच उन पर निगरानी कैसे कर सकता है? इस परिप्रेक्ष्य में गौरतलब है कि शिक्षक रोजाना विद्यालय आता है अथवा नहीं? आता भी है तो वह मटरगश्ती करता है या कुछ पढ़ाता भी है? इसकी तस्दीक करने का संबंध निगरानीकर्ता के पढ़े-लिखे होने से कतई नहीं है। आज सरकारी विद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण पढ़ाई से बड़ा सवाल शिक्षक का विद्यालय में उपस्थित नहीं होना है। अब भला शिक्षक की उपस्थिति की तस्दीक करने में निरक्षरता कहां बाधा बनती है? यहां यह भी गौरतलब है कि एक अनपढ़ व्यक्ति का व्यावहारिक ज्ञान, पढ़े-लिखे से भी कहीं ज्यादा हो सकता है।

कलेक्टर हो या कोई अन्य लोकसेवक उसकी गुणवत्ता का मापदंड, उसकी दक्षता, ईमानदारी, कार्यक्षमता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता से होती है। नीतियों व कार्यों पर यदि ठीक से अमल नहीं होता है तो गुणवत्ता ध्वस्त हो जाती है। प्रत्येक राज्य सरकार अनेक श्रेष्ठ नीतियां गरीब, वंचित और किसानों के हित में बनाती हैं, लेकिन प्रशासनिक अकुशलता और भ्रष्टाचार के चलते परिणाम के स्तर पर अमल दोषपूर्ण रहता है। प्रजातंत्र में न्याय को संरक्षित करने का दारोमदार लोकसेवकों पर है। बहरहाल, दोनों का यह आचरण नागरिक सेवा के विपरीत है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा** * 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

दिवंगत आत्माओं से आशीर्वाद लेने का पर्व

पूर्वजों के धरती पर आने की मान्यता

श्राद्ध से जीवित रहती श्रद्धा
पितरों को प्रकट करें कृतज्ञता

श्राद्ध तर्पण अति पवित्र शुभ प्राचीन परंपरा है। इसमें देह त्याग के बाद भी जीवात्मा के विकास एवं परस्पर भावपूर्ण आदान-प्रदान की व्यवस्था है। वर्ष में पितृ पक्ष के 15 दिन इसी के कार्य के लिए नियत किए गए हैं। श्राद्ध शब्द का अर्थ श्रद्धापूर्ण व्यवहार से है, जबकि तर्पण का अर्थ तृप्त करना है। इस तरह श्राद्ध तर्पण का मतलब दिवंगत पितरों को तृप्त करने की श्रद्धा या समर्पण है। सबसे पहले पितृ पक्ष यानि श्राद्ध का उल्लेख महाभारत काल में मिलता है, जहां भीष्म पितामह ने युधिष्ठिर को श्राद्ध के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि महर्षि निमी को श्राद्ध का उपदेश देने वाले प्रथम व्यक्ति महा तपस्वी अत्री थे। उस उपदेश को सुनने के बाद महर्षि निमि ने श्राद्ध करना शुरू किया। उन्हें देखकर अन्य ऋषियों ने भी श्राद्ध शुरू कर दिया। लगातार श्राद्ध का भोजन प्राप्त करने से उनके सभी पूर्वज संतुष्ट रहने लगे।

श्राद्ध कब से कब तक

पूर्णिमा	7 सितम्बर, रविवार
प्रतिपदा	8 सितम्बर, सोमवार
द्वितीया	9 सितम्बर, मंगलवार
तृतीया	10 सितम्बर, बुधवार
चतुर्थी	10 सितम्बर, बुधवार
पंचमी	11 सितम्बर, गुरुवार
षष्ठी	12 सितम्बर, शुक्रवार
सप्तमी	13 सितम्बर, शनिवार
अष्टमी	14 सितम्बर, रविवार
नवमी	15 सितम्बर, सोमवार
दशमी	16 सितम्बर, मंगलवार
एकादशी	17 सितंबर, बुधवार
द्वादशी	18 सितम्बर, गुरुवार
त्रयोदशी	19 सितम्बर, शुक्रवार
चतुर्दशी	20 सितम्बर, शनिवार
सर्वपितृ अमावस्या	21 सितम्बर, रविवार

भोजन पहले अग्निदेव फिर पूर्वजों को अर्पित करें

- ऋग्वेद के अनुसार, अग्नि मृतकों को पितृलोक तक पहुंचाने में सहायक होती है। श्राद्ध के दौरान अग्नि से प्रार्थना की जाती है कि वह वंशजों के दान और भोजन को पितृगणों तक पहुंचाकर मृतात्मा को भटकने से रक्षा करें। ऐतरेय ब्राह्मण में अग्नि का उल्लेख उस रज्जु के रूप में है जिसकी सहायता से मनुष्य स्वर्ग तक पहुंचता है। वहीं, पुराणों के अनुसार, पितृ पक्ष या श्राद्ध से मिल रहे भोजन से जब देवताओं और पूर्वजों को अपच हो गई, तो वह ब्रह्माजी के पास गए।
- ब्रह्माजी ने कहा कि अग्निदेव ही उनका कल्याण करेंगे क्योंकि अग्नि तत्व भोजन के पचाने के लिए बेहद जरूरी है। जब वो अग्निदेव के पास गए, तो अग्निदेव ने देवताओं और पूर्वजों से कहा कि अब से हम सभी श्राद्ध में एक साथ भोजन करेंगे। मेरे साथ रहने से तुम्हारा अपच दूर हो जाएगा, तब से श्राद्ध का भोजन पहले अग्निदेव फिर पूर्वजों को दिया जाता है। श्राद्ध में अग्निदेव को देखकर दैत्य और राक्षस भी भोजन दूषित नहीं कर पाते, और कभी हो भी जाये, तो अग्नि सब कुछ शुद्ध कर देती है।

इस दिन जरूर कराएं ब्राह्मण भोज

- धार्मिक शास्त्रों में श्राद्ध पूजा का सबसे अच्छा समय दोपहर को है। दोपहर के समय योग्य ब्राह्मणों की सहायता से मंत्रोच्चारण कर श्राद्ध पूजा करें। पूजा के बाद जल से तर्पण करें और भोजन में गाय, कुत्ते, कौवे आदि का भाग अलग करके पहले उन्हें खिलाएं। अगर संभव हो तो गंगा नदी के किनारे जाकर श्राद्ध कर्म करें। यह सर्वाधिक फलदायी होता है। ऐसा न कर पाएं तो घर पर भी विधिपूर्वक श्राद्ध कर सकते हैं। जिस दिन श्राद्ध करें, उस दिन ब्राह्मण भोज जरूर कराएं और उन्हें दान-दक्षिणा दें।

शाहजहां ने पत्र लिखकर औरंगजेब को धिक्कारा था

- श्राद्ध तर्पण की परंपरा को याद करके मुगल बादशाह शाहजहां अपने अंतिम यातना भरे दिनों में रोया था। क्रूर पुत्र औरंगजेब ने उसे जेल में बंद कर रखा था। शाहजहां ने मार्मिक पत्र लिखा था कि 'बेटा, तू कितना निर्दयी और विचित्र मुसलमान है, जो अपने जीवित पिता को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा रहा है, जबकि हिंदुओं की तरफ देख, जो अपने मृत पिता को भी पानी देते हैं। इस पत्र का उल्लेख आकिल खां की किताब वाके आलमगीरी में मिलता है।

पूर्वज की मृत्यु तिथि याद नहीं तो अमावस्या पर सर्वपितृ श्राद्ध

- ऐसी मान्यता है कि मृत्यु के बाद जीवात्मा चंद्रलोक से आगे पितृ लोक में पहुंचती है। मृतात्मा को अपने नियत स्थान तक पहुंचने की शक्ति प्रदान करने के लिए मरणोपरांत पिंडदान और श्राद्ध की व्यवस्था की गई है। श्राद्ध कर्म मृत्यु तिथि के आधार पर किया जाता है। जिस दिन व्यक्ति की मृत्यु हुई थी, पितृ पक्ष के उसी दिन उसका श्राद्ध किया जाता है। अगर किसी को अपने पूर्वज की मृत्यु तिथि याद नहीं है, तो वे अमावस्या के दिन सर्वपितृ श्राद्ध कर सकते हैं। यह तिथि उन सभी पितरों के लिए होती है जिनकी मृत्यु तिथि मालूम न हो।

लेखक
आचार्य पवन तिवारी
संस्थापक अध्यक्ष, ज्योतिष सेवा संस्थान

बोध कथा

महिमा राधा नाम की

एक कुष्ठ रोगी अपने कुष्ठ रोग के कारण अत्यधिक परेशान रहता था। किसी ने उसे ब्रज भूमि जाने की सलाह दी, इस पर वह वृंदावन आ गया। यहां वह सड़क के किनारे बैठा रहता था, और हर आने जाने वाले व्यक्ति से अपना कुष्ठ रोग ठीक होने का उपचार पूछता रहता था। उसकी हालत देखने के बाद कोई कुछ दवाई बता कर चला जाता तो कोई कुछ उपचार बता देता। लेकिन धीरे-धीरे समय बीतता जा रहा था, और किसी के भी उपाय या उपचार से न तो उसका कुष्ठ रोग कम हुआ, न ही उसकी पीड़ा कम हुई। कुछ दिनों के पश्चात एक सरल हृदय बाबा उस मार्ग से गुजरे। कुष्ठ रोगी ने उनसे भी अपने इलाज की गुहार लगाई। बाबा उसकी दशा देखकर द्रवित हो गए। हाल-चाल पूछा और कहा कि तुम सारा दिन यहां बैठे-बैठे आने-जाने वाले लोगों से उपचार पूछते रहते हो। वृंदावन में आकर भी राधा रानी का नाम नहीं लेते हो। कल से अपने मुख से हर समय 'श्री राधे-श्री राधे' का उच्चारण किया करो। वही तुम्हारा कल्याण करेंगी। कुष्ठ रोगी ने बाबा की सलाह मानकर उसी समय से 'श्री राधे-श्री राधे' जपना शुरू कर दिया। अब वह आने-जाने वाले लोगों से भी श्री राधे-श्री राधे कहने लगा। यहां तक कि उसके घावों में जब बहुत पीड़ा होती थी, तब भी वह कराहने के बजाय करुण स्वर में 'श्री राधे-श्री राधे' ही कहता रहता। श्रीकृष्ण ने बृज की गलियों से गुजरते हुए कुष्ठ रोगी की करुण वेदनामयी आवाज में 'श्री राधे-श्री राधे' की पुकार सुनी, तो तुरंत दौड़े-दौड़े उसके पास पहुंचे। कुष्ठ रोगी के पास आकर श्रीकृष्ण को ऐसा प्रतीत हुआ मानो वहां कोई कुष्ठ रोगी न होकर साक्षात राधा रानी बैठी हैं। श्रीकृष्ण ने तुरन्त उस कुष्ठ रोगी को गले से लगा लिया और स्वयं भी भावविह्वल होकर राधे-राधे कहने लगे। तभी पीछे से राधा रानी बोलीं-'प्रभु मैं तो इधर खड़ी हूं उधर नहीं।' किन्तु भगवान को तो कुष्ठ रोगी में ही राधारानी दिख रहीं थीं। उन्होंने उसे ही मजबूती से पकड़े रखा और राधे-राधे कहते रहे। कुछ क्षणों के पश्चात जब श्रीकृष्ण ने आंखें खोली तो देखा कि राधा रानी तो वास्तव में उनके पीछे ही खड़ी थीं, किन्तु इतने ही क्षणों में भगवान की कृपा और स्पर्श मिलने से वह कुष्ठ रोगी पूरी तरह भला-चंगा और पूर्णतः स्वस्थ हो चुका था। यह कथा हमें सीख देती है कि जब पूर्ण श्रद्धा से कोई कार्य करते हैं तो सफलता जरूर मिलती है, भले ही वह किसी भी भगवान का नाम जप ही क्यों न हो। जब हम अपने इष्टदेव को पूरी श्रद्धा और विश्वास के साथ पुकारते हैं, तो वह हमारे दुख और कष्ट दूर करने जरूर आते हैं।

लेखक: राजपुरुष

!! धर्म का मर्म !!

मनुष्य को क्या करना चाहिए और क्या नहीं, इसके लिए शास्त्र ही प्रमाण हैं, क्योंकि वेद और शास्त्र स्मृतियां भगवान की आज्ञा हैं। सृष्टि संचालन के लिए ईश्वर को विधान बनाना पड़ता है, उसी शासन विधान का नाम शास्त्र है। विश्व संचालन की विद्या इन धर्म शास्त्रों में समाहित है।।।धर्मो विश्वास्य जगतः प्रतिष्ठा।। इस प्रकार धर्म और इसके शास्त्र शाश्वत हैं, सनातन हैं। यही सनातन धर्म संपूर्ण जगत का जीवन है। सूर्य में प्रकाश,अग्नि में दाहक शक्ति, चंद्रमा में शैतल्य,अमृत में अमृत्व,पृथ्वी में क्षमा, मानव में मानवता समेत विभिन्न धर्मों के रूप में यही एक सनातन धर्म अवस्थित है। यही सनातन धर्म सार्वभौम विश्व धर्म या आत्मधर्म है, जो आत्म कल्याणकारी होने के साथ साथ सर्वभूत हितमय है। विचारणीय बात यह है कि जीव पशु-पक्षी कीट-पतंगे तथा तिर्यक आदि 84 लाख योनि में भटकता हुआ भगवत्कृपा से मानव शरीर प्राप्त करता है। इस योनि में उसे कर्म करने का सामर्थ्य प्राप्त होता है, पर इस सामर्थ्य का वह कितना प्रयोग करता है, यह उस पर निर्भर है।

मानव जीवन स्वेच्छाचारिता पूर्वक भोग विलास में जीवन बिता दिया और शास्त्र रूपी भगवदाज्ञा के अनुसार जीवन चर्या नहीं चलाई तो पुनः समस्त तिर्यक योनि में दुख रूपी जीवन व्यतीत करना पड़ेगा। मनुष्य आज पशुओं से भी निकृष्ट जीवन यापन कर रहा है। पशुओं को अपने धर्म का आहार आदि का बोध है, पर मनुष्य को नहीं । आप और कुछ बने न बनें, किंतु आप मानव बन गए तो आप धर्म शास्त्र पथ से भ्रष्ट नहीं होंगे। वास्तव में धर्म वह है जिसके परिणाम में अपना और दूसरों का हित होता है। अधर्म वह जिसमें अपना और दूसरों का अहित होता है।

परहित सरिस धर्म नहि भाई। पर पीड़ा सम नहि अधमाई।।

सत्य, सदाचार और परहित धर्म का मूल है। माता-पिता, पुत्र और पत्नी के धर्म अलग अलग है, पर सभी एक दूसरे का हित और परस्पर सुख पहुंचाने वाले ही होंगे।

।।निःस्वार्थता ही धर्म की कसौटी है।।

जो जितना निस्वार्थी है वो उतना ही आध्यात्मिक और धार्मिक है। आज संसार में अनैतिक आचार व्यवहार स्वार्थ की पराकाष्ठा है। धार्मिक संस्कार लुप्तप्राय हो रहे है। जिसमें सर्वत्र ही काम क्रोध लोभ मोह मद गर्व अभिमान, द्वेष, ईर्ष्या, हिंसा परोत्कर्ष पीड़ा दलबंदिया अधर्म युद्ध आदि सभी अधर्म के विभिन्न स्वरूपों का तांडव नृत्य हो रहा है। तो पता नहीं पतन कितना गहरा होगा। अतः मनुष्य धर्म शास्त्रों का आलंबन लेकर पाप पुण्य नीति अनीति की पहचान की सामर्थ्य प्राप्त कर सके तथा देव पितृ गुरु आदि के प्रति अपना कर्तव्य समझ सके यही धर्म का वास्तविक मर्म है।

लेखक
चन्द्रेश जी महाराज
(चंद्रदास)

सप्ताह के व्रत और पर्व

- 3 सितंबर : बुधवार – पार्श्व एकादशी
- 4 सितंबर : गुरुवार – वामन जयंती, शुक्र प्रदोष व्रत

- 5 सितम्बर, शुक्रवार – गणेश विसर्जन, अनंत चतुर्दशी पर्व
- 7 सितंबर, रविवार- प्रतिपदा श्राद्ध

- 6 सितम्बर, शनिवार – भाद्रपद पूर्णिमा व्रत, चंद्र ग्रहण
- 7 सितम्बर 2025 – रविवार – पितृ पक्ष आरंभ, प्रातिपदा श्राद्ध

अनंत सूत्र की 14 गांठें, 14 लोकों की प्रतीक

- अनंत चतुर्दशी पर्व भगवान विष्णु की पूजा-अर्चना के लिए समर्पित है। इस दिन उनके अनंत रूपों की पूजा की जाती है। पूजा में चौदह गांठों वाला खास धागा, जिसे अनंत सूत्र कहते हैं, प्रयोग किया जाता है। ये धागा भगवान विष्णु के चौदह लोकों भूर्लोक, भुवर्लोक, स्वर्लोक, महर्लोक, जनलोक, तपोलोक, ब्रह्मलोक, अतल, वितल, सुतल, रसातल, तलातल, महातल और पाताल लोक का प्रतीक है। अनंत सूत्र को पुरुष दाएं और महिलाएं बाएं हाथ पर बांधती हैं। मान्यता है कि इस रक्षा सूत्र को बांधने से सभी प्रकार के पाप नष्ट हो जाते हैं और आरोग्य की प्राप्ति होती है।

जनकपुर के बिना अधूरी है अयोध्या

अयोध्या जितना ही धार्मिक महत्व नेपाल के जनकपुर धाम का भी है। पूर्वी नेपाल में बिहार बार्डर के समीप स्थित जनकपुर माता सीता का मायका है। इसे बिहार का मिथिलांचल भी कहते हैं। मिथिलांचल के लोग स्वयं को भगवान राम के ससुराल से जुड़ा महसूस करते हैं। यहां के लोगों का मानना है कि बिना जनकपुर के अयोध्या अधूरी है। जनकपुर धाम में हर रोज भजन-कीर्तन होने से पूरा इलाका भक्तिमय बना रहता है। पूरे कस्बे में हर घर पर राम पताका फहराती है। सड़क के किनारे हर हिंदू के घर का मुख्य हिस्सा भगवा रंग में रंगा है।

जनकपुर भगवान राम का ससुराल है। भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा के दिन मिथिला संस्कृति के अनुसार जनकपुर से माता सीता के ससुराल अयोध्या दो ट्रकों में भरकर सौगात भेजी गई थी। मान्यता है कि जब बेटी अपने ससुराल के नए घर में प्रवेश करती है, तो उसके मायके से कुछ सगुन भेजे जाते हैं।

राजा जनक के नाम पर हुआ नामकरण

अंग्रेजों के शासन के वक्त एक समझौते में नेपाल को मेची नदी के पूर्व और महाकाली नदी के पश्चिम के बीच का तराई क्षेत्र दिया गया था। इस तरह मिथिला का एक बड़ा भूभाग नेपाल में शामिल कर दिया गया, जनकपुर भी इसी क्षेत्र का हिस्सा था। राजा जनक के नाम पर इस शहर का नाम जनकपुर रखा गया था। राजा जनक की पुत्री सीता जिन्हें जानकी भी कहते हैं, उनके नाम पर इस मंदिर का नामकरण हुआ था। मंदिर में मां सीता की मूर्ति सन 1657 के आसपास की बताई जाती है।

कभी भारत का हिस्सा था जनकपुर

- जनकपुर धाम प्राचीन काल में विदेह राज्य की राजधानी थी। जनकपुर मंदिर साल 1911 में बनकर तैयार हुआ था। 4860 वर्ग फीट में फैले इस मंदिर का निर्माण टीकमगढ़ की महारानी कुमारी वृषभानु ने करवाया था। उनके कोई संतान नहीं था। यहां पूजा के दौरान उन्होंने मन्नत मांगी थी कि अगर उन्हें संतान होती है, तो यहां मंदिर बनवाएंगी। संतान की प्राप्ति के बाद महारानी वहां लौटीं और साल 1895 में मंदिर का निर्माण शुरू हुआ जो 16 साल में पूरा हुआ। उस समय मंदिर के निर्माण पर नौ लाख रुपये खर्च हुए थे, इसलिए इस मंदिर को नौलखा मंदिर भी कहते हैं। 1967 से इस मंदिर में 12 महीने अखंड कीर्तन चलता रहता है। 24 घंटे सीता-राम नाम का जाप लोग करते हैं।

अयोध्या से जनकपुर तक रामायण सर्किट

- अयोध्या और जनकपुर को जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण सर्किट का शुभारंभ किया है। जनकपुर धाम तक भारत से ट्रेन भी चलाई गई है। इसके लिए भारत से नेपाल का रेल समझौता हुआ है। कोंकण रेलवे कारपोरेशन, महाराष्ट्र ने 84 करोड़ 65 लाख रुपये कीमत की चार बोगी और इंजन समेत दो डीएमयू सवारी गाड़ी नेपाल को उपलब्ध कराई हैं।

लेखक
यशोदा श्रीवास्तव

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	80,364.49	24,625.05
बढ़त	554.84	198.20
प्रतिशत में	0.70	0.81

सोना- 1,05,670 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,26,000 प्रति किलो

अमृत विचार

हल्द्वानी, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन : तुलसी 2570, राज श्री 1820, फॉर्चून कि. 2190, रविन्द्रा 2630, फॉर्चुन 13 किग्रा 1920, जय जवान 1930, सचिन 2020, सूरज 1930, अवसर 1845, उजाला 1890, गृहणी 13 किग्रा 1835, क्लासिक (किग्रा) 2050, मोर 2120, चक्र टिन 2315, ब्लू 2065, आशीर्वाद मस्टर्ड 2470, स्वास्तिक 2510

किराना (प्रतिकु.) : हल्दी निजामाबाद 14500, जीरा 24000, लाल मिर्च 14000-17000, धनिया 9000-11000, अजवायान 13500-20000, मेथी 7000-8000 सौंफ 9000-13000, सोंठ 27000, (प्रतिकि.) लौंग 800-1000, बादाम 780-1080, काजू 2 पीस 880, किसमिस पीली 400-600, मखाना 900-1100

चावल (प्रति कु.) : डबल चाबी सेला 9600, स्पाइस 6500, शरबती कच्ची 4950, शर्बती स्टीम 5100, मंसूरी 4000, महबूब सेला 4050, गौरी रॉयल 7300, राजभोग 6850, हरी पत्ती (1-5 किग्रा) 10100, हरी पत्ति नेचुरल 9100, जेनिथ 8100, गलैक्सी 7400, सूमो 4000, गोल्डन सेला 7900, मंसूरी पनघट 4350, खजाना 4300

दाल दलहन : मूंग दाल इंदौर 9800, मूंग धोवा 10000, राजमा चित्रा 12800-13500, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7550-8900, मलका छोटी 7550, दाल उड़द बिलासपुर 8000-9000, मसूर दाल छोटी 9000-11100, दाल उड़द दिल्ली 10300, उड़द साबुत दिल्ली 10300, उड़द धोवा इंदौर 13000, उड़द धोवा 10000-11000,चना काला 6950, दाल चना 7500, दाल चना मोटी 7850, मलका विदेशी 7300, रूपकिशोर बेसन 8200, चना अकोला 7000, डबरा 7200-9200, सच्चा हीरा 9200, मोटा हीरा 11200, अरहर गोला मोटा 8500, अरहर पटका मोटा 8900, अरहर कोरा मोटा 9400, अरहर पटका छोटा 9800-10300, अरहर कोरी छोटी 10300

चीनी : डालमियां 4420, पीलीभीत 4340, सितारगंज 4300, धामपुर 4420

हल्द्वानी मंडी

चावल : शरबती- 5200, मसूरी- 4200, बासमती- 9000, परमल- 3400

दाल दलहन : काला चना- 7500, साबुत चना दाल- 7200, मूंग साबुत- 9000, राजमा- 12200-14200, दाल उड़द- 9200, साबुत मसूर दाल- 7200, मसूर दाल- 7000, उड़द साबुत- 8100, काबुली चना- 10300, अरहर दाल- 11000, लोबिया/करमानी- 9100

तीन दिन बाद सेंसेक्स 555 अंक उछला

आर्थिक वृद्धि के मजबूत आंकड़ों से घरेलू बाजार उत्साहित, आईटी-वाहन एवं बैंकों के शेयरों में हुई खरीदारी

मुंबई, एजेंसी

आर्थिक वृद्धि के मजबूत आंकड़ों से उत्साहित घरेलू शेयर बाजार लगातार तीन दिनों की गिरावट से उबरते हुए सोमवार को चढ़कर बंद हुए। सेंसेक्स ने 555 अंकों की छलांग लगाई जबकि निफ्टी में 198 अंक की बढ़त रही। विश्लेषकों ने कहा कि अनुकूल निवेशक धारणा के बीच सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), वाहन एवं बैंकों के शेयरों में हुई खरीदारी से बाजार को तेजी मिली।

बीएसई का सेंसेक्स 554.84 अंक की बढ़त के साथ 80,364.49 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सूचकांक 597.19 अंक चढ़ा था। एनएसई का निफ्टी 198.20 अंक की बढ़त के साथ 24,625.05 अंक पर बंद हुआ। इस तरह घरेलू शेयर बाजार पिछले तीन सत्रों की गिरावट से उबरने में सफल रहा। इन तीन सत्रों में सेंसेक्स में 1,826.26 अंक यानी 2.23 प्रतिशत और निफ्टी में 540.9 अंक यानी 2.16 प्रतिशत की गिरावट आई थी। सोमवार को सेंसेक्स में शामिल 23 कंपनियां बढ़त के साथ बंद हुईं। इनमें से महिंद्रा एंड महिंद्रा, टाटा मोटर्स, ट्रेंट, इटर्नल, एशियन पेंट्स और इन्फोसिस प्रमुख रूप से लाभ में रहीं। हालांकि सन फार्मा, आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर और टाइटन के शेयरों में गिरावट दर्ज की गई।

● सेंसेक्स में शामिल 30 में से 23 कंपनियां बढ़त के साथ हुईं बंद

शुक्रवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था उम्मीद से बेहतर 7.8% की दर से बढ़ी जो पांच तिमाहियों में सर्वाधिक है। हालांकि अमेरिका की तरफ से भारतीय उत्पादों पर शुल्क बढ़ाकर 50% कर देने से कपड़ा, चमड़ा एवं रत्न-आभूषण जैसे प्रमुख निर्यातों पर खतरा मंडरा रहा है।

जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि भारत की पहली तिमाही की जीडीपी वृद्धि दर अनुमान से अधिक 7.8 प्रतिशत रही है, जिसने वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच अर्थव्यवस्था के जुझारूपन में निवेशकों के भरोसे को मजबूती दी है। नायर ने कहा कि जीएसटी परिषद की आगामी बैठक में कर प्रणाली को युक्तिसंगत बनाए जाने की उम्मीदें निवेशक धारणा को मजबूत कर रही है और सोच-समझकर खपत करने को बढ़ावा दे रही हैं। यह आशावाद खासकर वाहन एवं टिकाऊ उपभोक्ता वस्तुओं जैसे क्षेत्रों को लाभ पहुंचा रहा है।

मिड और स्मॉलकैप बढ़त के साथ हुए बंद

व्यापक बाजार में मझोली कंपनियों का बीएसई का मिडकैप सूचकांक 1.64 प्रतिशत चढ़कर बंद हुआ जबकि छोटी कंपनियों के स्मालकैप सूचकांक में 1.49 प्रतिशत की तेजी रही। वाहन खंड में सर्वाधिक 2.68 प्रतिशत की बढ़त रही जबकि टिकाऊ उपभोक्ता खंड में 2.07 प्रतिशत, विवेकाधीन उपभोक्ता खंड में दो प्रतिशत और पूंजीगत उत्पाद खंड में 1.93 प्रतिशत की तेजी रही। बीएसई पर सूचीबद्ध कंपनियों में से 2,796 शेयर चढ़कर बंद हुए जबकि 1,391 शेयरों में गिरावट रही और 193 अन्य अपरिवर्तित रहे।

विदेशी बाजार में दिखा मिलाजुला असर

एशिया के अन्य बाजारों में चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंग सेंग सकारात्मक दायरे में बंद हुए जबकि दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और जापान का निक्की गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के बाजार अधिकतर बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.92 प्रतिशत बढ़कर 68.10 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 8,312.66 करोड़ रुपये के शेयरों की शुद्ध बिकवाली की थी जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 11,487.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे थे। शुक्रवार को सेंसेक्स 270.92 अंक गिरकर 79,809.65 अंक और निफ्टी 74.05 अंक की गिरावट के साथ 24,426.85 अंक पर बंद हुआ था।

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (शोध) अजीत मिश्रा ने कहा कि बाजार ने कारोबारी सप्ताह की सकारात्मक शुरुआत की जिसमें जून तिमाही के बेहतर जीडीपी आंकड़ों की अहम भूमिका रही। सत्र के दूसरे हिस्से में चुनिंदा दिग्गज कंपनियों में खरीदारी आने से सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुआ।

घरेलू बिक्री में वृद्धि के कारण जीएसटी संग्रह 6.5% बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

घरेलू बिक्री में वृद्धि के कारण अगस्त में सकल जीएसटी संग्रह 6.5 प्रतिशत बढ़कर 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया। सोमवार को जारी आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली। आगामी त्योहारों के कारण राजस्व में वृद्धि जारी रहने की संभावना है।

सकल वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) संग्रह अगस्त 2024 में 1.75 लाख करोड़ रुपये था। पिछले महीने संग्रह 1.96 लाख करोड़ रुपये था। इस साल अगस्त में सकल घरेलू राजस्व 9.6 प्रतिशत बढ़कर 1.37 लाख करोड़ रुपये हो गया, जबकि आयात कर 1.2 प्रतिशत घटकर 49,354 करोड़ रुपये रहा। जीएसटी रिफंड सालाना आधार पर 20 प्रतिशत घटकर 19,359 करोड़ रुपये रह गया। शुद्ध जीएसटी राजस्व अगस्त 2025 में 1.67 लाख करोड़ रुपये रहा, जो सालाना आधार पर 10.7 प्रतिशत की वृद्धि है। ये आंकड़े केंद्र और राज्यों की जीएसटी परिषद की बैठक से ठीक दो दिन पहले जारी किए गए।

इस बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने और कर स्लैब की संख्या कम करने पर विचार-विमर्श किया जाएगा। ईवाई के कर भागीदार सौरभ अग्रवाल ने कहा कि निर्यात रिफंड में उल्लेखनीय गिरावट से वैश्विक शुल्क के कारण निर्यात क्षेत्र पर पड़ने वाले प्रभाव का पता चलता है। अग्रवाल ने कहा कि प्रतिकूल वैश्विक हालात और भू-राजनीतिक तनावों के बावजूद, मजबूत घरेलू खपत अब तक स्थिर बनी हुई है। डेलॉइट इंडिया के पार्टनर एमएस मणि ने कहा कि संग्रह में वृद्धि साझा किए जीडीपी आंकड़ों के अनुरूप है और नीति निर्माताओं को इससे जीएसटी सुधारों को आगे बढ़ाने का भरोसा मिलेगा।

● 1.86 लाख करोड़ रुपये से अधिक का हुआ राजस्व एकत्र

आयात पर आईजीएसटी में कमी हैरान करने वाली

इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि जुलाई 2025 में वस्तुओं के आयात में तेज वृद्धि (अगस्त 2025 के आंकड़े के अनुसार) को देखते हुए आयात पर आईजीएसटी में कमी हैरान करने वाली है। टैक्स कनेक्ट एडवाइजरी सर्विसेज एलएलपी के भागीदार विवेक जालान ने कहा कि जीएसटी में 10.7% की वृद्धि घरेलू और आयात दोनों में जीएसटी रिफंड में 20% की गिरावट के कारण हुई है।

नियमों की अनदेखी पर कोल इंडिया पर लगा करीब 11 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी

● स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने पर बीएसई-एनएसई ने की कार्रवाई

कोल इंडिया लि. (सीआईएल) ने सोमवार को कहा कि बीएसई और एनएसई ने उस पर 10.72 लाख का जुर्माना लगाया है। यह जुर्माना बोर्ड में अपेक्षित संख्या में स्वतंत्र निदेशकों की नियुक्ति नहीं करने के चलते लगाया गया।

बीएसई और एनएसई, दोनों ने कोयला क्षेत्र की इस कंपनी पर अलग-अलग 5.36-5.36 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सीआईएल ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी को 30 जून, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के प्रावधानों का पालन न करने के संबंध में एनएसई-बीएसई से नोटिस मिला है। इस तरह के गैर-अनुपालन के लिए प्रत्येक ने 5,36,900 रुपये का जुर्माना लगाया है। कोल इंडिया घरेलू कोयला उत्पादन में 80% से अधिक का योगदान देती है। कंपनी ने कहा कि यह गैर-अनुपालन उसकी किसी लापरवाही या चूक से नहीं था और अनुपालन जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रयास भी किए गए थे। निदेशक मंडल के सभी सदस्यों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा की जाती है। इसलिए बोर्ड सदस्यों की नियुक्ति सीआईएल के प्रबंधन के अधिकार क्षेत्र से बाहर है।

कम मुद्रास्फीति, निर्यात बढ़ने से 7.8% की जीडीपी वृद्धि : नोमुरा

मुंबई। जापानी ब्रोकरेज कंपनी नोमुरा ने कहा कि जून तिमाही में 7.8% की उच्च आर्थिक वृद्धि से नीतिगत स्तर पर आत्मसंतुष्टि नहीं होनी चाहिए, क्योंकि यह महंगाई में नरमी और ट्रंप प्रशासन के शुल्क युद्ध के बाद निर्यात बढ़ने से हुई है।

कंपनी ने कहा कि निर्यातकों का समर्थन करने और घरेलू मांग को बढ़ावा देने को नीतिगत कदम जरूरी है। इसके तहत 2025 के अंत तक रेपो दर में आधा प्रतिशत की कटौती करके इसे 5% करना, निर्यात में विविधता लाना, प्रभावित निर्यातकों को राजकोषीय और ऋण सहायता देना और सुधार प्रोत्साहन शामिल हैं। आर्थिक चक्र को लेकर हमारा नजरिया बदला नहीं है, लेकिन 2025-26 की पहली तिमाही की उच्च जीडीपी वृद्धि को देखते हुए, हम सांख्यिकीय रूप से वित्त वर्ष 2025-26 के अपने जीडीपी वृद्धि अनुमान को 6% से संशोधित कर 6.6% कर रहे हैं।

यूपीआई लेनदेन की संख्या 20 अरब के पार

नई दिल्ली, एजेंसी

लोकप्रिय यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) के जरिये लेनदेन की संख्या अगस्त महीने में 20 अरब को पार कर गई। भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने आंकड़े जारी कर यह जानकारी दी।

इस दौरान मूल्य के लिहाज से 24.85 लाख करोड़ रुपये का लेनदेन किया गया। यह आंकड़ा जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपये था। मूल्य के लिहाज से अब तक का सबसे अधिक यूपीआई लेनदेन मई में 25.14 लाख करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। मात्रा के लिहाज से जुलाई में सबसे अधिक 19.47 अरब लेनदेन हुए थे। एनपीसीआई के अनुसार यूपीआई लेनदेन की राशि 21 प्रतिशत बढ़कर 24.85 लाख करोड़ रुपये रही। एक साल पहले इसी महीने में यह आंकड़ा 20.60 लाख करोड़ रुपये था। एनपीसीआई ने बताया कि मात्रा के लिहाज से लेनदेन अगस्त 2024 के 14.9 अरब से 34 प्रतिशत बढ़कर अगस्त 2025 में 20.01 अरब हो गया। इस साल अगस्त के दौरान औसत दैनिक लेनदेन राशि 80,177 करोड़ थी, जबकि इस दौरान औसत दैनिक लेनदेन की संख्या 64.5 करोड़ थी।

● जुलाई में 25.08 लाख करोड़ रुपये का यूपीआई से हुआ लेनदेन

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था मजबूत

स्पाइस मनी के सीईओ दिलीप मोदी ने कहा कि अगस्त 2025 में 20.01 अरब यूपीआई लेनदेन का आंकड़ा पार करना एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। इससे भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था की गहराई और मजबूती का पता चलता है।

राष्ट्रीय

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाए अहम फैसले

20% इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल के खिलाफ याचिका रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को उस जनहित याचिका को रद्द कर दिया, जिसमें 20% इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी-20) की बिक्री को चुनौती दी गई थी। याचिका में आरोप था कि वाहन चालक ऐसे ईंधन का उपयोग करने को मजबूर हैं, जिसे उनके वाहनों के लिए डिजाइन नहीं किया गया है।

प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ अधिवक्ता अक्षय मल्होत्रा द्वारा याचिका में उठाए तर्कों से सहमत नहीं हुई। याचिका में पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय को सभी ईंधन स्टेशनों या पेट्रोल पंप पर इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश देने की मांग की गई थी। केंद्र की ओर से अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने याचिका का विरोध करते हुए दावा किया कि ई20 ईंधन गन्ना किसानों के लिए फायदेमंद है। याचिकाकर्ता मल्होत्रा के तो नाम का इस्तेमाल हो रहा है। इसके पीछे एक लॉबी है। सरकार ने प्रत्येक चीज पर विचार किया है। इसके बाद पीठ ने याचिका खारिज कर दी।

याचिकाकर्ता के अधिवक्ता शादान फरासत ने कहा कि पेट्रोल पंपों पर अब केवल ईबीपी-20 ही उपलब्ध होता प्रतीत हो रहा है, वह भी बिना किसी सूचना के। ईबीपी-20 इसके अनुरूप निर्मित वाहनों के लिए समस्या नहीं है। लेकिन वाहनों का निर्माण इसके अनुरूप नहीं हुआ है। याचिका में अधिकारियों को पेट्रोल पंपों और वितरण इकाइयों पर इथेनॉल की मात्रा का लेबल अनिवार्य रूप से लगाने का निर्देश देने की भी मांग की गई थी, ताकि यह उपभोक्ताओं को दिखाई दे और यह भी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया जाए कि ईंधन वितरण के समय उपभोक्ताओं को अपने वाहनों की इथेनॉल अनुकूलता के बारे में सूचित किया जाए। अधिकारियों को 'गैर-अनुपालन वाले वाहनों में 20% उपयोग की सीमा तक इथेनॉल मिश्रित ईंधन से यांत्रिक क्षरण व दक्षता हानि पर एक राष्ट्रव्यापी प्रभाव अध्ययन' करने का निर्देश दिया गया था।

ट्रांसजेंडर-समावेशी स्कूली पाठ्यपुस्तक संबंधी याचिका पर केंद्र को सुप्रीम नोटिस

सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र, एनसीईआरटी और महाराष्ट्र समेत छह राज्यों से उस जनहित याचिका पर जवाब मांगा, जिसमें स्कूली पाठ्यक्रम में ट्रांसजेंडर-समावेशी व्यापक यौन शिक्षा (सीएसई) को शामिल करने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने याचिकाकर्ता के अधिवक्ता गोपाल शंकरनारायणन की दलीलों पर गौर किया और प्रतिवादियों को नोटिस जारी कर आठ हफ्तों में जवाब मांगा। केंद्र और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के अलावा, याचिकाकर्ता काव्या मुखर्जी साहा ने याचिका में महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक को पक्षकार बनाया।

नए यात्री जेटी के निर्माण के खिलाफ याचिका रद्द

दक्षिण मुंबई में ऐतिहासिक 'गेटवे ऑफ इंडिया' पर नए यात्री जेटी और टर्मिनल का निर्माण जारी रहेगा क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस परियोजना को मंजूरी देने वाले मुंबई हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ याचिका सोमवार को रद्द कर दी। हाईकोर्ट ने 15 जुलाई को गेटवे ऑफ इंडिया के पास महाराष्ट्र मैरीटाइम बोर्ड (एमएमबी) द्वारा प्रस्तावित 229 करोड़ की लागत वाली यात्री जेटी और टर्मिनल सुविधा के निर्माण को चुनौती देने वाली तीन याचिकाओं को खारिज कर दिया था। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ ने हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ लॉरा डी सूजा द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए कहा कि यह मुद्दा सरकार के नीतिगत अधिकार क्षेत्र में आता है।

'सनातन धर्म' टिप्पणी: 2026 में उदयनिधि स्टालिन की याचिका पर होगी सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन की उस याचिका पर 2026 में सुनवाई करेगा, जिसमें उन्होंने 2023 में सनातन धर्म को खत्म करने संबंधी अपने बयान पर दर्ज सभी प्राथमिकियों और शिकायतों को एक साथ संलग्न करने एवं मामलों को एक स्थान पर स्थानांतरित करने का अनुरोध किया था। स्टालिन की याचिका पर न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने सुनवाई की। याचिकाकर्ता (स्टालिन) के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने बताया कि स्टालिन के खिलाफ कई प्राथमिकी और शिकायतें दर्ज हैं। इस न्यायालय ने पहले भी कई मामलों में दो काम किए हैं।

जम्मू में बाढ़ क्षेत्र पहुंचे शाह, पीड़ितों को राहत का दिया आश्वासन

जम्मू। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को बाढ़ प्रभावित जम्मू का दौरा किया और कुछ पीड़ितों से मुलाकात कर उन्हें राहत एवं पुनर्वास मुहैया कराए जाने का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि शाह के साथ उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला एवं जम्मू-कश्मीर विधानसभा में विपक्ष के नेता सुनील शर्मा भी थे और उन्हें जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने स्थिति की जानकारी दी। शाह बाढ़ और राहत कार्यों का आकलन करने के लिए रविवार रात जम्मू पहुंचे थे। राजभवन में आगंतुकों से मिलने के बाद वह स्थिति का प्रत्यक्ष जायजा लेने के लिए जम्मू हवाई अड्डे के पास स्थित एवं बाढ़ से सबसे अधिक प्रभावित गांवों में से एक मांगूचक के लिए रवाना हुए।

वोट चोरी के एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम आने वाला है : राहुल

पटना, एजेंसी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कथित वोट चोरी से जुड़े अपने खुलासे का हवाला देते हुए सोमवार को कहा कि एटम बम के बाद अब हाइड्रोजन बम आने वाला है।

उन्होंने वोटर अधिकार यात्रा के समापन पर यह दावा किया कि वोट चोरी का हाइड्रोजन बम आने के बाद प्रधानमंत्री मोदी जनता को अपना चेहरा नहीं दिखा पाएंगे। राहुल ने कहा कि वोट चोरी का मतलब अधिकार, आरक्षण, रोज़गार, शिक्षा और युवाओं के भविष्य की चोरी है। गांधी ने दावा किया कि वोट चोरी के बाद लोगों के राशन कार्ड और जमीन छीन ली जाएगी। हम इन्हें संविधान की हत्या नहीं करने देंगे। कांग्रेस नेता ने यह दावा फिर किया कि पिछले साल महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव चोरी किया गया था। भाजपा के लोगों, तैयार हो जाओ, हाइड्रोजन बम आ रहा है। आपकी वोट की चोरी पूरे देश को पता लगने जा रही है। इससे पहले राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के नेताओं ने गांधी मैदान से डाक बंगला चौराहे तक मार्च निकाला।

पटना में वोट अधिकार यात्रा को संबोधित करते कांग्रेस नेता राहुल गांधी।

पुलिस ने रोका मार्च

कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राजद नेता तेजस्वी यादव और 'इंडिया' गठबंधन के नेताओं ने सोमवार को मार्च निकाला, जिसे पुलिस ने बीच रास्ते में ही डाक बंगला चौराहे के निकट रोक लिया। गांधी मैदान से शुरू मार्च को आंबेडकर पार्क तक जाना था।

भाजपा नीतीश को वहां फेंकेगी जहां कचरा फेंकते हैं : खरगे

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर भाजपा और आरएसएस की झोली में गिरने तथा विचारधारा से समझौता करने का आरोप लगाया और दावा किया कि भाजपा-आरएसएस उन्हें वहीं फेंक देंगे जहां कचरा फेंका जाता है। उन्होंने दावा किया कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव के बाद डबल इंजन सरकार नहीं होगी और महागठबंधन की सरकार बनेगी जो गरीबों, महिलाओं, दलितों और पिछड़ों की सरकार होगी।

बिहार एसआईआर मामला

दावे, आपत्तियां 1 सितंबर के बाद भी होंगी दाखिल : ईसी

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को कहा कि बिहार विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के दौरान तैयार मतदाता सूची के मसौदे में दावे, आपत्तियां और सुधार एक सितंबर के बाद भी दाखिल हो सकेंगे लेकिन सूची को अंतिम रूप देने के बाद उन पर विचार होगा।

न्यायमूर्ति सूर्यकांत एवं जे. बागची की पीठ ने निर्वाचन आयोग (ईसी) की इस दलील पर गौर किया कि नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि तक दावे और आपत्तियां दाखिल हो सकेंगे। शीर्ष अदालत ने एसआईआर पर भ्रम की स्थिति को विश्वास का मुद्दा करार देते हुए राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह 1 अगस्त की सूची पर मतदाताओं की सहायता के लिए अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों को तैनात करे।

सेना ने हटाया टीएमसी का प्रदर्शन मंच

कोलकाता, एजेंसी

भारतीय सेना ने सोमवार को गांधी प्रतिमा के पास टीएमसी के मंच को हटाना शुरू कर दिया। यह मंच अन्य राज्यों में पश्चिम बंगाल के बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर कथित अत्याचार के खिलाफ प्रदर्शन के लिए बनाया गया था।

रक्षा अधिकारी ने बताया कि भारतीय सेना (स्थानीय सैन्य प्राधिकार, कोलकाता) उच्चतम न्यायालय के निर्देशानुसार मैदान क्षेत्र में दो दिनों की अवधि के लिए कार्यक्रमों की अनुमति देती है। तीन दिन से अधिक के कार्यक्रमों के लिए रक्षा मंत्रालय से अनुमति लेनी होती है। दो दिन की अनुमति दी गई थी। हालांकि, मंच एक महीने से लगा हुआ है। अस्थायी ढांचे को लेकर आयोजकों को कई बार सूचित किया गया, लेकिन इसे नहीं हटाया गया। इसके बाद पुलिस को सूचित किया गया और सेना द्वारा मंच को हटाया जा रहा है। मैदान थाने के अधिकारी के अनुसार सेना ने कहा कि हर सप्ताह के अंत में होने वाले प्रदर्शनों के बाद मंच को हटाना पड़ता है।

टीएमसी का प्रदर्शन मंच हटाते सेना के जवान। एजेंसी

केंद्र ने किया सेना का दुरुपयोग : ममता

प. बंगाल की मुख्यमंत्री एवं टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार पर भाजपा शासित राज्यों में बांग्लाभाषी प्रवासी श्रमिकों पर अत्याचार के विरोध में बनाए मंच को हटाने के लिए सेना के दुरुपयोग का आरोप लगाया। मौके पर पहुंची ममता बनर्जी ने कहा, मैं सेना को दोष नहीं देती, इसके पीछे भाजपा का प्रतिशोध है। यह अनैतिक और अलोकतांत्रिक है। सेना को मंच हटाने से पहले कोलकाता पुलिस से परामर्श करना चाहिए था। वे मुझे बुला सकते थे और मैं कुछ ही मिनटों में मंच हटवा देती।

जरांगे का आंदोलन शांतिपूर्ण नहीं, सड़कें खाली कराएं

मुंबई, एजेंसी

बंबई हाईकोर्ट ने सोमवार को कहा कि मनोज जरांगे के नेतृत्व में मराठा आरक्षण आंदोलन से पूरा शहर ठहर गया है और यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण नहीं है तथा इसमें सभी शर्तों का उल्लंघन किया गया है।

हाईकोर्ट ने मुंबई में सामान्य स्थिति बहाल करने का आग्रह किया और जरांगे तथा उनके समर्थकों को हालात सुधारने तथा मंगलवार दोपहर तक सभी सड़कें खाली करने का अवसर दिया। जरांगे 29 अगस्त से अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। वह मराठा समुदाय को अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) श्रेणी के तहत 10% आरक्षण देने की मांग कर रहे हैं। जरांगे ने सोमवार से पानी पीना भी बंद कर दिया है।

लोगों ने किया यातायात बाधित

मराठा आरक्षण को लेकर मुंबई के आजाद मैदान में चार दिन से अनशन पर बैठे मनोज जरांगे ने सोमवार से पानी पीना बंद कर दिया और डॉक्टरों ने उनके सेहत की जांच की। मराठा समुदाय के सदस्य आरक्षण की मांग को लेकर छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) और दक्षिण मुंबई के अन्य हिस्सों में जमा हो गए, जिससे यातायात बाधित हुआ और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

वर्ल्ड ब्रीफ

पाकिस्तान: हेलिकॉप्टर गिरा, पांच लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर के गिलगित-बाल्टिस्तान में हेलिकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त हो जाने से दो पायलट सहित चालक दल के कम से कम पांच सदस्यों की मौत हो गई। गिलगित-बाल्टिस्तान सरकार के प्रवक्ता फैजुल्लाह फराक ने एक बयान बताया कि हेलिकॉप्टर डायमर जिले के चिलास क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने कहा, हमारा एक हेलीकॉप्टर चिलास के थोर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। उन्होंने बताया कि चालक दल में दो पायलट और तीन तकनीकी कर्मचारी शामिल थे।

मिसाइल कारखाने को देखने पहुंचे किम जोंग

सियोल। उत्तर कोरिया ने सोमवार को कहा कि उसके नेता किम जोंग उन ने सप्ताहांत में एक नए हथियार कारखाने का निरीक्षण किया, जो मिसाइलों के बड़े पैमाने पर उत्पादन की उनकी योजना को तेज करने के लिए महत्वपूर्ण है। उन्होंने यह दौरा चीन में एक बड़ी सैन्य परेड में शामिल होने से पहले किया है। उत्तर कोरिया की आधिकारिक 'कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी' ने यह नहीं बताया कि किम ने रविवार को जिस कारखाने का निरीक्षण किया, वह कहां स्थित है लेकिन ऐसा अनुमान है कि यह जांगांग प्रांत में हो सकता है, जो चीन से सटा हुआ देश का प्रमुख शस्त्र उद्योग केंद्र है।

इजराइल ने हमास से समझौता किया खारिज

तेल अवीव। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने सोमवार को एक बार फिर बंधकों की चरणबद्ध रिहाई से इन्कार कर दिया और कहा कि आंशिक युद्धविराम और बंधक-रिहाई समझौता मेज पर नहीं है। टाइम्स ऑफ इजराइल की रिपोर्ट के अनुसार नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम पर अपने रुख को दोहराया। उनका यह यह बयान युद्ध कैबिनेट के छह घंटे लंबे सत्र के बाद आया। इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा मंत्री ने समझौते के लिए किसी भी आंशिक रूपरेखा को स्वीकार करने के खिलाफ आधिकारिक वोट के लिए दबाव डाला।

हेलिकॉप्टर से संपर्क टूटा, आठ लोग लापता

जकार्ता। इंडोनेशिया के उष्णकटिबंधीय द्वीप बोर्नियो पर एक हेलीकॉप्टर का उड़ान भरने के आठ मिनट बाद संपर्क टूट गया। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि हेलीकॉप्टर में आठ व्यक्ति सवार थे। 'ईस्टइंडो एयर' के स्वामित्व वाला 'एयरबस बीके117 डी-3' हेलीकॉप्टर इंडोनेशिया के दक्षिण कालीमंटन प्रांत के कोटाबारू जिले में एक हवाई अड्डे से सोमवार सुबह 8:46 बजे मध्य पलंगकारया शहर के लिए रवाना हुआ था। हेलीकॉप्टर को सुबह 10:15 बजे पलंगकारया पहुंचना था और हवाई यातायात नियंत्रण से इसका अंतिम संपर्क सुबह 8:54 बजे हुआ था।

शक: रूस ने ईयू अध्यक्ष को ले जा रहे विमान का जीपीएस किया जाम

ब्रसेल्स, एजेंसी

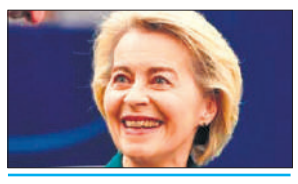

● पुतिन की कट्टर आलोचक हैं उर्सुला वॉन डेर लेयन

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन को ले जा रहे विमान का जीपीएस बुल्गारिया के ऊपर जाम हो गया। संदेह है कि रूसी अभियान में यह जीपीएस जाम हुआ। यूरोपीय आयोग की प्रवक्ता एरियाना पोडेस्टा ने बताया कि विमान प्लोवदिव हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया।

उन्होंने कहा कि वॉन डेर लेयेन रूस और बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों की अपनी यात्रा जारी रखेंगी। पोडेस्टा ने कहा, हम निश्चित रूप से पुष्टि कर सकते हैं कि जीपीएस जाम हो गया था। हमें बुल्गारिया के अधिकारियों से जानकारी मिली। अधिकारियों ने संदेह जताया कि रूस की कार्रवाई के कारण ऐसा हुआ।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन में युद्ध की कटु आलोचक वॉन डेर लेयेन, रूस और उसके सहयोगी बेलारूस की सीमा से लगे यूरोपीय संघ के देशों के चार दिवसीय दौरे पर हैं। पोडेस्टा ने कहा, यह घटना वास्तव में उस मिशन की तात्कालिकता को रेखांकित करती है, जिसे राष्ट्रपति अग्रिम पंक्ति के सदस्य देशों में अंजाम दे रहे हैं।

एशिया में बदलते आर्थिक समीकरणों का नया अध्याय

इससे पहले अमेरिका के एशिया के साथ व्यापारिक संबंध काफी हद तक मुक्त और वैश्विक नियमों पर आधारित थे लेकिन अब आपूर्ति शृंखलाएं बदल गई हैं। वैश्विक आर्थिक समीकरण प्रभावित होने के बाद अमेरिका के सामने उत्पाद लागत बढ़ने, घरेलू उद्योगों पर दबाव आने और विदेशी निवेश में कमी जैसे जोखिम पैदा हुए हैं। इस बदलाव से वियतनाम, मैक्सिको और अन्य देशों को फायदा हुआ है, जबकि चीन को नुकसान हुआ है। वैश्विक उथलपुथल के इसी दौर में भारत ने चीन के साथ नजदीकी बढ़ाई है लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि दोनों देशों के हित टकराते हैं जिसकी वजह से यह सहयोग ज्यादा लंबा खिंचना मुश्किल है। भारत के लिए जोखिम भरा भी है। आर्थिक विकास और प्रौद्योगिकी के मामले में अमेरिका पर निर्भरता को लेकर भी भारत के सामने अभी कोई स्पष्ट विकल्प नहीं है।

अमेरिका बनाम एशिया

टैरिफ वार और वैश्विक असर

- अमेरिका का एशिया के साथ व्यापारिक संबंध डब्ल्यूटीओ के तहत एक खुली, पारदर्शी और गैर-भेदभावपूर्ण प्रणाली पर आधारित था।
- चीन 2001 के बाद यूएस का प्रमुख मैन्युफैक्चरिंग सप्लायर बना। इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनरी, फर्नीचर, टेक्सटाइल चीन सबसे आगे था।
- टैरिफ वार ने इन समीकरणों को बिगाड़ दिया, चीन से आयात में कमी आई है और अमेरिका से उसने व्यापार को कम कर दिया है।
- अमेरिकी उपभोक्ताओं पर लागत का दबाव पड़ने से कंपनियां

अमेरिका के लिए चुनौतियां

- चीन के साथ व्यापार घाटा बढ़ने की आशंका थी लेकिन टैरिफ के बावजूद व्यापार घाटा लगभग अपरिवर्तित रहा है।
- आयातित कच्चे माल पर टैरिफ से अमेरिकी कंपनियों की लागत बढ़ने का अंदेशा, इससे प्रतिस्पर्धी क्षमता पर असर।

इन देशों की लॉटरी

अमेरिका के टैरिफ वार से वियतनाम, मैक्सिको समेत कई उभरते हुए कई देशों को लाभ मिला है क्योंकि कंपनियां

लगातार बढ़ते जोखिम

- ट्रंप के टैरिफ वार ने दुनिया के तमाम देशों को अपनी अर्थव्यवस्था की सेहत ठीक रखने के लिए विकल्प खोजने को विवश होना पड़ा है।
- दुनिया में बढ़ता व्यापारिक तनाव देशों के बीच संबंधों में बदलाव ला रहा है, चीन-अमेरिका के पीछे ध्रुवीकरण की स्थिति पैदा हुई है।
- टैरिफ वार शुरू होने के बाद घरेलू और विदेशी निवेश भी प्रभावित होने की आशंका है जो अमेरिका के लिए एक महत्वपूर्ण जोखिम है।
- अमेरिका का व्यापार संरक्षणवाद वैश्विक आर्थिक विकास पर अपेक्षाकृत मामूली लेकिन महत्वपूर्ण नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है।

भारत के लिए सीमित विकल्प

- भारत के लिए अमेरिकी बाजार के प्रत्यक्ष या ठोस विकल्प काफी सीमित हैं, खासकर विशिष्ट औद्योगिक क्षेत्रों में।
- भारत सेवाओं के निर्यात में मजबूत वृद्धि देख रहा है, जो महत्वपूर्ण है। अमेरिकी सेवाओं का आयात 2024 में 15.4% बढ़ा है।

चीन और भारत

- कई विशेषज्ञों का दावा है कि भारत के लिए चीन की नजदीकी कई तरह के खतरों से भरी है।
- सीमा विवाद और विश्वास की कमी प्रमुख है जो एलएसी पर लगातार घटनाओं से पैदा हुई है।
- दोनों देशों में व्यापार असंतुलन। भारत को चीन से बड़ा व्यापार घाटा होता है। मार्केट एक्सेस और एनटीबी संबंधी काफी शिकायतें हैं।

पुतिन से मिले मोदी, कहा- संकट में हमेशा एक-दूसरे का साथ दिया है भारत-रूस ने

रूसी राष्ट्रपति का जल्द यूक्रेन संघर्ष समाप्त करने का आह्वान, बोले- ये मानवता की मांग

तियानजिन, एजेंसी

तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान पुतिन के साथ मोदी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से कहा कि भारत और रूस हमेशा कठिन परिस्थितियों में भी कंधे से कंधा मिलाकर खड़े रहे हैं। मोदी की पुतिन की मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब भारत एवं अमेरिका के संबंध पिछले दो दशक के संभवतः सबसे खराब दौर से गुजर रहे हैं।

मोदी और पुतिन ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के वार्षिक शिखर सम्मेलन के इतर बैठक की, जिसमें आर्थिक, वित्तीय और ऊर्जा क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। आधिकारिक वार्ता से पहले, दोनों नेताओं ने एससीओ शिखर सम्मेलन में अपने कार्यक्रम समाप्त करने के बाद एक ही कार में बैठक स्थल तक एक साथ यात्रा करते हुए 40 मिनट से अधिक समय तक अनौपचारिक बातचीत की। मोदी ने कहा कि भारत यूक्रेन में शांति स्थापित करने के लिए हाल ही में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करता है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन संघर्ष को यथाशीघ्र समाप्त करना मानवता का आह्वान है।

प्रधानमंत्री मोदी ने टेलीविजन पर प्रसारित अपने वक्तव्य की शुरुआत में कहा, हम यूक्रेन में चल रहे संघर्ष पर नियमित रूप से चर्चा करते रहे हैं। हम शांति स्थापित करने की दिशा में हाल में किए गए सभी प्रयासों का स्वागत करते हैं। उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि सभी पक्ष रचनात्मक तरीके से आगे बढ़ेंगे। इस संघर्ष को समाप्त करने और स्थायी शांति स्थापित करने का रास्ता अवश्य निकाला जाना चाहिए। यह संपूर्ण मानवता की आकांक्षा है। समझा जाता है कि भारतीय पक्ष ने पुतिन को शनिवार को मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर ज़ेलेंस्की के बीच हुई बातचीत के बारे में जानकारी दी। मोदी से बात करने के बाद, ज़ेलेंस्की ने कहा कि भारत यूक्रेन संघर्ष के शांतिपूर्ण समाधान के लिए आवश्यक प्रयास करने और रूस को उपयुक्त संकेत देने के लिए तैयार है। पुतिन ने कहा कि रूस और भारत ने दशकों से विशेष मैत्रीपूर्ण और विश्वास-आधारित संबंध बनाए रखे हैं, और यह संबंधों के भविष्य के विकास की नींव है। उन्होंने कहा, ये संबंध पूरी तरह से दलगत राजनीति से ऊपर हैं और इन्हें हमारे अधिकांश लोगों का समर्थन प्राप्त है।

पुतिन ने यूक्रेन संघर्ष के लिए पश्चिमी देशों को दोषी ठहराया

तियानजिन। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने एससीओ शिखर सम्मेलन में कहा कि यूक्रेन को उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) में शामिल करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयास यूक्रेन के साथ संघर्ष के मुख्य कारणों में से एक हैं। पुतिन ने दावा किया कि यह संकट मुख्यतः 2014 में यूक्रेन में हुए तख्तापलट के कारण उत्पन्न हुआ, जिसे पश्चिम के दशों ने उकसाया था। उन्होंने कहा, संकट का दूसरा कारण यूक्रेन को नाटो में शामिल करने के पश्चिमी देशों के निरंतर प्रयास हैं। जैसा कि हम बार-बार जोर देते रहे हैं कि यह रूस की सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है। फरवरी 2014 में यूक्रेन की राजधानी कीव में प्रदर्शनकारियों और सरकारी बलों के बीच घातक झड़पों के परिणामस्वरूप तत्कालीन राष्ट्रपति विक्टर यानुकोविच को पद से हटा दिया गया था।

जिनपिंग का संयुक्त राष्ट्र और डब्ल्यूटीओ व्यवस्था को मजबूत करने का आह्वान

तियानजिन/नई दिल्ली। चीनी के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने एससीओ के सदस्य देशों से संयुक्तराष्ट्र पर केंद्रित विश्व व्यवस्था की रक्षा करने का आह्वान किया है। जिनपिंग ने तियानजिन एससीओ राष्ट्राध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक में बोलते हुए कहा, हमें न्याय और निष्पक्षता को बनाए रखना चाहिए, द्वितीय विश्व युद्ध के इतिहास के बारे में सही दृष्टिकोण को बढ़ावा देना चाहिए, युद्ध की मानसिकता, गुटों के टकराव और धौंस-धमकी का विरोध करना चाहिए और संयुक्त राष्ट्र की केंद्रीय भूमिका वाली अंतर्राष्ट्रीय संबंधों की व्यवस्था की रक्षा करनी चाहिए। चीनी राष्ट्रपति ने संयुक्त राष्ट्र-केंद्रित अंतर्राष्ट्रीय व्यवस्था की रक्षा करने और विश्व व्यापार संगठन को केंद्र में रखते हुए बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली का समर्थन करने का भी आह्वान किया। उन्होंने इस वर्ष एससीओ सदस्य देशों के लिए दो अरब युआन (लगभग 28.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर) के अनुदान की घोषणा की, साथ ही एससीओ इंटरबैंक कंसोर्टियम के माध्यम से अगले तीन वर्षों में 10 अरब युआन के अतिरिक्त ऋण की भी घोषणा की। उन्होंने बताया कि अन्य एससीओ सदस्य देशों में चीन का संचयी निवेश पहले ही 84 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो चुका है, जबकि वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गया है।

अब नवारो बोले- भारतीय जनता कृपया समझिए, आपके साथ क्या हो रहा है

न्यूयॉर्क, एजेंसी

● ट्रंप के व्यापार सलाहकार ने कहा- भारतीय जनता की कीमत पर 'ब्राह्मण' कर रहे हैं तेल के कारोबार से मुनाफाखोरी

रूस से तेल की खरीद को लेकर भारत पर एक बार फिर निशाना साधते हुए 'व्हाइट हाउस' के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि 'ब्राह्मण' भारतीय जनता की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं और इसे रोकने की जरूरत है।

नवारो ने 'फॉक्स न्यूज संडे' से एक साक्षात्कार में कहा, देखिए मोदी एक महान नेता हैं। उन्होंने कहा कि मोदी दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के नेता हैं और उन्हें समझ नहीं आता कि भारतीय नेता किस तरह रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के साथ सहयोग कर रहे हैं। नवारो ने कहा, मैं बस इतना ही कहना चाहूंगा, भारतीय जनता कृपया समझिए कि यहां क्या हो रहा है। आपके पास ब्राह्मण हैं जो भारतीय लोगों की कीमत पर मुनाफाखोरी कर रहे हैं। हमें इसे रोकने की जरूरत है। इस बीच, कांग्रेस के सांसद कार्ति चिदम्बरम ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक टिप्पणी में कहा, अमेरिका में 'बोस्टन ब्राह्मिन' एक जुमला है जो आम बोलचाल में समाज के संभ्रांत लोगों के लिए इस्तेमाल होता है।

भारत के साथ साझेदारी नई ऊंचाइयां छू रही हैं:अमेरिका

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप की टिप्पणियों और आयात शुल्क को लेकर उत्पन्न तनातनी के बीच यहां अमेरिकी दूतावास ने कहा दोनों देशों की साझेदारी लगातार नई ऊंचाइयों को छू रही है। दूतावास ने विदेश मंत्री मार्को रूबियो के इस आशय के एक बयान वाले पोस्टर के साथ एक्स पर कहा कि भारत-अमेरिका संबंध 21वं सदी की एक निर्णायक भागीदारी है। यह बयान ऐसे समय आया है जब मोदी ने तियांजिन में आयोजित एससीओ सम्मेलन के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादीमिर पुतिन के साथ अलग-अलग महत्वपूर्ण बैठकें की हैं।

ट्रंप का दावा: भारत ने की है टैरिफ निल करने की पेशकश लेकिन अब देर हो चुकी, ऐसा पहले करना चाहिए था

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को दावा किया कि भारत ने अमेरिकी उत्पादों पर आयात शुल्क घटा कर 'नगण्य' करने की पेशकश की है, लेकिन अब देर हो चुकी है। ट्रंप ने सोमवार को अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा कि भारत ने लंबे समय से अमेरिकी उत्पादों पर दुनिया में सबसे अधिक कर लगाता आ रहा है और इस कारण दोनों देशों के बीच व्यापार एकतरफा है। उन्होंने इसे एकतरफा विनाश बताया। अमेरिका राष्ट्रपति ने लिखा, भारत ने अब आयात शुल्क घटाकर नगण्य करने की पेशकश की है, लेकिन अब देर हो चुकी है। उन्हें बहुत पहले ऐसा करना चाहिये था। ट्रंप ने कहा कि काफी कम लोग यह समझते हैं कि अमेरिका भारत से काफी कम व्यापार करता है, जबकि अमेरिका भारत का सबसे बड़ा ग्राहक है। भारत उसे बड़ी मात्रा में सामान बेचता है जबकि वह अमेरिका से बहुत कम खरीदता है। उन्होंने कहा, यह पूरी तरह से एकतरफा विनाश था। अमेरिकी राष्ट्रपति ने एक बार फिर रूस से तेल खरीदने के लिए भारत की आलोचना की।

वेनेजुएला की चुनौती, अमेरिका के किसी भी हमले के लिए तैयार

करकास, एजेंसी

● रक्षा प्रमुख ने कहा- देश में एक भी कदम रखा तो कड़ा जवाब देंगे

वेनेजुएला के रक्षा मंत्री व्लादिमीर पैड्रिनो लोपेज़ ने रविवार को कहा कि उनका देश, अमेरिका के किसी भी हमले के लिए तैयार है। श्री लोपेज़ ने अमेरिकी सरकार को मीडिया के जरिए चेतावनी देते हुए कहा, अगर आपने वेनेजुएला में एक भी कदम रखने की कोशिश की तो हम इसका जवाब देंगे।

रक्षा प्रमुख ने कहा कि वेनेजुएला एक ऐसी घेराबंदी में है जिसका उद्देश्य आंतरिक अराजकता को भड़काना और देश के राजनीतिक नेतृत्व को कमजोर करना है। उन्होंने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य गतिविधियों का जिक्र करते हुए कहा कि कैरेबियाई जलक्षेत्र में अमेरिकी नौसैनिकों की तैनाती की घोषणा शक्ति प्रदर्शन के अलावा और कुछ नहीं है। यह क्षेत्र को चिह्नित करने का एक तरीका है, ताकि अन्य शक्तियां कैरिबियाई सागर पर नियंत्रण न कर सकें। पैड्रिनो लोपेज ने कहा कि सेना के 15000 जवान वेनेजुएला के पश्चिमी क्षेत्र में तैनात कर दिए गए हैं।

फलस्तीनी वीजा पर लगी पाबंदियों को अमेरिका ने बढ़ाया

वाशिंगटन। अमेरिका ने फलस्तीनी पासपोर्ट धारकों के लिए वीजा पाबंदियों को बढ़ाते हुए वीजा की लगभग सभी श्रेणियों के अनुमोदन पर रोक लगा दी है। न्यूयार्क टाइम्स ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि वीजा पाबंदी में चिकित्सा, विश्वविद्यालय अध्ययन, व्यावसायिक यात्रा, और मित्रों या परिवार से मिलने की श्रेणी के आवेदन भी शामिल हैं। ये नियम केवल गाजा के निवासियों पर लागू होते थे पर अब नई नीति पश्चिमी तट और पूरे प्रवासी समुदाय में रहने वाले फिलिस्तीनी नागरिकों पर लागू हो जाएगी।

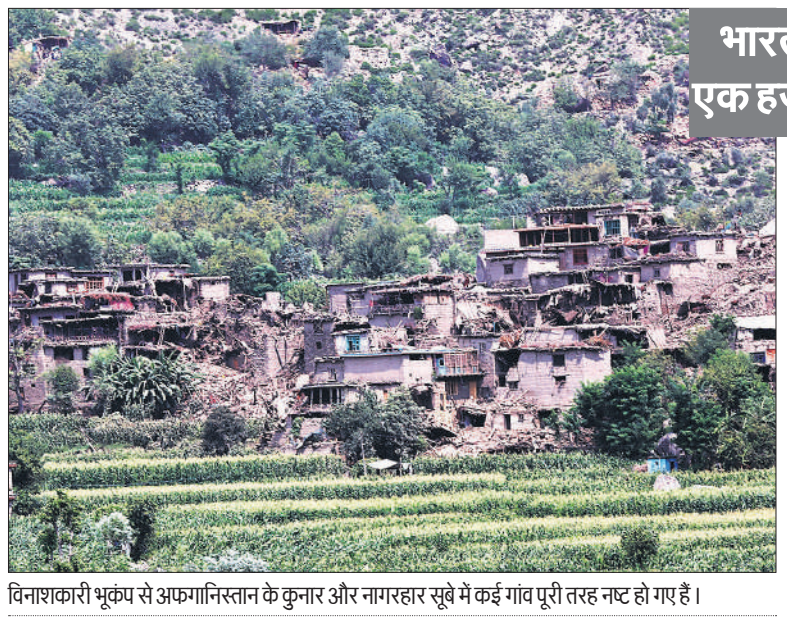

विनाशकारी भूकंप से अफगानिस्तान के कुनार और नागरहार सूबे में कई गांव पूरी तरह नष्ट हो गए हैं।

भारत ने अफगानिस्तान को भेजे एक हजार तंबू, 15 टन खाद्य सामग्री

नई दिल्ली। भारत ने अफगानिस्तान में भूकंप से हुई भारी तबाही के बाद मदद का हाथ बढ़ाते हुए तत्काल सहायता के तौर पर वहां एक हजार तंबू तथा 15 टन खाद्य सामग्री भेजी है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मौलवी अमीर खान मुत्तकी से बात कर भूकंप के कारण हुई जान-माल की हानि पर संवेदना व्यक्त कर कहा कि इस कठिन समय में भारत अफगानिस्तान के साथ है। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, कल से भारत से और राहत सामग्री भेजी जाएगी। पूर्वी अफगानिस्तान के कुनार और नांगरहार प्रांतों में रविवार रात आए भूकंप 800 से अधिक लोगों की मौत हो गई और 2500 से अधिक घायल हुए हैं। मृतकों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है।

वैश्विक संस्थाओं ने भी बढ़ाए मदद के लिए हाथ

काबुल। अफगानिस्तान में आए भीषण भूकंप के बाद अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं सहायता पहुंचाने एवं राहत-बचाव कार्यों में तेजी ला रही हैं। तालिबान अधिकारियों ने कहा कि इस विनाशकारी भूकंप में कुनार और नांगरहार क्षेत्रों में अधिकतर गांव पूरी तरह नष्ट हो गए हैं। बचाव अभियान जारी है और चिकित्सा दल भेजे गए हैं। संयुक्त राष्ट्र ने पुष्टि करते हुए कहा है कि उसके कर्मचारी प्रभावित प्रांतों में स्थानीय सहायता कर्मियों के साथ मिलकर राहत एवं बचाव अभियान में मदद कर रहे हैं। भारत समेत कई देशों ने भी प्रभावित इलाकों के लिए मदद भेजी है।

> अफगानिस्तान में भूकंप के कारण हुई जानमाल की हानि से बहुत दुखी हूं। इस कठिन घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं शोकसंतप्त परिवारों के साथ हैं, हम घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हैं। भारत प्रभावित लोगों को हरसंभव मानवीय सहायता और राहत प्रदान करने के लिए तैयार है। - **'एक्स' पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी**

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 2 सितंबर, मंगलवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-भाद्रपद, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 3 सितंबर 03.53 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

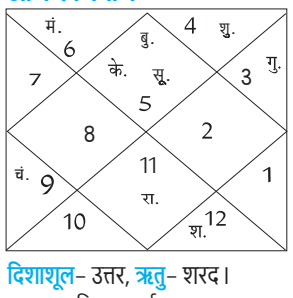

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद। चन्द्रबल-मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुम्भ, मीन।

ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-मूल 21.51 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

मेष — आज कार्यक्षेत्र में थोड़ी परेशानियां लगी रहेंगी। दोपहर के बाद काफी सारी परिस्थितियां आप अनुकूल कर लेंगे। दूसरों की सहायता करने के लिए तत्पर रहेंगे। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

वृष — आज दिन की शुरुआत अच्छी नहीं रहेगी। व्यापारियों को ग्राहकों के साथ अपने संबंध अच्छे रखने चाहिए। बड़े-बुजुर्गों का आशीर्वाद प्राप्त होगा। गलत कार्यप्रणाली से आपको बचना चाहिए। आप शुभ कार्यों में धन खर्च कर सकते हैं।

मिथुन — आज छोटी दूरी की यात्रा करने का विचार बनाएंगे। गले में संक्रमण जैसी समस्या हो सकती है। विवाहेतर संबंधों के कारण परेशानियां उत्पन्न होंगी। विरोधी आपका उपहास कर सकते हैं। मन में अस्थिरता और तनाव की स्थिति रहेगी।

कर्क — आज आपकी कार्यक्षमता में वृद्धि होगी। मांगलिक कार्य में आप सम्मिलित हो सकते हैं। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई के प्रति एकाग्र रहेंगे। अचानक धन लाभ होने की प्रबल संभावना है। भविष्य के लिए आप बड़ी योजना बना सकते हैं।

सिंह — आज वैवाहिक जीवन की समस्याओं का समाधान होगा। अपनी बातों से लोगों को प्रभावित कर पाएंगे। समाज में आपकी सक्रियता बढ़ेगी। मौसम में अचानक बदलाव के कारण आपको समस्या हो सकती है। बच्चों को लेकर आप थोड़ा परेशान रहेंगे।

कन्या — आज दूसरों की भावनाओं पर अधिक विश्वास न करें। विरोधियों से सावधान रहने की आवश्यकता है। एलर्जी और खांसी जैसी समस्या हो सकती है। जिद्दीपन वाले व्यवहार से आपको बचना चाहिए। थकान और कमजोरी महसूस हो सकती है।

तुला — आज आपको अच्छे संपर्कों का लाभ अवश्य मिलेगा। भाई बहनों की उन्नति से आप प्रसन्न होंगे। अप्रत्याशित लाभ मिलने के योग बन रहे हैं। मार्केटिंग संबंधी कार्यों के लिए दिन अनुकूल है। सहकर्मियों के बीच आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी।

वृश्चिक — आज दिन प्रसन्नता और उत्साह से भरपूर रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों का अच्छा सहयोग प्राप्त होगा। आय के नए स्रोत बन सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण हो जाएंगे। जीवनसाथी के साथ अपने मन की बातें कर सकते हैं।

धनु — आज परिवार के सदस्यों के बीच अच्छा तालमेल रहेगा। सभी आवश्यक कार्य बिना बाधा के पूर्ण हो जाएंगे। विरोधियों के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। संतान के रवैये से आप संतुष्ट रहेंगे। कानूनी मामलों में विजय मिल सकती है।

मकर — आज यदि यात्रा कर रहे हैं, तो सामान के प्रति विशेष सावधानी रखें। अनावश्यक कार्यों के लिए अपना समय व्यर्थ न करें। युवा नौकरी को लेकर परेशान हो सकते हैं। महत्वपूर्ण सामान चोरी हो सकता है। संयम से काम लेंगे तो सफलता मिलेगी।

कुंभ — आज रिश्तेदारों पर अधिक विश्वास करना उचित नहीं है। प्रेमीजन के साथ समय बिताएंगे। आकस्मिक यात्रा की संभावना बन सकती है। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। शाम के समय किसी सहकर्मी से मनमुटाव हो सकता है।

मीन — आज लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत करेंगे, जिसके सार्थक परिणाम भी आपको शीघ्र प्राप्त होंगे। परिजनों के साथ आनंद का समय बिताएंगे। आपकी निर्णय लेने की क्षमता का विकास होगा। विरोधी आपके मित्र बन सकते हैं।

सुडोकू-87

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

9		2	6				5	
				3			8	
1			4					6
		7		2		6		
			1		7			
4		3		8		5		
	2				9			3
	4			1				
	6				5	2		1

सुडोकू - 86 का हल

5	3	4	6	1	7	2	8	9
1	6	2	8	9	5	4	3	7
8	9	7	2	3	4	1	6	5
4	2	8	9	7	3	6	5	1
6	1	3	5	8	2	7	9	4
9	7	5	4	6	1	8	2	3
3	8	1	7	2	9	5	4	6
2	4	9	1	5	6	3	7	8
7	5	6	3	4	8	9	1	2

सांसद खेल महोत्सव 21 से 25 दिसंबर तक उत्तर मुंबई में किया जाएगा। हम खेल को हर घर तक पहुंचाने की दिशा में काम कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य लगभग एक लाख खिलाड़ियों को जोड़ने और भारत में खेले जाने वाले खेलों को प्रोत्साहन देने का है।

-पीयुष गोयल

स्टेडियम

हल्द्वानी, मंगलवार, 2 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

अहलावत संयुक्त 33वें स्थान पर

क्रांस मोंटाना (स्विट्जरलैंड) : भारत के वीर अहलावत यहां अंतिम दौर में दो अंडर 68 के स्कोर से यूरोपीय मास्टर्स गोल्फ टूर्नामेंट में संयुक्त रूप से 33वें स्थान पर रहे। डीपी विश्व टूर पर पैर जमाने की कोशिश कर रहे अहलावत का कुल स्कोर नौ अंडर रहा। उन्होंने चार दौर में 69, 64, 70 और 68 के स्कोर बनाए। अहलावत ने लगातार चौथी बार कट हासिल किया। वह अभी डीपी विश्व टूर तालिका में 129वें स्थान पर हैं और अगर कुछ और टूर्नामेंट में अच्छे नतीजे हासिल करते हैं तो टूर पर अपनी जगह बरकरार रख सकते हैं।

नीतिश राणा ने दिलाया डीपीएल खिताब

नई दिल्ली : कोलकाता नाइट राइडर्स के पूर्व कप्तान नीतिश राणा ने एक बार फिर अपनी काबिलियत का नमूना पेश करते हुए 49 गेंद में नाबाद 79 रन बनाकर पश्चिम दिल्ली लायंस को सेंट्रल दिल्ली लायंस पर छह विकेट से जीत दिलाकर दिल्ली प्रीमियर लीग खिताब 2025 दिलाया। जीत के लिये 174 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए लायंस को शुरूआती झटके लगे जब सेंट्रल दिल्ली के गेंदबाजों सिमरजीत सिंह और अरूण पुंडीर ने लगातार विकेट लेकर पांचवें ओवर में स्कोर तीन विकेट पर 48 रन कर दिया। इसके बाद कप्तान राणा ने मयंक गुसाई के साथ 42 रन की साझेदारी की। उसके बा रितिक शोकीन (27 गेंद में नाबाद 42) के रूप में उन्हें अच्छा जोड़ीदार मिल गया। राणा ने अपनी पारी में छह छक्के लगाए।

टेनिस प्रीमियर लीग अहमदाबाद में

मुंबई : अखिल भारतीय टेनिस संघ (एआईटीए) के तत्वावधान में आयोजित होने वाली टेनिस प्रीमियर लीग (टीपीएल) का सातवां सीजन नौ से 14 दिसंबर तक अहमदाबाद के गुजरात विश्वविद्यालय टेनिस स्टेडियम आयोजित होगा। महाराष्ट्र के बाहर पहली बार आयोजित होने वाले टीपीएल के सातवें सीजन में लिएंडर पेस, सानिया मिर्जा, महेश भूपति, रकुल प्रीत सिंह और सोनाली बेंद्रे जैसे दिग्गजों द्वारा समर्थित आठ-फ्रैंचाइजी प्रतियोगिता में एटीपी रैंकिंग में 30 से 50 के बीच रैंकिंग वाले अंतरराष्ट्रीय टेनिस सितारे, दो बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन रोहन बोपन्ना सहित भारत के शीर्ष खिलाड़ी शामिल होंगे।

ओवरटन ने लाल गेंद के क्रिकेट से ब्रेक लिया

लंदन : इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जेमी ओवरटन ने सोमवार को लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने की घोषणा की क्योंकि अब वह सभी प्रारूपों के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध नहीं हो पा रहे हैं। सिर्फ दो टेस्ट खेलने वाले 31 वर्षीय ओवरटन ने पिछला टेस्ट भारत के खिलाफ ओवल में पांच मैच की घरेलू सीरीज के दौरान खेला था जो 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई थी। ओवरटन ने एक्स पर कहा काफी सोच-विचार के बाद मैंने लाल गेंद के क्रिकेट से अनिश्चितकालीन ब्रेक लेने का फैसला किया है।

महिला विश्व कप चैंपियन की पुरस्कार राशि में बंपर बढ़ोतरी

दुबई, एजेंसी

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में 30 सितंबर से शुरू होने वाले महिला वनडे विश्व कप में विजेता टीम को 44.80 लाख डॉलर (लगभग 39.55 करोड रुपये) की पुरस्कार राशि मिलेगी। ये इस टूर्नामेंट में अभी तक की सबसे बड़ी इनामी राशि होगी।

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को घोषणा की कि विजेता टीम के लिए पुरस्कार राशि में 13.20 (लगभग 11.65 करोड रुपये) की बढ़ोतरी की गई है। महिला वनडे विश्व कप में आठ टीम भाग लेंगी और इसकी कुल पुरस्कार राशि में लगभग चार गुना वृद्धि की गई है। आईसीसी ने इस प्रतियोगिता के लिए कुल पुरस्कार राशि 13.88 मिलियन डॉलर (लगभग 122.5 करोड़ रुपये) घोषित की है। आईसीसी ने एक बयान में कहा आईसीसी ने महिला क्रिकेट के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, क्योंकि चैंपियन को रिकॉर्ड 44.8 लाख डॉलर की पुरस्कार राशि मिलेगी। न्यूजीलैंड में खेले गए पिछले महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार राशि लगभग 31 करोड रुपए थी और इस तरह से अब इस राशि में लगभग 297 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। महिला वनडे विश्व कप की कुल पुरस्कार

राशि आईसीसी पुरुष वनडे विश्व कप 2023 की पुरस्कार राशि से अधिक है, जिसकी कुल पुरस्कार राशि 10 मिलियन डॉलर (लगभग 88.26 करोड़ रुपये) थी। महिला वनडे विश्व कप की उपविजेता टीम को अब 2.24 मिलियन डॉलर (लगभग 19.77 करोड़ रुपये) जबकि सेमीफाइनल में हारने वाली टीमों को 1.12 मिलियन डॉलर (लगभग 9.89 करोड़ रुपये) मिलेंगे। ग्रुप चरण जीत दर्ज करने पर टीमों को 34,314 डॉलर (लगभग 30.29 लाख रुपये) मिलेंगे। पांचवें और छठे स्थान पर रहने वाली टीमों को 700,000 डॉलर (लगभग 62 लाख रुपये) और सातवें और आठवें स्थान पर रहने वाली टीमों को 280,000 डॉलर (लगभग 24.71 लाख रुपये) मिलेंगे। प्रत्येक प्रतिभागी टीम को 250,000 डॉलर (लगभग 22 लाख रुपये) मिलेंगे। आईसीसी ने कहा कि इस कदम का उद्देश्य दुनिया भर में महिला क्रिकेट की लोकप्रियता बढ़ाना और उसे पुरुष क्रिकेट के बराबर लाना है। आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने कहा कि यह महिला क्रिकेट को प्राथमिकता देने की दिशा में उठाया गया कदम है। उन्होंने कहा यह घोषणा महिला क्रिकेट के सफ़र में एक मील का पत्थर साबित होगी। पुरस्कार राशि में यह चार गुना वृद्धि महिला क्रिकेट के लिए एक ऐतिहासिक क्षण है और इसके दीर्घकालिक विकास के लिए हमारी स्पष्ट प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हमारा संदेश सरल है, महिला क्रिकेटरों को यह पता होना चाहिए कि अगर वे इस खेल को पेशेवर रूप से चुनेंगी तो उनके साथ पुरुषों के समान व्यवहार किया जाएगा।

40 करोड़ रुपये अब मिलेंगे, ये इनामी राशि अब तक की सबसे अधिक है।

बच्चों को खेल के लिए प्रोत्साहित करें

कोलकाता : भारत के पूर्व क्रिकेटर अरुण लाल ने राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह के तहत साइ के क्षेत्रीय केंद्र द्वारा आयोजित संगोष्ठी में फोन पर स्क्रीन टाइम के चलन पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि इससे युवा खेल के मैदान से दूर रहे हैं। ग्रासरूट्स टू ग्लोबल पोडियम्स : इंडियाज रोड टू 2036 विषय पर आयोजित सत्र में अरुण ने भारत की ओलंपिक महत्वाकांक्षाओं को पूरा करने के लिए जमीनी स्तर के खेलों के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने रविवार को आयोजित सत्र में कहा बच्चों को फोन की जगह खेल के मैदान को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका। एजेंसी

सबालेंका, अल्काराज और जोकोविक क्वार्टर फाइनल में

यूएस ओपन के मुकाबले पहुंचे रोमांचक मोड़ पर, नोवाक ने फेडरर को पीछे छोड़ा

न्यूयॉर्क, एजेंसी

विश्व की नंबर एक खिलाड़ी आर्यना सबालेंका, सर्बियाई टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविक और स्पेन के दिग्गज कार्लोस अल्काराज ने अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज कर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है।

लुइस आर्मस्ट्रांग स्टेडियम में एकल वर्ग के मुकाबले में सबालेंका ने स्पेन की क्रिस्टीना बुक्सा को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अपने शुरुआती तीन राउंड में कड़ी परीक्षा दे चुकी गत चैंपियन को फ्लशिंग मीडोज में विश्व की 95वें नंबर की खिलाड़ी को हराने और लगातार पांचवीं बार अंतिम-आठ में जगह बनाने में केवल 73 मिनट लगे। सबालेंका का अगले दौर में मुकाबला कजाकिस्तान की एलिना रिबाकिना और चेक गणराज्य की मार्केटा वोंद्रोसोवा के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

आर्थर ऐश स्टेडियम में रविवार रात नोवाक जोकोविक ने जर्मनी

कार्लोस अल्काराज।

नोवाक जोकोविक।

के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को हराकर एक ही सीजन में चारों ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे उम्रदराज़ खिलाड़ी बनकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया। वहीं अल्काराज ने ओपन युग में 13 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनने की उपलब्धि हासिल की। एक घंटे 49 मिनट तक चले मुकाबले 38 वर्षीय सर्बियाई खिलाड़ी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जर्मन क्वालीफायर जान-लेनार्ड स्ट्रफ को 6-3, 6-3, 6-2 से हराकर अपने करियर के 14वें यूएस ओपन क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। जोकोविक का अगला मुकाबला अमेरिकी नंबर 4 सीड टेलर फ्रिट्ज से होगा, जिन्होंने इससे पहले चेक गणराज्य के टॉमस मचाक को सीधे सेटों में हराया था।

मैच के बाद साक्षात्कार में जोकोविक ने कहा अगर आप अच्छी सर्विस करते हैं तो यह निश्चित रूप से मददगार होता है। मुझे लगता है कि पिछले राउंड में और आज भी मेरी सर्विस बहुत अच्छी रही। शायद मुझे उतनी मेहनत करने की जरूरत नहीं है। अपने करियर के ज्यादातर समय मैं बेसलाइन से दौड़ता, फिसलता और घिसटता रहा हूं। इस जीत के साथ जोकोविक ने रोजर फेडरर और आंद्रे अगासी को भी पीछे छोड़ दिया। ओपन एरा रिकॉर्ड बुक में अब वह केवल कॉनर्स से पीछे हैं, जो 17 क्वार्टर फाइनल तक पहुंच चुके हैं। एक अन्य मुकाबले में स्पेन के सनसनीखेज खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज ने दर्शकों को एक बार फिर चकित कर करते हुए फ्रांस के आर्थर रिंडरकनेच को सीधे सेटों में हराकर 2025 यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया।

दूसरे नंबर के खिलाड़ी ने अल्काराज ने रिंडरकनेच पर 7-6(3), 6-3, 6-4 से जीत हासिल की और ओपन युग में 13 ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। अल्काराज ने 19 साल की उम्र में यूएस ओपन जीतकर सबसे कम उम्र के विश्व नंबर वन खिलाड़ी बनकर 2022 में न्यूयॉर्क में इतिहास रचा था, अब अंतिम आठ में चेक गणराज्य के 20वें वरीय लेहेका से मुकाबला करेंगे। लेहेका ने फ्रांस के एड्रियन को 7-6, 6-4, 2-6, 6-2 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है।

सोराना क्रिस्टी की ट्रॉफी होटल से चोरी

न्यूयॉर्क : टेनिस खिलाड़ी सोराना क्रिस्टी ने कहा है कि हाल ही में एक महिला टूर्नामेंट में जीती हुई उनकी ट्रॉफी अमेरिकी ओपन के दौरान न्यूयॉर्क में होटल के कमरे से चोरी हो गई है। सोराना एकल वर्ग से हारकर बाहर हो चुकी हैं।

उन्होंने शनिवार की रात इंस्टाग्राम पर लिखा जिसने भी द फिफ्टी सोनेस्टा होटल के कमरा नंबर 314 से मेरी क्लीवलैंड ट्रॉफी चुराई है, कृपया उसे वापिस लौटा दो। इसकी वैसे कोई कीमत नहीं है लेकिन भावनात्मक कीमत है। रोमानिया की 35 वर्ष की क्रिस्टी ने इस महीने क्लीवलैंड में अपने कैरियर का तीसरा एकल खिताब जीता था।

माया राजेश्वरन दूसरे दौर में

न्यूयॉर्क : भारत की युवा टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन रेवती ने चीन की झांग कियान वेइ को अमेरिकी ओपन जूनियर लड़कियों के एकल वर्ग में हराकर दूसरे दौर में जगह बना ली, लेकिन हितेश चौहान सीधे सेटों में हारकर बाहर हो गए। कोयंबटूर की रहने वाली 16 वर्ष की माया ने 7-6, 6-3 से जीत दर्ज की। माया स्पेन के मालोरका में रफेल नडाल अकादमी की छात्रा हैं। अब वह ब्रिटेन की हन्नाह क्लगमैन से खेलेंगी, जिन्होंने एस्पेन शूमैन को 6-0, 6-2 से हराया।

लॉन बॉल खिलाड़ी मनु पाल का विश्व कप के लिए चयन

संवाददाता, छिबरामऊ (कन्नौज)

अमृत विचार। आगामी विश्वकप व हांगकांग क्लासिक की प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने के लिए लॉन बॉल खिलाड़ियों का तीन दिवसीय ट्रायल में चयन हुआ है। इसमें कन्नौज की मनु पाल भी शामिल हैं।

न्यू सराफान मोहल्ले के रहने वाले रामनरायन पाल की बेटी मनु कई सालों से लॉन बॉल के विदेशों में होने वाले आयोजन का प्रतिनिधित्व कर रही हैं। आगामी विश्वकप व हांगकांग क्लासिक प्रतियोगिता के लिए महिला व पुरुष खिलाड़ियों का तीन दिवसीय ट्रायल आर के पुरम दिल्ली में 28 अगस्त से 31 अगस्त में आयोजित हुआ। महिला वर्ग में मनु पाल के चयनित होने की खबर मिलते ही जिले के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर दौड़ गई। फोन पर मनु ने बताया कि महिला व पुरूष वर्ग से 4-4 खिलाडियों को चयनित किया गया। नवंबर में होने वाली हांगकांग व मलेशिया की प्रतियोगिता में देश की ओर से प्रतिभाग करेंगी।

साथी खिलाड़ियों के साथ कन्नौज की मनु पाल (मध्य में)। एजेंसी

अगली विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप भारत में

पेरिस, एजेंसी

- विश्व बैडमिंटन महासंघ ने की घोषणा
- नई दिल्ली में होगा प्रतियोगिता का आयोजन

बैडमिंटन विश्व चैंपियनशिप के अगस्त 2026 में होने वाले अगले आयोजन के लिए नई दिल्ली को मेजबान शहर के तौर पर चुना गया है। विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने सोमवार को इसकी घोषणा की। यह दूसरी बार होगा जब भारत इस विश्व चैंपियनशिप की मेजबानी करेगा।

इससे पहले 2009 में हैदराबाद ने इसकी मेजबानी की थी। यह घोषणा पेरिस में 2025 चैंपियनशिप के समापन समारोह के दौरान की गई। इस मैके पर बीडब्ल्यूएफ अध्यक्ष खुनयिंग पटामा लीस्वदत्रकुल, 'फेडरेशन फ्रैंकेसे डी बैडमिंटन' के प्रमुख फ्रैंक लॉरेंट और भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के महासचिव संजय मिश्रा के बीच एक हस्तांतरण हुआ। उन्होंने पेरिस की तरह उत्कृष्टता और भव्यता को आगे बढ़ाने का वादा किया बीएआई से जारी विज्ञप्ति में मिश्रा ने कहा हम आपको विश्वास दिलाते हैं कि पेरिस ने जो उत्कृष्टता और भव्यता दिखाई है भारत उन मानकों को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए अपना शत प्रतिशत प्रयास करेगा। हम वैश्विक बैडमिंटन परिवार का दिल्ली में स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। दिल्ली की मेजबानी से टूर्नामेंट की आठ साल के बाद एशिया में वापसी होगी। चीन के नानजिंग ने 2018 सत्र की मेजबानी की थी।

भारत के लिए, दोबारा चैंपियनशिप की मेजबानी करना इस खेल की बड़ी ताकत और वैश्विक बैडमिंटन मानचित्र पर एक प्रमुख स्थल के रूप में मजबूत स्थिति को दर्शाता है।

मलेशिया और कोरिया पूल बी से सुपर चार में पहुंचे

हॉकी एशिया कप

राजगीर (बिहार), एजेंसी

मलेशिया और कोरिया ने सोमवार को यहां पुरुष एशिया कप हॉकी टूर्नामेंट के पूल बी के अपने-अपने मैच आसानी से जीत कर सुपर चार चरण में अपनी जगह सुरक्षित की। मलेशिया ने चीनी ताइपे को 15-0 से करारी शिकस्त दी, जबकि कोरिया ने बांग्लादेश को 5-1 से हराया। मलेशिया तीन मैचों में जीत के साथ नौ अंक लेकर ग्रुप में शीर्ष पर रहा, जबकि कोरिया छह अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा।

बांग्लादेश तीन अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहा, जबकि चीनी ताइपे एक भी मैच नहीं जीत पाया। दिन के दूसरे मैच में मलेशिया की तरफ से अशरन हमसानी (आठवें, 15वें, 32वें, 54वें मिनट), अखीमुल्लाह अनुआर (10वें, 20वें, 29वें, 45वें, 56वें), नोर्सयाफिक सुमांत्री (20वें, 40वें, 60वें), अबू कमाल अजराई (22वें), एंडीवालफियन एफ्रिनस (24वें) और ऐमान रोजेमी (32वें) ने गोल किए।

दिन के पहले मैच में कोरिया की तरफ से डैन सोन (नौवें, 11वें) ने दो, जबकि सेउंगवू ली (16वें), सेयोंग ओह (22वें) और जिहुन यांग (60वें) ने एक-एक गोल किया। बांग्लादेश की तरफ से गोल सोहनुर सोबुज ने किया।

चीनी ताइपे के खिलाफ गोल करते हुए मलेशिया के खिलाड़ी। एजेंसी

अश्विन ने किया आईएलटी20 आयोजकों से संपर्क

नई दिल्ली : भारतीय क्रिकेट के सभी प्रारूपों से विदा ले चुके दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने पुष्टि की है कि वह दो दिसंबर से चार जनवरी 2026 तक यूएई में होने वाले आईएलटी 20 के अगले सत्र की नीलामी का हिस्सा बनने के इच्छुक हैं। अगले कुछ दिनों में 39 वर्ष के होने जा रहे अश्विन ने हाल ही में आईपीएल से संन्यास लिया है जिसके बाद वह दूसरे देशों में टी20 लीग खेल सकते हैं।

भारत के लिए 287 मैचों में 765 विकेट ले चुके अश्विन के हवाले से क्रिकबज ने कहा मैं आयोजकों के संपर्क में हूं। उम्मीद है कि नीलामी के लिए रजिस्ट्रेशन कराने पर मुझे कोई खरीदार मिल जाएगा। नीलामी 30 सितंबर को दुबई में होगी और रजिस्ट्रेशन दस सितंबर तक पूरे हो जायेंगे। पहली बार आईएलटी20 में नीलामी हो रही है जबकि अब तक खिलाड़ी चुनने के लिये ड्राफ्ट व्यवस्था थी।

सफलता का राज | मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने बताया अपना मूल मंत्र

खेल और खिलाड़ियों को समझना महत्वपूर्ण

राजगीर (बिहार), एजेंसी

दुनिया के मशहूर मानसिक अनुकूलन कोच पैडी अपटन ने अपने शानदार करियर के दौरान विभिन्न खेलों में काम किया है, लेकिन खेल कोई भी हो उनका मूल मंत्र एक ही है, खेल और खिलाड़ियों की जरूरत को समझना।

अपटन भारत की 2011 क्रिकेट वन डे विश्व कप जीत के दौरान मुख्य कोच गैरी कर्स्टन के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा थे और वह वर्तमान में यहां चल रहे एशिया कप में भारतीय पुरुष हॉकी टीम के साथ जुड़े हुए हैं।

वह पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली भारतीय हॉकी टीम तथा पिछले वर्ष एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी और 2022 एशियाई खेलों की विजयी टीमों का भी हिस्सा थे। अपटन ने पीटीआई से कहा, टीमवर्क के सिद्धांत लगभग

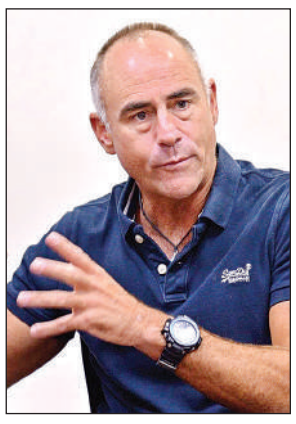

पैडी अपटन। एजेंसी

एक जैसे हैं। हॉकी में एक अलग प्रकार का टीमवर्क होता है, जिसमें कई खिलाड़ियों को जुड़ना पड़ता है। क्रिकेट में भी टीमवर्क होता है, लेकिन यह अधिक व्यक्तिगत होता है। इस 55 वर्षीय कोच ने कहा लेकिन ध्यान केंद्रित रखने के सिद्धांत, ध्यान भटकाने वाली चीजों का प्रबंधन करने के सिद्धांत जैसे स्कोरबोर्ड, प्रशंसक, विरोधी टीम, गलती करने का पछतावा, ये सब एक जैसे ही हैं। अपटन का करियर मुख्य रूप से क्रिकेट के इर्द-गिर्द घूमता रहा। उन्होंने दक्षिण अफ्रीकी टीम और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स सहित दुनिया भर की कई टी-20 फ्रेंचाइजी के साथ काम किया है। उन्होंने हालांकि रग्बी और हाल ही में हॉकी जैसे अन्य खेलों में भी काम किया है।

दक्षिण अफ्रीका के रहने वाले अपटन ने कहा मुझे हॉकी के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है। मैं भारत का रहने वाला नहीं हूं और अब भी मैं यहां एक मेहमान हूं, इसलिए मेरा दृष्टिकोण वास्तव में सुनने, माहौल को समझने, खेल को समझने और प्रत्येक व्यक्ति को समझने पर ध्यान देने का है। जब मैं चीजों को समझ जाऊंगा तभी किसी तरह की मदद कर सकता हूं।

खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से भी करते हैं संपर्क

- भारतीय हॉकी टीम के साथ काम करने के तरीके के बारे में पूछे जाने पर अपटन ने कहा यह खिलाड़ियों से व्यक्तिगत और टीम सत्र दोनों तरह से होता है। हम टीम के साथ कार्यशालाएं आयोजित करते हैं और खिलाड़ियों के साथ व्यक्तिगत रूप से भी संपर्क करते हैं। यह आखिरकार कोच और कप्तान पर निर्भर करता है कि वे क्या चाहते हैं। अपटन ने कहा कि भारतीय हॉकी टीम का ध्यान फिलहाल अगले साल होने वाले विश्व कप, एशियाई खेलों और 2028 ओलंपिक पर है। उन्होंने कहा भारतीय टीम के साथ मेरा पिछला अनुभव ओलंपिक से पहले का है।